www.epaper.azadsipahi.in

* ओड़िशा संस्करण

29 अप्रैल, 2025
वैशाख, शुक्ल पक्ष, द्वितीया
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
मंगलवार, वर्ष 10, अंक 189

रिम्स निदेशक को पद से हटाने के फैसले पर हाइकोर्ट ने लगायी रोक

पहलगाम हमला : पाकिस्तान से बदला लेने को तैयार भारत

प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री के बीच हुई महत्वपूर्ण बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। पहलगाम हमले को सोमवार को छह दिन हो गये हैं। भारत ने तत्काल कूटनीतिक हमला कर सिंधू जल समझौता रद्द करने समेत अन्य कठोर फैसले लिये। अब आगे की कार्रवाई का इंतजार किया जा रहा है। भारत द्वारा पाकिस्तान से बदला लेने की तैयारी के लगातार संकेत मिल रहे हैं। दिल्ली से लेकर श्रीनगर तक हलचल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बीच पीएम आवास में 40 मिनट तक बैठक हुई। वहीं, रक्षा मामलों की संसदीय समिति की बैठक हुई। उधर, हमले को लेकर एनआइए की जांच जारी है, तो कश्मीर में छापेमारी और सर्च अभियान लगातार चल रहा है। पाकिस्तानी नागरिकों को लगतार लौटना जारी है।

पीएम मोदी को मौजूदा स्थिति से कराया अवगत : पहलगाम में आतंकी हमले के फलस्वरूप भारत और पाकिस्तान के बीच नये सिरे से उभरे तनाव के संदर्भ में सोमवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। माना जा रहा है कि इस बैठक में रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान को माकूल जवाब देने के लिए देश की रक्षा तैयारियों से उन्हें अवगत कराया। यह मुलाकात इसलिए और अधिक मायने रखती है, क्योंकि एक दिन पहले यानी रविवार को राजनाथ सिंह ने चीफ आफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) अनिल चौहान से लंबी चर्चा की थी। इस मुलाकात में चौहान ने हर तरह की परिस्थितियों से निपटने के लिए सैन्य तैयारियों की जानकारी दी थी। प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री के बीच 40 मिनट तक बैठक हुई।

रक्षा मामले की संसदीय समति की बैठक भी हुई

जम्मू-कश्मीर में 15 ठिकानों पर रेड

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 15 ठिकानों पर रेड की है। सूत्रों ने बताया कि ये रेड उन आतंकवादियों के ठिकानों पर की गयी है, जो पाकिस्तान के कब्जे वाले (पीओके) से ऑपरेट हो रहे हैं और इनके लिंक पहलगाम अटैक से जुड़े हैं। यह अभियान सुबह डोडा और किश्तवाड़ जिले से शुरू हुआ। उधर, भारत के रुख से पाकिस्तानी सेना में हड़कंप मचा हुआ है। उसे बालाकोट जैसी एयरस्ट्राइक और दूसरी तरह की जवाबी कार्रवाई का खतरा सता रहा है। इसी के मद्देनजर पाक सेना ने पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकियों से लांचिंग पैड खाली करने को कहा है। इंटेलिजेंस सूत्रों के हवाले से मिली रिपोर्ट में कहा गया है कि पाक सेना ने आतंकियों को बंकरों में शिफ्ट करने का आदेश दिया है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों द्वारा पीओके में कई सक्रिय लांचिंग पैड्स की पहचान करने के तुरंत बाद पाकिस्तानी सेना ने यह कदम उठाया है। इसके तहत आतंकवादियों के ठिकानों में फेरबदल किया गया है। खुफिया इनपुट से संकेत मिलता है कि कब्जे वाले कश्मीर में केल, सरदी, दुधनियाल, अथमुकाम, जुरा, लीपा, पच्चीबन, फॉरवर्ड कहुता, कोटली, खुइरट्टा, मंधार, निकेल, चमनकोट और जानकोट सहित प्रमुख स्थानों से आतंकवादियों को स्थानांतरित किया जा रहा है।

एजेंडा रक्षा क्षेत्र के आधुनिकीकरण और हथियार का

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के छह दिन बाद सोमवार को दिल्ली में रक्षा मामलों की संसदीय स्थायी समिति की बैठक बुलायी गयी थी। इसमें नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी शामिल हुए थे। बैठक का एजेंडा रक्षा क्षेत्र के आधुनिकीकरण और हथियार सौदों से जुड़ी थी। पार्लियामेंट एनेक्सी भवन में हुई यह बैठक एक घंटे चली। सदस्यों ने पहलगाम हमले का मुद्दा भी उठाया, जिस पर काफी बहस हुई। सूत्रों को मुताबिक समिति सदस्यों ने सरकार से ठोस कदम उठाने की बात कही और हर मुद्दे पर साथ होने का भरोसा दिलाया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कार्रवाई का दिया है भरोसा : गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार में जनसभा को संबोधित करते और इसके बाद मन की बात कार्यक्रम में पहलगाम हमले को दोषियों और साजिश करने वाले लोगों को कठोर सजा देने की बात कही थी। उन्होंने मन की बात में कहा कि पूरे देश का खून इस आतंकी हमले की बर्बरता को देख-सुन कर खौल रहा है। इस हमले के गुनहगारों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की जायेगी।

धनबाद से गिरफ्तार चार संदिग्ध निकले आतंकी

- आइएसआइ समेत दूसरे टैरर ग्रुप के लिए स्लीपर सेल कर रहे थे तैयार, एनआइए की टीम करेगी पूछताछ

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद/रांची। धनबाद के वासेपुर से गिरफ्तार चार संदिग्ध आतंकवादी संगठन के सदस्य निकले हैं। झारखंड एटीएस ने चारों संदिग्धों को शनिवार को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार संदिग्धों में गुलफाम हसन, आयान जावेद, शहजाद और शबनम परवीन थे। एटीएस की पूछताछ में खुलासा हुआ है कि ये सभी आतंकी संगठन हिज्ब-उत-ताहिर (एचयूटी), अलकायदा इंडियन सब कॉन्टिनेंट (एक्यूआइएस), आइएसआइ और अन्य प्रतिबंधित संगठनों के लिए स्लीपर सेल तैयार कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि ये सभी सोशल मीडिया की मदद से युवाओं को गुमराह कर रहे थे। पूछताछ के बाद चारों को जेल भेज दिया गया है।

एनआइए की हो सकती है एंट्री

एनआइए की जांच में यह खुलासा हो चुका है कि हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना, और आंध्र प्रदेश में तेजी से स्लीपर सेल तैयार कर रहा है। अब झारखंड के धनबाद में भी इस संगठन से जुड़े संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में एनआइए की एंट्री होने की संभावना है।

आयान और शबनम कंप्यूटर के एक्सपर्ट

गिरफ्तार आयान और शबनम कंप्यूटर के एक्सपर्ट हैं। ये दोनों स्लीपर सेल को हैंडल करने की जिम्मेदारी थी। एटीएस ने उनसे पेन ड्राइव, कंप्यूटर का हार्ड डिस्क, मोबाइल समेत कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त किया है।

धनबाद आतंकियों का नया ठिकाना

सूत्रों के मुताबिक इनका धनबाद में भी स्लीपर सेल बनाने की तैयारी कर रहे थे। उनकी योजना थी कि स्लीपर सेल के माध्यम से विभिन्न इलाकों में हमलों को अंजाम दिया जाये और अशांति फैलायी जाये। माना जा रहा है कि रांची, लोहरदगा के बाद धनबाद के युवाओं को जोड़ने की तैयारी थी। जांच एजेंसियां रांची के चान्हो और लोहरदगा से आतंकी संगठनों से जुड़े लोगों की गिरफ्तारी कर चुकी है। लोहरदगा के मिल्लत कॉलोनी से फैजान अंसारी नाम के युवक को एनआइए ने गिरफ्तार किया था।

न्यूज रील्स

फ्रांस-स्पेन-पुर्तगाल में हुआ ब्लैकआउट

मैड्रिड/लिस्बन/पेरिस। यूरोपीय देश स्पेन, पुर्तगाल और फ्रांस में सोमवार को भारतीय समयानुसार शाम चार बजे ब्लैकआउट हो गया है। इससे तीनों देशों के मेट्रो, एयरपोर्ट, रेल और मोबाइल नेटवर्क ठप हो गये। इस ब्लैकआउट से लाखों लोग बिना बिजली के रहने पर मजबूर है। यूरोन्यूज पुर्तगाल के मुताबिक, पुर्तगाल और स्पेन की राजधानियों में कई मेट्रो ट्रेन स्टेशन के बीच सुरंगों में फंस गयी हैं। लोग इन मेट्रो में फंसे हुए हैं। पुर्तगाल पुलिस ने पुष्टि की है कि ट्रेनों का संचालन बंद है, पोर्टो और लिस्बन दोनों शहरों में मेट्रो सेवाएं बंद कर दी गयी हैं और पूरे देश में ट्रैफिक सिग्नल भी प्रभावित हुए हैं। प्राप्त जानकारी के अुसार इशे ठीक होने में 10 घंटे से अधिक का समय लगेगा।

16 पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों पर लगाया बैन

- शोएब अख्तर समेत चार पाकिस्तानी क्रिकेटर और वासे-इफ्फी के भी यूट्यूब चैनल शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। गृह मंत्रालय की सिफारिश पर भारत सरकार ने 16 पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों पर बैन लगा दिया है। इनमें डॉन न्यूज, समा टीवी, अफ न्यूज और जियो न्यूज जैसे बड़े चैनल शामिल हैं। सरकारी सूत्रों के मुताबिक इन चैनलों पर भारत, भारतीय सेना और सुरक्षा एजेंसियों के खिलाफ भड़काऊ, सांप्रदायिक और भ्रामक खबरें फैलाने का आरोप है। जिन यूट्यूब चैनलों पर कार्रवाई की गयी है, उनमें कई पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर्स के भी चैनल शामिल हैं। इसके अलावा विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट के दौरान अपने बयानों से तहलका मचाने वाले पाकिस्तान के 'वासे और इफ्फी भाई' के यूट्यूब चैनल पर भी प्रतिबंध लगाया गया है।

चैनल पर भारत सरकार का मैसेज दिख रहा: इनके चैनल पर क्लिक करने पर लोगों को भारत सरकार की गाइडलाइन का मैसेज दिख रहा है। जिन चैनलों को बंद किया गया है, उस पर यह लिख कर आ रहा है, 'राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था से संबंधित सरकार के आदेश की वजह से यह सामग्री वर्तमान में इस देश में उपलब्ध नहीं है।'

एनआइ की शुरुआती जांच में खुलासा : स्थानीय लोगों की मदद से की गयी रेकी, क्रिप्टोकरेंसी से फंडिंग कर रहा पाकिस्तान

पहलगाम अटैक के बाद पुलवामा की ओर भागे आतंकी

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। पहलगाम हमले के एक हफ्ते बाद अब धीरे-धीरे जांच एजेंसियों को आतंकी हमले की साजिश के सबूत मिलने लगे हैं। एजेंसियों की शुरुआती जांच और खुफिया जानकारी के मुताबिक हमले से पहले बैसरन इलाके में एक अज्ञात चीन में बना डीजेआइ ड्रोन उड़ता देखा गया था। इसके अलावा घोड़ेवालों से रेकी करवाने का शक भी है। जांच में ऐसे कई अहम खुलासे हुए हैं।

बताते चलें कि एनआइए ने पहलगाम आतंकी हमले की जांच कर रही है। इस मामले में जम्मू में केस दर्ज किया है। इसमें सर्चिंग में मिले सबूतों और चश्मदीदों के बयानों को आधार बनाया गया है। एनआइए की टीमों ने महाराष्ट्र, ओड़िशा और पश्चिम बंगाल समेत अन्य राज्यों में पीड़ितों परिवार के सदस्यों के बयान लिये हैं।

पांच दिन पहले ड्रोन देखा गया था : बैसरन घाटी पर हमले से पांच दिन पहले ड्रोन उड़ते देखा गया। जांच एजेंसी के मुताबिक आशंका है कि इसका रेकी करने और संभावित भीड़ का आकलन करने के लिए किया गया। जांच एजेंसियां इसरो की मदद से यह पता करने की तलाश में है कि क्या पहलगाम में असामान्य रेडियो सिग्नल ट्रैफिक देखा गया। ऐसा अनुमान है कि हथियारों की खेप भी ड्रोन से घाटी में पहुंचायी गयी। एजेंसियों को शक है कि आतंकियों ने घोड़ेवालों को पैसे देकर क्षेत्र की रेकी करवायी थी। पर्यटकों के बीच घुलने-मिलने के लिए स्थानीय वेशभूषा और लोकल आइडी कार्ड इस्तेमाल किये गये।

पुलवामा और अनंतनाग के रास्तों में हलचल थी : शुरुआती जांच में यह बात सामने आयी है कि हमले के बाद आतंकी बैसरन से आरू-नगबल के ऊपरी घने इलाकों की तरफ बढ़े, जहां से सीधा नगबल नाला और फिर पश्चिम की तरफ खिरम और श्रीशैलम के इलाकों तक जाया जा सकता है। वहीं आरू के ऊपर स्थित छोटे ट्रैकिंग रूट्स से नीचे घाटी के घने इलाकों में पुलवामा या अनंतनाग की ओर रास्ते हैं। हमले के बाद के इन रास्तों पर हलचल देखी गयी थी।

पाकिस्तान आधुनकि हथियारों से आतंकवादियों की कर रहा है मदद

सूत्रों के मुताबिक पाक आधुनकि हथियारों से आतंकवादियों की मदद कर रहा। बैसरन घाटी के घटनास्थल से एके-47 असॉल्ट राइफल, एम4ए-1 कार्बाइन और एचके-416 असॉल्ट राइफल के खोखे मिले। ये पाकिस्तानी आर्मी स्टॉक या तालिबान से जुड़े हैं। वहीं, क्रिप्टोकरेंसी से फंडिंग की जा रही है। टीआरएफ के फंडिंग स्त्रोतों में 60 फीसदी राशि क्रिप्टोकरेंसी से भेजी जा रही है। बिटकॉइन का प्रयोग हो रहा है। इनका लिंक दुबई, मलेशिया और तुर्की के अकाउंट्स से मिला है। आइएसआइ की गतिविधियां इंटरसेप्ट हुई हैं। एलओसी के पार पाक खुफिया एजेंसी आइएसआइ पांच लांचपैड्स पर निगरानी कर रही है। दो मुजफ्फराबाद और तीन नीलम घाटी के पास हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने कम्युनिकेशन रिपोर्ट्स और सैटेलाइट इमेजिंग से यह पुष्टि की। वहीं, पाक ट्रेनिंग के लिए छोटे-छोटे कैंप चला रहा है। पाकिस्तान ने अपने पुराने आतंकी ट्रेनिंग कैंपों को 'डिसमेंटल' दिखाया है, लेकिन ये अभी भी छोटे-छोटे कैंप के रूप में चल रहे हैं, जो सैटेलाइट से पकड़ना मुश्किल है।

भारत और फ्रांस के बीच राफेल डील साइन

63 हजार करोड़ में 26 राफेल मरीन मिलेंगे : पहला फाइटर जेट 2028 में भारत पहुंचेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। भारत और फ्रांस के बीच सोमवार को नयी दिल्ली में 26 राफेल मरीन विमानों की डील साइन हो गयी। भारत की तरफ से रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने डील पर साइन की। डील के तहत भारत, फ्रांस से 22 सिंगल सीटर विमान और चार डबल सीटर विमान खरीदेगा। ये विमान परमाणु बम दागने की क्षमता से लैस होंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक फ्रांस के साथ ये डील करीब 63,000 करोड़ रुपये में हो रही है। हथियारों की खरीद के मामले में यह फ्रांस के साथ भारत की अब तक की सबसे बड़ी डील है। विमानों की खरीद को 23 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक में मंजूरी मिली थी। यह बैठक पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद बुलायी गयी थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन विमानों की डिलीवरी 2028-29 में शुरू होगी और 2031-32 तक सभी विमान भारत पहुंच जायेंगे।

फ्रांस से 36 राफेल खरीद चुका भारत : राफेल मरीन से पहले भारत फ्रांस से एयरफोर्स के लिए 36 राफेल जेट भी खरीद चुका है। 2016 में हुई इस डील के सभी विमान 2022 में भारत पहुंचे थे। इन्हें एयरफोर्स के अंबाला और हाशिनारा एयरबेस से संचालित किया जाता है। ये डील 58,000 करोड़ रुपये में हुई थी। राफेल मरीन विमान के फीचर्स एयरफोर्स के राफेल विमान से एडवांस हैं।

आइएनएस विक्रांत पर तैनात होंगे राफेल मरीन

भारत राफेल मरीन विमानों को आइएनएस विक्रांत पर तैनात करेगा। विमान बनाने वाली कंपनी दसॉ एविएशन ने इन विमानों में भारत की जरूरत के हिसाब से कई बदलाव किये हैं। इसमें एंटी शिप स्ट्राइक, न्यूक्लियर हथियार लांच करने की क्षमता और 10 घंटे तक फ्लाइट रिकॉर्ड करने जैसे फीचर शामिल हैं। इसके अलावा कंपनी भारत को हथियार प्रणाली, स्पेयर पार्ट्स और एयरक्राफ्ट के जरूरी टूल्स भी देगी।

मेजबान होने के नाते सुरक्षा मेरी जिम्मेदारी थी : उमर अब्दुल्ला

आजाद सिपाही संवाददाता

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा का विशेष सत्र सोमवार को बुलाया गया। पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पास किया। इस प्रस्ताव में केंद्र सरकार के उन कदमों का भी समर्थन किया गया, जो 23 अप्रैल को कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी की बैठक के बाद उठाये गये थे। विधानसभा में हमले में मारे गये पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी गयी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि मेजबान होने के नाते मैं सुरक्षा के लिए जिम्मेदार था। इन लोगों के परिजन से मैं कैसे माफी मांगू। मेरे पास कोई शब्द नहीं है। उमर ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा लोगों की चुनी हुई हुकूमत की जिम्मेदारी नहीं है, लेकिन मुख्यमंत्री और पर्यटन मंत्री होने के नाते मैंने इन्हें बुलाया था। मेजबान होने के नाते मेरी जिम्मेदारी थी कि इन्हें सुरक्षित भेजूं, पर नहीं भेज पाया। उमर ने कहा कि उन बच्चों से क्या कहता, जिन्होंने अपने वालिद को खून में लिपटा हुआ देखा। उस नेवी अफसर की विधवा को क्या कहूं, जिन्हें शादी किये हुए ही चंद दिन हुए थे। कुछ लोगों ने पूछा कि क्या कसूर था हमारा। हम पहली बार कश्मीर आये थे, छुट्टी मनाने के लिए। इस छुट्टी का जिंदगी भर खामियाजा भुगतना पड़ेगा। अब्दुल्ला ने कहा कि बीच का ऐसा वक्त आया था, बैसरन का हमला 21 साल के बाद इतना बड़ा हमला है। मेरे पास अल्फाज नहीं थे कि क्या बोलूं, मरने वालों के घरवालों से माफी कैसे मांगूं।

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of :Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN
COLLEGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
3 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxliary Nurshing And Midwifery)
COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
1 YEARS DRESSERS
COLLEGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
4 YEARS B-PHRRM
Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

BABU DINESH SINGH UNIVERSITY
(Established Under Government of Jharkhand Act-06, 2023 & Section 2(f) of the UGC Act, 1956, Member of AIU, Delhi)
Admission Open 2025-26
Approved by BCI
LL.B. (3 Years) | B.A. LL.B. (Honours) (5 Years) | B.B.A. LL.B. (Honours) (5 Years)
Special Fetures - Traditional and e-Library | Highly Qualified Faculty | Legal Research Cell | Separate Hostels for Boys & Girls | 23-Year of Academic Excellence | Practical court craft & moot court | 100 + Acre Green Campus
Programs Approved by AICTE & Apex Bodies
BCA | MCA | BBA | MBA
B.TECH CSE | CSE (AI) | CE | EEE CSE (CYBER SECURITY) Regular & Lateral
DIPLOMA CSE | EEE | CE ME | EE Regular & Lateral
Others Job Oriented Courses
MERIT BASED SCHOLARSHIP UP TO 30% ON TUITION FEE
B.D.S | B.H.M.S | B.Sc. Nursing | GNM | ANM
B.Sc. (Medical) | B.Sc. (MLT) | M.Sc. (MLT)
B.Ed. | D.El.Ed | M.D. | M.D.S. | M.Sc. (Medical)
PARAMEDICAL | B.A. | B.Sc. | B.Com. | M.A.
M.Sc. | M.Com. | B.Sc. (Agriculture) | B.Pharm
D.Pharm | B.Lib.I.Sc. | M.Lib.I.Sc. | ITI
BDSU : FARATHIYA, GARHWA-822114, JHARKHAND
9661462506, 6206297213, 9934688493
For More Details Visit : bdsu.ac.in email : bdsugarhwa@gmail.com

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

आजाद सिपाही
रांची, मंगलवार, 29 अप्रैल, 2025
www.azadsipahi.in

पाकिस्तान के शिमला समझौता रोकने से कहीं भारत उसके तीन टुकड़े न कर दे

■ 1971 के युद्ध में भारत ने पाकिस्तान के दो टुकड़े किये थे, बांग्लादेश का जन्म हुआ था

■ अब कहीं बलूचिस्तान, सिंधु देश और पाक अधिकृत कश्मीर की बारी तो नहीं

■ भारत अब पाकिस्तान में घुस कर मरेगा भी, टुकड़े भी करेगा, समझौता नहीं करेगा

आजाद सिपाही विशेष

पहलगाम हमले के बाद भारत ने सिंधु जल समझौता स्थगित किया, तो पाकिस्तान बौखला गया। उसके बाद 24 घंटे के भीतर पाकिस्तान ने सात जवाबी फैसले लिये। इसमें शिमला समझौता रद्द करना भी शामिल है। एक्सपर्ट्स की मानें तो शिमला समझौता रद्द करना पाकिस्तान को ही भारी पड़ने वाला है और भारत को इसका फायदा मिलेगा। पाकिस्तान द्वारा सिंधु जल संधि को रोकने के भारत के फैसले पर गीदड़भभकी दी गयी कि किसी भी तरह के बदलाव को 'युद्ध की कार्रवाई' माना जायेगा। उसके बाद भारत के लोगों ने कहा वे तैयार हैं, तू कर तुझे जो करना है। दो कौड़ी का देश धमकी दे रहा है। खाने को आटा नहीं, कटोरा लेकर जगह-जगह घूमने वाला पाकिस्तान भारत को धमकी दे रहा है। खबर तो यहां तक है कि पाक सेना के अधिकारी अपने-अपने परिवार वालों को पाकिस्तान से बाहर भेज रहे हैं। रात भर उन्हें नींद नहीं आ रही है। धमकी तो पाकिस्तान दे रहा, लेकिन भिखमंगों का भारत ने केवल पानी क्या रोका, औकात समझ में आने लगी। आये दिन पकिस्तान उल-जुलूल बयानबाजी कर रहा है। गीदड़भभकी दे रहा है। पाकिस्तान द्वारा शिमला समझौता रोकने के बाद भारत की सेना सीधे पाक आर्मी चीफ असीम मुनीर की गले की नस ही काटने वाली है। 1971 में भारत ने पाकिस्तान के दो टुकड़े किये थे, तब बना बांग्लादेश। इस बार कहीं भारत उसके तीन टुकड़े न कर दे, बलूचिस्तान, सिंधु देश और पाक अधिकृत कश्मीर। क्या है शिमला समझौता और इसे स्थगित करने का क्या होगा असर? इस पर आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह की रिपोर्ट।

राकेश सिंह

1971 में भारत-पाक युद्ध के बाद उनके 90 हजार से ज्यादा सैनिकों को युद्ध में बंदी बनाया गया था। इस जंग में पाकिस्तान की हार हुई और बांग्लादेश को आजादी मिली। इसके बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में सुधार के लिए पाक युद्ध बंदियों को छुड़ाने की कवायद शुरू हुई। दोनों देशों के बीच बेहतर संबंध के लिए 2 जुलाई 1972 को शिमला में एक समझौता हुआ। यह समझौता हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में बार्नस कोर्ट में हुई। बार्नस कोर्ट वर्तमान में हिमाचल का राजभवन है। राजभवन में आज भी शिमला समझौते की निशानियां मौजूद हैं। इस समझौते में दोनों देशों ने शांतिपूर्ण तरीकों और बातचीत के जरिये अपने मतभेदों का समाधान करने की प्रतिबद्धता जतायी थी। पहलगाम हमले के बाद हिमाचल राजभवन से शिमला समझौते के ऐतिहासिक टेबल पर रखा पाकिस्तान का झंडा हटा दिया गया है। अब शिमला समझौते की ऐतिहासिक टेबल पर सिर्फ अपने देश भारत का तिरंगा रखा गया है। जुलाई 1972 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो ने शिमला समझौते पर दस्तखत किये थे। यह समझौता कश्मीर को लेकर संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव को दरकिनार करते हुए दोनों देशों के बीच आपसी बातचीत से कोई भी मुद्दा सुलझाने पर जोर देता है। समझौते में कहा गया था कि दोनों देश एलओसी पर अपनी-अपनी स्थिति में वापस लौटेंगे और दूसरे के इलाकों का सम्मान करेंगे। कहा जाता है कि इस समझौते का ही असर रहा कि इसके बाद सिर्फ एक जंग हुई वह है 1999 में कारगिल की जंग।

समझौते की अहम बातें

दोनों देशों ने 17 सितंबर 1971 को युद्ध विराम के रूप में मान्यता दी। तय हुआ कि इस समझौते के 20 दिनों के अंदर दोनों देशों की सेनाएं अपनी-अपनी सीमा में चली जायेंगी। यह भी तय हुआ कि दोनों देशों/सरकारों के अध्यक्ष भविष्य में भी मिलते रहेंगे। संबंध सामान्य बनाये रखने के लिए दोनों देशों के अधिकारी बातचीत करते रहेंगे। दोनों देश सभी विवादों और समस्याओं के शांतिपूर्ण समाधान के लिए सीधी बातचीत करेंगे। तीसरे पक्ष द्वारा कोई मध्यस्थता नहीं की जायेगी। यातायात की सुविधाएं स्थापित की जायेंगी। ताकि दोनों देशों के लोग आसानी से आ जा सकें। जहां तक संभव होगा, व्यापार और आर्थिक सहयोग फिर से स्थापित किये जायेंगे। अगर दोनों देशों के बीच किसी समस्या का अंतिम निपटारा नहीं हो पाता है और मामला लंबित रहता है, तो दोनों पक्ष में से कोई भी स्थिति में बदलाव करने की एकतरफा कोशिश नहीं करेगा। दोनों पक्ष ऐसे कृत्यों के लिए सहायता, प्रोत्साहन या सहयोग नहीं करेंगे जो शांतिपूर्ण और सौहार्द्रपूर्ण संबंध बनाये रखने में हानिकारक हैं। दोनों देश एक दूसरे की प्रादेशिक अखंडता और संप्रभुता का सम्मान करेंगे। समानता एवं आपसी लाभ के आधार पर एक-दूसरे के आंतरिक मामले में दखल नहीं देंगे। दोनों सरकारें अपने अधिकार के अंदर ऐसे उग्र प्रॉपेगेंडा को रोकने के लिए हर संभव कदम उठायेंगी, जिनके निशाने पर दोनों में से कोई देश हों। दोनों देश इस तरह की सूचनाएं आपस में साझा करने को प्रोत्साहन देंगे। संचार के लिए डाक, टेलीग्राफ सेवा, समुद्र, सीमा डाक समेत सतही संचार माध्यमों, उड़ान समेत हवाई लिंक बहाल करेंगे। शांति की स्थापना, युद्धबंदियों और शहरी बंदियों की अदला-बदला के सवाल, जम्मू-कश्मीर के अंतिम निपटारे और राजनयिक संबंधों को सामान्य करने की संभावनाओं पर काम करने के लिए दोनों पक्षों के प्रतिनिधि मिलते रहेंगे और आपस में चर्चा करेंगे। दोनों देशों के बीच सहमति बनी कि जहां तक संभव होगा आर्थिक और अन्य सहमति वाले क्षेत्रों में व्यापार और सहयोग बढ़ेगा। विज्ञान और संस्कृति के मैदान में आदान-प्रदान को बढ़ावा देने की सहमति बनी।

शिमला समझौते को पाकिस्तान पहले से ही नहीं मानता आया

एक्सपर्ट्स की मानें तो शिमला समझौते को पाकिस्तान पहले से ही नहीं मानता आया है। पाकिस्तान ने इस समझौते की शर्तों का उल्लंघन किया है। वहीं, भारत को इससे कोई नफा-नुकसान नहीं होने वाला है। इससे भारत के लिए तीन नयी संभावनाएं जरूर खुल गयी हैं। अब भारत लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) की स्थिति बदल सकता है। कुछ एक्सपर्ट्स का मानना है कि अब भारत एलओसी को एकतरफा तरीके से बदलने के लिए जरूरी कदम उठा सकता है। हालांकि, 1984 में पाकिस्तान कराची समझौते के तहत तय हुए भारत के सियाचिन इलाके में कब्जा करने की कोशिश कर चुका है। जवाबी कार्रवाई में भारत ने 'ऑपरेशन मेघदूत' शुरू करके पूरे सियाचिन ग्लेशियर पर कंट्रोल हासिल कर लिया था। वहीं शिमला समझौते के क्लॉज-1 के सबसेक्शन-2 में कहा गया है कि दोनों देश द्विपक्षीय बातचीत के जरिये या आपसी सहमति से किसी शांतिपूर्ण तरीके से आपसी मतभेदों को सुलझायेंगे। किसी समस्या का अंतिम समाधान होने तक कोई भी पक्ष एकतरफा तरीके से स्थिति नहीं बदलेगा और दोनों देश कोई भी ऐसा काम नहीं करेंगे जो शांतिपूर्ण संबंधों को नुकसान पहुंचाने वाला हो। लेकिन अब शिमला समझौते पर पाकिस्तान के रोक लगाने के बाद भारत पहलगाम के बदले में आतंकियों के घुसपैठ के इलाकों में सुरक्षा के मद्देनजर कोई मिलिट्री एक्शन ले सकता है। उस पर संधि के खिलाफ जाने का आरोप भी नहीं लगेगा। शिमला समझौता कहता है कि वैश्विक शक्तियों के दखल के बिना ही दोनों देशों को आपसी मामले निपटाने होंगे। जब समझौता हुआ तब पाकिस्तान के दूसरे देशों के साथ अच्छे संबंध थे। लेकिन अब रोक लगने के बाद अमेरिका, इजराइल, पश्चिम एशियाई और यूरोपीय देशों से भारत के अच्छे संबंध हैं। पहलगाम हमले के बाद दुनिया के ज्यादातर देशों ने इसकी निंदा की है। शिमला समझौते के तहत बाध्यता खत्म होने के बाद पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई में भारत को दुनिया भर के देशों का समर्थन मिल सकता है।

पाकिस्तान के टूटने की शुरुआत 1971 में हो गयी थी

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में जनाक्रोश लगातार बढ़ रहा है। यह क्षेत्र बुनियादी सुविधाओं, बिजली, स्वास्थ्य सेवाओं और रोजगार की कमी से जूझ रहा है, जिसके कारण स्थानीय लोग सड़कों पर उतर आये हैं। वर्तमान में, लोग सरकार से बिजली, स्वास्थ्य सेवाएं और अन्य बुनियादी जरूरतों की बहाली की मांग कर रहे हैं। विरोध प्रदर्शन लगातार बढ़ रहे हैं, और विरोध करने वालों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। पाकिस्तान के टूटने की शुरुआत वर्ष 1971 में हो गयी थी, जब भारत की मदद से बांग्लादेश बना। इसके बनने के पीछे भी 24 सालों का असंतोष था। उसके बाद पीओके, सिंधुदेश और बलूचिस्तान की मांग ने पाकिस्तान के नाक में दम कर रखा है। सिंधु देश की मांग पर तो हाल में हुई रैली में प्रदर्शनकारियों के हाथों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत विश्व के कई बड़े नेताओं की तस्वीरें नजर आयीं। प्रदर्शनकारियों ने सिंध प्रांत को अलग देश बनाने की मांग के मामले में विश्व के नेताओं से दखल देने की अपील की है। सिंधु देश की मांग की कहानी 1947 से जुड़ी है। भारत को आजादी मिलने के बाद सिंधु क्षेत्र पाकिस्तान में चला गया और पाकिस्तान के चार प्रांतों में से एक बन गया। अलग सिंधु देश की मांग 1967 से शुरू हुई, जब पाकिस्तान सरकार ने यहां के निवासियों के ऊपर उर्दू भाषा थोप दी। यहां के लोगों ने इसका विरोध किया और इसके फलस्वरूप सिंधी अस्मिता का जन्म हुआ। इन्होंने अपनी भाषा और संस्कृति की दुहाई दी और लोगों को एकजुट किया। इस मुहिम में सिंधी हिंदू और सिंधी मुसलमान दोनों शामिल हुए। 'सिंधु देश' जिसका शाब्दिक अर्थ होता है सिंधियों के लिए अलग देश। सिंधु देश एक विचार है, जो पाकिस्तान के सिंध प्रांत में बसे और दुनिया भर में फैले सिंधियों का एक सपना है। ये सिंधी दुनिया दूसरे एथनिक समुदायों की तरह अपने लिये एक अलग होमलैंड की मांग करते आ रहे हैं। जैसे कुर्द अपने लिए अलग देश की मांग करते हैं। यहूदी समुदाय के लोगों ने इजरायल नाम का अपना देश बनाया है। उसी तरह सिंधी पाकिस्तान के अंदर एक निश्चित भूभाग में अपने लिए एक स्वतंत्र और सार्वभौम मातृभूमि चाहते हैं।

कैसे हो सकते हैं पाकिस्तान के तीन टुकड़े

भारत से अलग होकर 1947 में बने पाकिस्तान के लिए समस्याएं कभी खत्म होने का नाम नहीं लेती हैं। दुनियाभर के कर्ज में डूबे पाकिस्तान में अगर आपको आने वाले कुछ वर्षों में गृहयुद्ध की स्थिति बनती दिखाई दे, तो चौंकने वाली बात नहीं होगी। उर्दू को पाकिस्तान की सरकारी भाषा बनाने की घोषणा के साथ ही पाकिस्तान में अलगाववाद के बीज पनपने लगे थे। लोगों पर जबरदस्ती उर्दू भाषा थोपी गयी। बांग्लाभाषी बहुल पूर्वी पाकिस्तान इसी फैसले के चलते अब अलग देश बनकर बांग्लादेश के रूप में आपके सामने है। वहीं, पाकिस्तान में अगस्त, 1947 के बाद से अब तक बनी सभी सरकारों ने मानवाधिकारों को एक अलग खूंटी पर टांग दिया। बात पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की हो या बलूचिस्तान या फिर सिंधु प्रांत की। पाकिस्तानी सरकारों ने इन सभी जगहों से उठने वाली आवाजों का वर्षों से दमन किया है। पाकिस्तानी फौज के बलूचिस्तान में किये जा रहे अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने वाली एक्टिविस्ट करीमा बलोच की कनाडा में हुई हत्या इसका एक ताजा उदाहरण है। फिलहाल पाकिस्तान के सिंध प्रांत में सबसे ज्यादा हिंदू आबादी रहती है। पाकिस्तान की कुल हिंदू आबादी का करीब 95 फीसदी सिंध प्रांत में हैं। पाकिस्तान के उत्पीड़न से त्रस्त इन लोगों ने अब वैश्विक नेताओं से गुहार लगायी है। वहीं, प्रदर्शनकारियों के हाथ में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर होने के पीछे एक बड़ी वजह है। कश्मीर की स्थिति को लेकर हुई एक सर्वदलीय बैठक में मोदी ने कहा था कि समय आ गया है, अब पाकिस्तान को विश्व के सामने बलूचिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में लोगों पर हो रहे अत्याचारों का जवाब देना होगा। मोदी के इस बयान के चलते बलोच आंदोलन को अंतरराष्ट्रीय मीडिया में काफी तवज्जो मिली थी। इसके बाद 2016 में भारत के 70वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले की प्राचीर से बलूचिस्तान, गिलगित और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों का आभार व्यक्त किया था।

इसके आलावा गिलगित-बाल्टिस्तान पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर का सबसे उत्तरी इलाका है। यहां पर भी लंबे समय से आजादी की मांग चल रही है। चरमपंथी संगठनों ने अपने देश का नाम भी तय कर रखा है- बलवारिस्तान यानी ऊंचाइयों का देश। ये इसलिए क्योंकि ये पूरा इलाका ही पहाड़ों और वादियों का है। समय-समय पर यहां आंदोलन होते रहे। यहां के नेताओं का आरोप है कि पाकिस्तान का सबसे शानदार टूरिस्ट स्पॉट होने के बाद भी वो उन्हें ज्यादा प्रमोट नहीं करती। सरकारी योजनाएं भी यहां पूरी तरह से लागू नहीं होतीं। यही देखते हुए गिलगित-बाल्टिस्तान की मांग होती रही। लेकिन सरकार लगातार इसके लीडर्स को खूनी संघर्ष में खत्म करती रही। सिंधु देश की मांग के आलावा साल 1947 में पाकिस्तान के बनने के साथ ही बलूच मुद्दे ने उसकी नाक में दम कर रखा है। आये दिन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी की खबरें आती हैं कि उसने अपने यहां कोई धमाका कर दिया, जिसमें पाकिस्तान सरकार या चीन के लोग मारे गये। इसके अलावा भी कई चरमपंथी संगठन हैं, जो बलूच आजादी चाहते हैं। दरअसल ये पाकिस्तान का वो हिस्सा है, जो कभी भी सरकार के बस में नहीं रहा। इसकी दो वजहें हैं- एक, पाकिस्तान ने धोखे से उसे अपने साथ मिला लिया। और दूसरा, बलूचिस्तान मानता है कि पाकिस्तान उसके साथ सौतेला व्यवहार करता रहा। उनका मानना है कि गैस, कोयला, तांबा और कोयला जैसे कच्चे माल में बेहद संपन्न होने के बाद भी हमारा इलाका काफी गरीब है। यहां तक कि स्कूल और अस्पताल जैसी बुनियादी जरूरतें भी वहां पूरी नहीं हो पा रहीं। पाकिस्तान ने अपने कर्ज चुकाने के लिए यहां की खदानों को चीन को लीज पर दे दिया। ये बलूच लोगों पर दोहरी मार थी। वे मानने लगे कि उन्हें पाकिस्तान और चीन दोनों मिलकल लूट रहे हैं।

किस मंशा से पाकिस्तान के लड़के-लड़कियों की भारत में हो रही शादी, इसकी जांच हो : निशिकांत

सांसद ने उठाया सवाल-क्या हिंदुस्तान में लड़के-लड़की नहीं मिलते, जो पाकिस्तान के लड़के-लड़कियों की भारत में हो रही शादी

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि पहलगाम की घटना काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। इस घटना में पाकिस्तानी आतंकी को सहयोग करने वाले श्रीनगर के स्थानीय 12-15 लोगों के मकानों को बुलडोजर लगाकर तोड़ा गया है। इस आतंकी घटना के बाद पाकिस्तानी वीजा को रद्द कर दिया गया है। लेकिन इसमें दो तरह के वीजा हैं, अलार्मिंग हैं। पहले यह

कि पाकिस्तान की लड़कियां भारत में ब्याही गयी हैं, जो भारत की नागरिक बन नहीं सकती हैं या बनी नहीं हैं, जबकि वर्षों से यहां रह रही हैं। वहीं पाकिस्तान के लड़के भी भारत में ब्याहे गये हैं। अब किस उद्देश्य के साथ वे यहां ब्याहे गये हैं, यह जांच का विषय है। क्या भारत में लड़का-लड़की नहीं मिलते हैं, जो पाकिस्तान से लड़के-लड़की भारत में ब्याहे गये हैं। आजादी के बाद जो यहां से पाकिस्तान चले गये उनकी संपत्ति भारत सरकार की संपत्ति हो गयी। जबकि यह सर्व विदित है कि पाकिस्तान हमारा दुश्मन देश है। तो क्या ऐसा नहीं लगता है कि वहां बैठे हुए दुश्मन जानबूझकर पाकिस्तान के लड़के और लड़कियों की भारत में शादी करवायें हैं। पहले इससे भी निपटने की आवश्यकता है। पाकिस्तान ने जो भारत में तबाही पैदा की है, हमारे लोगों को मारा और जिन लोगों ने पाकिस्तान का साथ देने की मंशा से यहां शादी की है, उन पर भी कार्रवाई करने की जरूरत है।

मुंबई में 13 बांग्लादेशी गिरफ्तार, झारखंड से फर्जी 'आधार' कनेक्शन

झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्र अब बांग्लादेशी घुसपैठियों के आधार शिविर बनते जा रहे हैं : किरीट सोमैया

मुंबई पुलिस ने इस मामले में झारखंड पुलिस और केंद्रीय जांच एजेंसियों को भी अलर्ट किया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुंबई पुलिस ने 13 बांग्लादेशी घुसपैठियों को गिरफ्तार किया है, जिनका सीधा कनेक्शन झारखंड से है। चौंकाने वाली बात यह है कि ये सभी अवैध घुसपैठिए फर्जी आधार कार्ड बनवाकर खुद को भारतीय नागरिक साबित कर रहे थे और ये आधार कार्ड झारखंड के साहिबगंज जिले से जारी किये गये हैं। गिरफ्तारी के बाद जब पुलिस ने दस्तावेजों की पड़ताल की, तो पाया कि ज्यादातर कार्डों में जन्म

तिथि 1 जनवरी दर्ज है, जो फर्जीवाड़े का साफ संकेत है।

पूछताछ में इन सभी ने स्वीकार किया कि वे मूल रूप से बांग्लादेश के निवासी हैं। इन घुसपैठियों की पहचान जियाउल शेख, अयूब शेख, मनौरूल शेख, सईम शेख, नईम शेख, सामौन शेख, रफीकुल शेख, जाहिर शेख, नसीमा बीबी, मोइनुद्दीन शेख, बरीउल शेख, हलीम शेख और कसूद शेख के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, ये सभी मुंबई की सड़कों पर फेरीवाले के रूप में काम कर रहे थे। इस सनसनीखेज गिरफ्तारी के बाद मामला राजनीतिक तूल पकड़ता जा रहा है। भाजपा नेता और पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने इस पूरी घटना को लेकर सोशल मीडिया पर तस्वीरें और विवरण साझा करते हुए चेताया कि झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्र अब बांग्लादेशी घुसपैठियों के आधार शिविर बनते जा रहे हैं। मुंबई पुलिस ने इस मामले में झारखंड पुलिस और केंद्रीय जांच एजेंसियों को भी अलर्ट कर दिया है।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
1 Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

वेदर		
शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	32.8 °c	21.2 °c
सूर्यास्त (आज) :		18.15 बजे
सूर्योदय (कल) :		05.18 बजे

सरायकेला की छात्रा रीता महतो बन गयी फिजा खातून

हिंदू लड़की का धर्म परिवर्तन करा तस्लीम ने किया निकाह

बाबूलाल ने राज्य सरकार से मामले की जांच की मांग की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सरायकेला, झारखंड में एक लड़की का धर्म परिवर्तन कराते शादी कराये जाने के मामले पर चिंता जतायी है। सीएम हेमंत सोरेन से इस पर एक्शन लेने की भी अपील की है। कहा है कि सरायकेला की एक बेटी रीता महतो (फिजा खातून, पिता- बेणुपद महतो) का धर्म परिवर्तन कर उसका नामकरण फिजा खातून कर दिया गया। साथ ही उसकी शादी तीन बच्चों के पिता तस्लीम से कर दी गयी। जानकारी के अनुसार, युवक तस्लीम तीन बच्चों का पिता है जबकि युवती इंटरमीडिएट की छात्रा बतायी जा रही है। 19 वर्षीय युवती की उम्र भी संदेहास्पद मानी जा रही है। बाबूलाल ने सरायकेला पुलिस से मामले का संज्ञान लेकर शीघ्र उचित कारवाई करने का आग्रह किया है। साथ ही कहा है कि वे उम्मीद करते हैं कि वापस लौटने पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस संवेदनशील मामले का संज्ञान लेकर कठोर कार्रवाई का आदेश बिना विलंब देंगे।

लव जिहाद के खिलाफ भाजपा ने की सख्त कानून बनाने की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य में एक इंटरमीडिएट छात्रा के कथित धर्म परिवर्तन और विवाह के मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज ने झारखंड सरकार से लव जिहाद के खिलाफ सख्त कानून बनाने की मांग की है।

महिला अपराधों में वृद्धि पर चिंता

राफिया नाज ने कहा कि झारखंड में महिला अपराधों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जिससे राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की 2022 की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि झारखंड में महिला अपराधों में पिछले वर्ष की तुलना में 12% की वृद्धि दर्ज की गयी है।

लव जिहाद पर रोक के लिए कानून जरूरी

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और हरियाणा जैसे

भाजपा शासित राज्यों में लव जिहाद के विरुद्ध बनाये गये सख्त कानूनों से ऐसे मामलों पर प्रभावी रोक लगी है। झारखंड में भी इसी प्रकार के कानून की आवश्यकता है, ताकि महिलाओं के खिलाफ होने वाले इस प्रकार के अपराधों पर नियंत्रण पाया जा सके।

मुख्यमंत्री से सख्त कार्रवाई की मांग

राफिया नाज ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने और दोषियों को कठोर सजा दिलवाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि जांच में यह प्रमाणित होता है कि युवती की उम्र 19 वर्ष से कम है, तो बाल संरक्षण अधिनियम के साथ-साथ धर्मांतरण और भारतीय दंड संहिता की धाराओं के अंतर्गत कठोर और निष्पक्ष कार्रवाई की जानी चाहिए।

मंत्री हफीजुल ने ली शरीयत के नाम पर फर्जी डिग्री, जांच हो: अजय साह

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने राज्य के मंत्री हफीजुल अंसारी की डॉक्टरेट उपाधि पर सवाल खड़े किये हैं। सोमवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में आरोप लगाया कि मंत्री हाफीजुल अंसारी को मिली डॉक्टरेट की डिग्री एक फर्जी विश्वविद्यालय से प्राप्त की गयी है। जिसे उन्होंने भारत वर्चुअल ओपन एजुकेशनल यूनिवर्सिटी बताया है। एक ऐसी संस्था जिसे न तो विश्वविद्यालय शब्द का प्रयोग करने का अधिकार है और न ही किसी प्रकार की शैक्षणिक उपाधि प्रदान करने की मान्यता प्राप्त है। यूजीसी एक्ट 1956 के सेक्शन 22 में स्पष्ट है। इस फर्जी यूनिवर्सिटी को ना तो यूजीसी, ना तो भारत सरकार और ना ही झारखंड सरकार ने कोई मान्यता दी है। अजय साह ने कहा कि हफीजुल अंसारी ने भारतीय संविधान के तहत संचालित मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों से डिग्री प्राप्त न कर पाने के बाद शरीयत कानून का अनुसरण करते हुए ऐसे लोगों द्वारा संचालित एक फर्जी विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि हासिल कर ली। जो शुद्ध

रूप से एक कागजी संस्था है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह संस्था मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों द्वारा संचालित की जाती है और इसका कोई वैधानिक अस्तित्व नहीं है। साह ने यह भी दावा किया कि यह फर्जी विश्वविद्यालय सेंट्रल क्रिश्चियन यूनिवर्सिटी, अफ्रीका से अपनी संबद्धता बताता है, जबकि गहन जांच में पता चला कि इस विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ उस्मान को इस्लामाबाद, पाकिस्तान की एक संस्था द्वारा प्रोफेसर की उपाधि प्रदान की गयी थी। साह ने आरोप लगाया कि मंत्री हफीजुल अंसारी की उपाधि का पूरा नेटवर्क पाकिस्तान से जुड़ा हुआ प्रतीत होता है। साह ने यह भी आरोप लगाया कि मंत्री का आचरण यह दर्शाता है कि वह अपने कार्यों और निर्णयों में भारतीय संविधान की अपेक्षा शरीयत कानून को प्राथमिकता देते हैं।

मुंबई और चाकुलिया की घटना से साफ है कि झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ है: चंपाई

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। मुंबई पुलिस ने 13 बांग्लादेशी घुसपैठियों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास साहिबगंज (झारखंड) के बने फर्जी आधार कार्ड बरामद हुए हैं। इन सभी के आधार कार्ड में 1 जनवरी की जन्मतिथि दर्ज है। पिछले हफ्ते, चाकुलिया में एक समुदाय विशेष के तीन हजार फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनने की खबर मिली थी। इन घटनाओं से यह स्पष्ट है कि मुर्शिदाबाद की तर्ज पर अवैध घुसपैठियों को झारखंड में फर्जी

डॉक्यूमेंट बना कर दिये जा रहे हैं। हम ने पहले भी कहा था कि बंगाल के बाद झारखंड इन अवैध घुसपैठियों का गढ़ बन चुका है। पाकुड़ एवं साहिबगंज जैसे इलाकों में आदिवासी समाज अल्पसंख्यक बन चुका है। लेकिन सत्ता के मद में चूर इस सरकार को कुछ भी दिखाई अथवा सुनाई नहीं देता। झारखंड में जब कभी भी हम लोग घुसपैठ का मुद्दा उठाते हैं तो सत्ता पक्ष केंद्र सरकार पर सारी जिम्मेदारी डालने लगता है। ये घुसपैठिये पिछले कई दशकों से लगातार आ रहे हैं, और कई जगह खुला बॉर्डर होने और बंगाल सरकार द्वारा बाड़ लगाने हेतु जमीन नहीं देने की वजह से इन्हें रोकना आसान नहीं है। वैसे भी, जब आपके घर में कोई बाहरी आता है, तो उसे रोकने/जांचने की पहली जिम्मेदारी आपकी बनती है। जब दिल्ली, महाराष्ट्र अथवा अन्य राज्यों में कोई घुसपैठिया पकड़ा जाता है तो उस पर कानूनी कार्रवाई होती है। लेकिन झारखंड में सरकारी दामाद की तरह उनका स्वागत होता है, स्थानीय प्रशासन उन पर हाथ डालने से डरता है। सरकारी अधिकारी उनके समर्थन में फर्जी एफिडेविट फाइल करते हैं, और इन सब के बावजूद जब हाइकोर्ट मामले की जांच के लिए कमिटी बनाने का आदेश देता है, तो राज्य सरकार उस आदेश को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट चली जाती है।

लुगु पहाड़ मुठभेड़ में शामिल महिला नक्सली ने किया सरेंडर

भागे नक्सलियों की तलाश में सर्च अभियान जारी रहेगा : डीजीपी

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। लुगु पहाड़ मुठभेड़ में शामिल प्रतिबंधित भाकपा माओवादी संगठन की महिला सदस्य ने आत्मसमर्पण किया। नक्सली सुनीता मुर्मू उर्फ लिलमुनि मुर्मू ने सोमवार को एसपी मनोज स्वर्गियारी और सीआरपीएफ कमांडेंट के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। मालूम हो कि 21 अप्रैल को ऑपरेशन डाकाबेड़ा के तहत हुई मुठभेड़ में एक करोड़ के इनामी विवेक सहित आठ हार्डकोर नक्सली

पुलिस एनकांटर में मारे गये थे, जबकि 8 से 10 नक्सली भागने में सफल हो गये थे। मुठभेड़ के बाद बोकारो पहुंचे डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कहा था कि ऑपरेशन डाकाबेड़ा के तहत भागे नक्सलियों की तलाश में सर्च अभियान जारी रहेगा। माना जा रहा है कि पुलिस के बढ़ते दबाव और राज्य सरकार की सरेंडर पॉलिसी से प्रभावित होकर सुनीता मुर्मू ने आत्मसमर्पण किया है। बताया जाता है कि वह खुद चल कर एसपी आवास पहुंच गयी थी। दुमका जिले के अमरपानी निवासी सुनीता मुर्मू 2017 में एक महिला के साथ जंगल में गयी थी और नक्सली बन गयी थी। शुरू में वह दस्ते में खाना बनाती थी, फिर बाद में संतरी ड्यूटी और बाकी अन्य कार्य करने लगी।

सुनीता मुर्मू ने स्वीकार किया कि वो गलत रास्ते पर चली गयी थी। उसने अन्य नक्सलियों से भी आत्मसमर्पण करने की अपील की। उन्होंने बताया कि वह तीन साल गिरिडीह जेल में रह चुकी है। कई थानों में उसके ऊपर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज हैं। सीआरपीएफ कमांडेंट ने कहा समाज में भय का कोई स्थान नहीं है। अन्य नक्सलियों को भी सरेंडर पॉलिसी का लाभ लेकर मुख्यधारा से जुड़ना चाहिए।

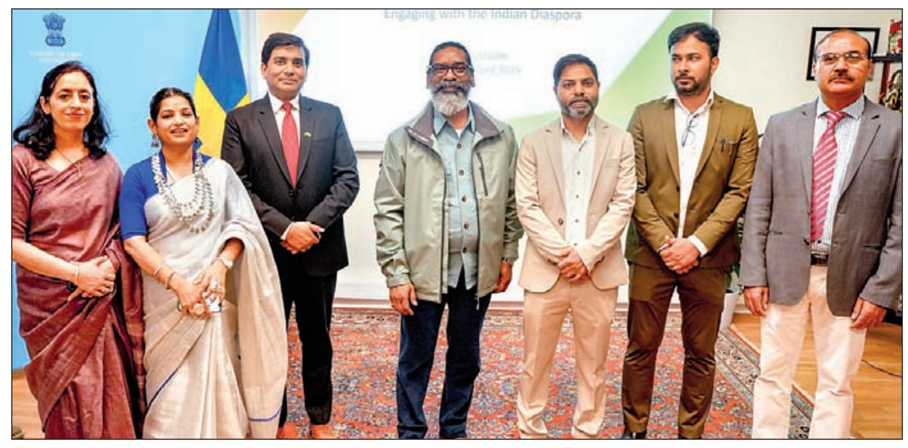

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने स्वीडन में भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित रात्रिभोज में प्रवासी भारतीयों को संबोधित किया। उन्होंने उनसे नॉर्डिक देशों में भारत के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने का आग्रह किया और उन्हें झारखंड में निवेश के अवसरों का पता लगाने के लिए आमंत्रित किया।

रिम्स निदेशक को पद से हटाने के फैसले पर हाइकोर्ट ने लगायी रोक

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। तत्कालीन रिम्स निदेशक डॉ राजकुमार को हटाये जाने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सोमवार को हाइकोर्ट में सुनवाई हुई। न्यायमूर्ति दीपक रौशन की अदालत ने राज्य सरकार के आदेश पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। साथ ही राज्य सरकार सहित अन्य पक्षों को नोटिस जारी कर शपथ पत्र के माध्यम से जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि यह आदेश स्टिगमैटिक (कलंक लगाकर हटाना) है, जो यह कानून के विरुद्ध है। हटाने की पहले प्रक्रिया अपनायी जानी चाहिए थी। उन्हें एक मौका मिलना चाहिए था। जनहित की बात कहते हुए उन्हें हटाया गया था।

● **स्वास्थ्य मंत्री ने लिया था फैसला, कोर्ट ने राज्य सरकार से मांगा जवाब**

उल्लेखनीय है कि 17 अप्रैल को स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के हस्ताक्षर वाला एक लेटर जारी किया गया था जिसके माध्यम से रिम्स के तत्कालीन निदेशक डॉ राजकुमार को बर्खास्त किया गया था। जिसे डॉक्टर राजकुमार ने हाइकोर्ट में चुनौती दी थी।

आगे की सुनवाई

हाइकोर्ट ने इस मामले की विस्तृत सुनवाई छह मई को निर्धारित की है, जहां इस मामले पर आगे की कार्यवाही की जायेगी। वहीं, राज्य सरकार और अन्य पक्षों को शपथ पत्र के माध्यम से जवाब दाखिल करने के लिए कहा गया है।

डॉ राजकुमार की तरह लड़ाई लड़ें और झारखंड को लूटने से बचायें : बाबूलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि राज्य के सभी इमानदार, कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों से मेरा निवेदन है कि आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी गठबंधन सरकार के पापों में सहभागी बनने से बेहतर है पूर्व रिम्स निदेशक डॉ राजकुमार की तरह लड़ाई लड़ें और झारखंड को लूटने से बचायें।

शासी परिषद की बैठक में स्वास्थ्य मंत्री और विभागीय अधिकारियों के दबाव में करोड़ों रुपये के अवैध भुगतान से इनकार करने पर रिम्स निदेशक डॉ राजकुमार को हटाने के सरकार के

फैसले पर उच्च न्यायालय ने रोक लगाकर भ्रष्टाचार पर रोक लगायी है। हाइकोर्ट के इस फैसले से हेमंत सरकार द्वारा रिम्स जैसे प्रतिष्ठित स्वास्थ्य संस्था को अपने लूट का चारागाह बनाने की साजिश भी बेनकाब हुई है।

सीबीआइ जांच की मांग

बाबूलाल ने कहा है कि मुख्यमंत्री से मैं एक बार फिर अनुरोध करता हूं कि अनुचित भुगतान करने का दबाव नहीं मानने के चलते रिम्स निदेशक को हटाने के इस मामले की जांच सीबीआइ से कराने का आदेश दें।

घोटाले के लिए अधिकारियों पर गलत काम कराने का दबाव डालने वाले ऐसे मंत्री को मंत्रिमंडल से बाहर करें। अन्यथा ऐसे घोटाले आगे फिर से आपके गले का फांस बनेंगे।

रिम्स निदेशक मामले में हाइकोर्ट के फैसले का स्वागत

संविधान की जीत हुई : अमर बाउरी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। तत्कालीन रिम्स निदेशक डॉ राजकुमार को हटाने के आदेश पर झारखंड हाइकोर्ट द्वारा रोक लगाये जाने के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने इसे संविधान की जीत और सरकार की हार करार दिया है। बाउरी ने कहा कि यह निर्णय एक बार फिर साबित करता है कि भारत में कानून और संविधान का राज सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि डॉ राजकुमार के साथ अन्याय करते हुए उन्हें बेइज्जत कर पद से हटाया गया था। बाबा साहब

अंबेडकर द्वारा दिये गये संवैधानिक अधिकारों का इस्तेमाल कर डॉ राजकुमार ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और कोर्ट ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया, जो एक बड़ी जीत है। अमर बाउरी ने कहा कि डॉ राजकुमार को जिन कारणों से हटाया गया था, उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य विभाग में मेडाल हेल्थ सेंटर जैसे संस्थानों को अवैध भुगतान कराने और सरकारी ठेकों में पक्षपात कर अपनों को लाभ पहुंचाने के प्रयास हो रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार और मंत्रियों द्वारा भ्रष्टाचार के माध्यम से धन उपार्जन के प्रयास लगातार किये जा रहे थे, और इस पूरे प्रकरण की गहन जांच आवश्यक है ताकि पूर्ण न्याय हो सके।

घूसखोर इंजीनियर के ठिकानों से 70 लाख नकद और 1 किलो सोना जब्त

आजाद सिपाही संवाददाता

सीबीआइ दिल्ली की टीम ने रेलवे के चीफ इंजीनियर विशाल आनंद के रांची और बिलासपुर स्थित ठिकानों पर की कार्रवाई

रांची। सीबीआइ दिल्ली की टीम ने रेलवे के चीफ इंजीनियर विशाल आनंद के रांची और बिलासपुर स्थित ठिकानों से करीब 70 लाख रुपये जब्त किये हैं। घूस लेते गिरफ्तार चीफ इंजीनियर के भाई कुनाल के घर से एक किलो सोना जब्त किया गया। उल्लेखनीय है कि सीबीआइ दिल्ली की टीम ने साउथ इस्ट सेंट्रल रेलवे के चीफ इंजीनियर विशाल आनंद के खिलाफ घूसखोरी के मामले में मिली सूचनाओं के आधार पर नजर रखी। इस दौरान सीबीआइ को रेलवे ओवरब्रिज और अंडरब्रिज के निर्माण कार्य में लगी झरझरिया कंस्ट्रक्शन कंपनी और चीफ इंजीनियर के बीच घूस की रकम की लेनदेन के मुद्दे पर बैठक होने की सूचना मिली। बैठक के बाद कंस्ट्रक्शन कंपनी ने अपने बेटे को घूस के रूप में 32 लाख रुपये तय होने की सूचना दी। साथ ही घूस की रकम रांची पहुंचाने का निर्देश दिया। दूसरी तरफ चीफ इंजीनियर ने भी रांची स्थित अपने भाई को एक व्यक्ति द्वारा 32 लाख रुपये पहुंचाये जाने की सूचना दी।

इन सूचनाओं के आधार पर सीबीआइ की टीम ने 25 अप्रैल को रांची में छापा मारकर विशाल आनंद के भाई कुणाल को 32 लाख रुपये लेने के आरोप में गिरफ्तार किया। सीबीआइ ने घूस की रकम देने के आरोप में मनोज पाठक और सुशील झरझरिया को भी गिरफ्तार किया। सीबीआइ की दूसरी टीम ने बिलासपुर में चीफ इंजीनियर विशाल आनंद को गिरफ्तार किया। इसके बाद सीबीआइ की टीम ने रांची और दिल्ली स्थित ठिकानों पर छापा मारा। रांची में विशाल के भाई के घर से घूस की रकम के अलावा करीब 20 लाख रुपये नकद और एक किलो सोना जब्त किया। सीबीआइ ने चीफ इंजीनियर विशाल आनंद के बिलासपुर स्थित घर से भी करीब 18 लाख रुपये नकद जब्त किया।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

राशि	फल
मेष	आमदनी के नये स्रोत बनेंगे, मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा, धन-ऐश्वर्य की वृद्धि।
वृष	समसामयिक प्रयास सफल, विद्या-बुद्धि-प्रतिभा का विकास होगा, महत्वपूर्ण कार्य पूरे होंगे।
मिथुन	आत्मविश्वास की वृद्धि, नये कार्ययोजनाओं के प्रति रुचि बढ़ेगी।
कर्क	काम की गति बढ़ेगी, सुख-संसाधनों की वृद्धि, व्यापारिक विस्तार की योजना।
सिंह	कामकाज का विस्तार, आप उन्नति के मार्ग की ओर प्रशस्त होंगे, संकल्पित कार्य पूरा होगा।
कन्या	बहुत दिनों से चली आ रही इच्छाओं की पूर्ति होगी, व्यवसाय में सफलता।
तुला	कुछ संघर्षों के बाद नौकरी-सरकारी कार्यों में आशातीत सफलता मिलेगी।
वृश्चिक	चतुर्दिक हर्ष तथा उल्लास का वातावरण रहेगा, संयम, धैर्य से काम आसान होंगे।
धनु	आय के नये स्रोत बनेंगे, प्रभावशाली व्यक्तित्व का विकास, षड्यंत्र विफल रहेगा।
मकर	नये व्यवसाय का आरंभ हो सकता है, परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होगा।
कुंभ	रुके हुए कार्य में तेजी, उत्साह-उमंग भरा रहेगा, भ्रमण के साधन बनेंगे,नये लोगों से संपर्क।
मीन	किसी नये कार्य आरंभ करने से पूर्व परिवार में विचार-विमर्श करें, कठिनाइयों पर विजय।

हाइस्कूल शिक्षक नियुक्ति में वंचित अभ्यर्थियों को राहत, सुप्रीम कोर्ट ने जेएसएससी को भेजा नोटिस

रांची (आजाद सिपाही)। सुप्रीम कोर्ट ने हाइस्कूल शिक्षक नियुक्ति के लिए प्रमाण पत्र सत्यापन से वंचित अभ्यर्थियों की अपील याचिका पर सुनवाई के लिए स्वीकृति दे दी है। कोर्ट ने इस मामले में राज्य सरकार और झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) को नोटिस जारी किया है।

क्या है मामला?

इस मामले में प्रार्थी निर्मल पाहन और अन्य ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है, जिन्हें हाइस्कूल शिक्षक नियुक्ति के लिए प्रमाण पत्र सत्यापन में शामिल नहीं किया गया था। प्रार्थियों का कहना है कि उन्हें मेरिट लिस्ट के संबंध में कोई जानकारी नहीं मिली, जिसके कारण वे समय पर अपना प्रमाण पत्र सत्यापन नहीं करवा सके। प्रार्थियों की ओर से वरीय अधिवक्ता देवदत्त कामत और अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने सुप्रीम कोर्ट में बहस करते हुए कहा कि परीक्षा के कई सफल अभ्यर्थियों को एसएमएस, इमेल और डाक के माध्यम से डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के संबंध में खबर भेजी गयी थी, जबकि प्रार्थियों को इसका लाभ नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि यदि किसी अभ्यर्थी को विशेष तरह से आमंत्रित किया गया और उसे डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन की जानकारी दी गयी, तो यह अन्य अभ्यर्थियों के साथ भी होना चाहिए था। जेएसएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरवाल ने हाइकोर्ट में बताया था कि सोनी कुमारी मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आलोक में मेरिट लिस्ट जारी की गयी है। जेएसएससी ने इस संबंध में नोटिस जारी करते हुए स्पष्ट कहा था कि मेरिट लिस्ट आयोग की वेबसाइट पर ही उपलब्ध रहेगी।

अस्थायी अमृत धारा का शुभारंभ

झुमरीतिलैया (आजाद सिपाही)। मारवाड़ी युवा मंच की इकाई प्रेरणा शाखा द्वारा अमृतधारा (प्याऊ) का शुभारंभ श्री अग्रसेन भवन में किया गया। अमृतधारा के अस्थाई कार्यक्रम के तहत दुकानदारों, राहगीरों के साथ-साथ मवेशियों और पक्षियों को राहत मिलेगी, उन्हें चिलचिलाती धूप में ठंडा पानी उपलब्ध कराया जायेगा। श्री अग्रसेन भवन में आयोजित एक सादे समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अग्रवाल समाज के अध्यक्ष कैलाश चौधरी व सचिव संजीव खेतान ने संयुक्त रूप से फीता काटकर अस्थाई अमृत धारा का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मारवाड़ी युवा मंच के मंडल 1 सहायक मंत्री श्रेया केड़िया भी उपस्थित थी। दोनों अतिथियों का प्रेरणा शाखा की अध्यक्ष सारिका लड्ढा ने पौधा देखकर सम्मानित किया। इस अवसर पर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष कैलाश चौधरी ने कहा कि राष्ट्र की अमूल सेवा मारवाड़ी युवा मंच करता है। सेवा कार्य से ही मंच को और इनकी इकाइयों को राष्ट्र पहचान मिली है। मेरा मंच मेरी शान मेरा मंच मेरी पहचान के तहत युवा शक्ति राष्ट्र शक्ति की सेवा भावना प्रबल होती जा रही है। ऐसे पुण्य का कार्य प्रेरणा शाखा करती रहेगी। मंडल 1 की सहायक मंत्री श्रेया केड़िया ने कहा कि समिति दायित्व को बखूबी निभाने का कार्य मंच और उनकी इकाइयां प्रेरणा शाखा, सुरभि शाखा, समर्पण शाखा, जागृति शाखा, उड़ान शाखा के तहत महिलाएं भी सामाजिक गतिविधियों में अपने दायित्व को पूरा करने में लगी है। प्रेरणा शाखा की अध्यक्ष सारिका लड्ढा ने कहा कि मारवाड़ी युवा मंच पनशाला, पाठशाला और धर्मशाला के माध्यम से सामाजिक दायित्व को पूरा करने में लगी है। मौके पर परियोजना निदेशक रश्मि गुटगुटिया और नेहा जैन ने कहा कि जल हमारे लिए बहुत आवश्यक है और इसके बिना हमारे जीवन का अस्तित्व पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। धन्यवाद ज्ञापन उपाध्यक्ष शीतल पोद्दार ने किया। इस अवसर पर अग्रवाल समाज के कार्यकारिणी सदस्य अरविंद चौधरी, श्वेता गुटगुटिया, दीपा गुप्ता, नेहा हिसारिया आदि उपस्थित थे। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

गर्मी से बचाव को लेकर शिविर आयोजित

जयनगर (आजाद सिपाही)। प्रखंड के डीवीसी केटीपीएएस कोडरमा नैगम समाजिक दायित्व अंतर्गत ग्राम करियांवा देवी मंदिर के प्रांगण में सामान्य स्वास्थ्य और गर्मी से बचाव को लेकर शिविर आयोजित किया गया। जिसमें 257 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवा वितरण किया। मौके पर डॉ रवि कुमार ने लोगों को बताया कि बिना काम के घर से बाहर नहीं निकलें, अगर निकलें तो पूरा शरीर ढक कर निकलें। भरपूर मात्रा में पानी का सेवन करें, खीरा, ककड़ी, तरबूज, छाछ का सेवन करें। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सहायक प्रबंधक कुलदीप राम, मेडिकल टीम में त्रिभुवन, अशोक कुमार, पिन्टु, बलराम सहित काफी संख्या में महिला-पुरुष मौजूद थे।
इसलिए लोगों को सचेत रहने की जरूरत है।

पेड़ की डाली गिरने से महिला घायल

विष्णुगढ़ (आजाद सिपाही)। बगोदर हजारीबाग मार्ग स्थित भेलवारा में पेड़ की डाली गिरने से मोटरसाइकिल सवार महिला गंभीर रूप से घायल हो गयी। मिली जानकारी के मुताबिक बगोदर मंझलाडीह गांव से सोनी देवी पति विनोद यादव बाइक से हजारीबाग जा रही थी भेलवारा में अचानक पेड़ की डाली टूटकर गिर गया जिससे महिला के सर पर गम्भीर चोट लगने से घायल हो गयी। घायल अवस्था में उसे विष्णुगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां प्रार्थमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग भेज दिया गया है।

हजारीबाग प्रेस क्लब में दिवंगत पत्रकार टीपी सिंह और शाद्वल कुमार को दी गयी श्रद्धांजलि

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। कोरोना काल में दिवंगत हुए दो वरिष्ठ पत्रकार स्व टीपी सिंह और स्व शाद्वल कुमार को उनकी पुण्यतिथि पर हजारीबाग प्रेस क्लब में याद किया गया। श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर दोनों पत्रकार को श्रद्धांजलि दी गयी। हजारीबाग प्रेस क्लब से जुड़े पत्रकारों ने बारी-बारी से दोनों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस श्रद्धांजलि सभा में जेजेए के फाउंडर शाहनवाज हुसैन विशेष रूप से उपस्थित हुए। क्लब के अध्यक्ष मुरारी सिंह ने पुष्प अर्पित करते हुए कहा कि आज दोनों की कमी खलती है, जिस निडरता से दोनो ने पत्रकारिता किया वह अद्वितीय है। पत्रकारिता के क्षेत्र में उन दोनों का योगदान भुलाया नहीं जा सकता। क्लब के सचिव विस्मय अलंकार ने कहा कि आज भले ही दोनों हमलोग के बीच नहीं है, मगर उन दोनों के द्वारा किये कार्य हम सबों को प्रेरणा देती है। जेजेए के फाउंडर शहनवाज हुसैन ने कहा कि स्व टीपी सिंह और स्व शाद्वल कुमार के बारे में जितना कहा जाये कम होगा। उनकी लेखनी के साथ उनका व्यक्तित्व का भी कोई जोड़ नहीं था। जेजेए जिला अध्यक्ष कृष्णा गुप्ता ने कहा कि दोनों मेरे दो हांथ की तरह थे, उनकी कमी आजीवन खलेगी। क्लब के उपाध्यक्ष दीपक सिंह ने कहा कि हम सबों को उन दोनों से प्रेरणा लेने का दिन है। मौके पर हजारीबाग प्रेस क्लब के दर्जनों पत्रकार उपस्थित हुए और श्रद्धांजलि दी।

बादम में श्री श्री 1008 शतचंडी महायज्ञ का शुभारंभ आज, तैयारी पूरी

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। प्रखंड अंतर्गत ग्राम बादम में श्री श्री 1008 शतचंडी महायज्ञ का शुभारंभ आज कलश यात्रा के साथ शुरू होगा। कलशयात्रा पंचवाहिनी माता स्थान से निकाली जायेगी जो महतो मोहल्ला, बनिया मोहल्ला, बस स्टैंड, डांभाडीह होते हुए सिमासी बागी नदी पहुंचेगी। सीमासी बागी नदी से विधिवत जल उठाव कर वापस पंचवाहिनी माता स्थान यज्ञ मंडप तक पहुंचेगा। यज्ञ को लेकर सभी तैयारीयां पूरी हो गयी है। यज्ञ स्थल के समीप ही मनोरंजन के लिए झूले लगाये गये हैं। 30 अप्रैल से 6 मई तक कथा वाचन का कार्यक्रम होगा। 7 मई को जागरण और झांकी के साथ यज्ञ का समापन होगा। यज्ञ कार्यक्रम में यज्ञाचार्य गिरिडीह से मनोज कुमार पांडे और कथावाचन के लिए मध्यप्रदेश से कथावाचिका कैलाश नगर, श्रीधाम, वृंदावन, उत्तरप्रदेश से बाल विदुषी सुश्री अंजना किशोरी का आगमन होगा। वहीं जागरण कार्यक्रम में भजन गायक मंटू निराला और भजन गायिका पल्लवी झा के द्वारा भक्ति गीतों से माहौल को भक्तिमय बनाया जायेगा। यज्ञ के दौरान प्रतिदिन आनंद पांडेय के द्वारा महा आरती सह गंगा आरती की जायेगी। यज्ञ अध्यक्ष अभय कुमार, सचिव संतोष कुशवाहा, कोषाध्यक्ष प्रमोद कुमार, उपाध्यक्ष रवि कुमार दांगी, उपसचिव प्रकाश राम, उपकोषाध्यक्ष काली चरण कुमार, संरक्षक सहेश्वर महतो, संजय मेहता, ग्राम अध्यक्ष भूदेव महतो, ग्राम कोषाध्यक्ष बैजनाथ महतो, ग्राम युवा अध्यक्ष भवेश कुमार, पंचायत समिति प्रतिनिधि संतोष महतो, राजू महतो, कैलाश कुमार, राजेंद्र उर्फ राजू महतो, गोविंद महतो, ज्ञानी महतो, दिलीप महतो, सोमनाथ महतो, बिरजू महतो, त्रिवेणी महतो सहित अन्य लोगों के सहयोग से यज्ञ कार्यक्रम सुचारू रूप से संचालित होगा।

सदर अस्पताल में भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी के विरोध में सीटू और किसान सभा ने किया प्रदर्शन

भ्रष्टाचार, कमीशन खोरी और मरीजों को होने वाली परेशानियों को लेकर की प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी

आजाद सिपाही संवाददाता

कोडरमा। सदर अस्पताल कोडरमा में व्याप्त भ्रष्टाचार, कमीशन खोरी और मरीजों को होने वाली परेशानियों के खिलाफ और विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध कराने सहित अन्य मांगों को लेकर सीटू और किसान सभा ने सदर अस्पताल परिसर में सिविल सर्जन कार्यालय के समक्ष मांगों से संबंधित हांथों में पोस्टर लेकर आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी की। ऑक्सीजन प्लांट रहते हुए बाहर से ऑक्सीजन खरीदी की जांच करे, मेनू के आधार पर मरीजों को भोजन देना होगा, आयुष्मान में सहिया को प्रोत्साहन राशि भुगतान करे, आउटसोर्सिंग कर्मियों का शोषण बंद करे, सभी कर्मियों को न्यूनतम वेतन देना होगा, सभी तरह की दवाई और जांच की व्यवस्था हॉस्पिटल में करना होगा आदि नारे लगाये जा रहे थे। प्रदर्शन के दौरान डीसी, डीडीसी और सिविल सर्जन अस्पताल परिसर में ही मौजूद थे। झारखंड राज्य किसान सभा के संयुक्त सचिव असीम सरकार ने कहा कि राज्य के स्वास्थ्य मंत्री कोडरमा दौरे पर हैं, सदर अस्पताल में व्याप्त भ्रष्टाचार और कुव्यवस्था पर उनका ध्यान आकर्षित करने के लिए हम प्रोटेस्ट कर रहे हैं। सदर अस्पताल में कुव्यवस्था के कारण आये दिन मरीजों को काफी परेशानी होती है। दूसरी तरफ जिला में कोई भी राज्य स्तरीय सरकारी कमिटी आने पर सदर अस्पताल का चकाचौंध दिखाकर वाहवाही लूटी जाती है। जबकि असलियत में यहां कुव्यवस्था है। मरीजों का शोषण होता है, बाहर की दवा और जांच लिखी जाती है। अयोग्य डॉक्टर से मरीजों का ऑपरेशन कराया जा रहा है और मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। ऑक्सीजन प्लांट रहते हुए बाहर से ऑक्सीजन खरीदी की जांच उच्च स्तरीय कमिटी द्वारा किया जाना चाहिए। सीटू के जिला सचिव रमेश प्रजापति ने कहा कि आज मंत्री आये हैं, तो पूरा हॉस्पिटल चुस्त दुरुस्त है। डॉक्टर समय पर ओपीडी में बैठ गये हैं। जबकि अन्य दिनों 10 बजे के पहले ओपीडी खुलता नहीं है और दो बजे के पहले डॉक्टर भाग जाते हैं। सीटू के राज्य सचिव संजय पासवान ने कहा कि यहां आउटसोर्सिंग कर्मियों का शोषण जारी है, निर्धारित मानदेय भी उन्हें समय पर नहीं मिलता है। मार्च महीना समाप्त होने के बाद भी आउटसोर्सिंग कंपनियों के लिए टेंडर नहीं हुआ है, लेकिन कर्मियों से काम नियमित लिया जा रहा है। कार्यक्रम में महेन्द्र तुरी, फेकुलाल विद्यार्थी, वासुदेव साव, शैलेन्द्र कुमार, बाबूलाल साव, अजय कुमार, जितेन्द्र आदि शामिल थे।

विनोबा भावे विवि में परिसर विकास कार्यक्रम का शुभारंभ

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय में कुलपति दिनेश कुमार सिंह के द्वारा परिसर विकास कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय परिसर को कैसे विकसित किया जाये इसको लेकर विचार विमर्श किया गया और एक कमेटी का गठन किया गया है जिसका कमेटी के लोग विभिन्न तरह की समस्याओं से अवगत होंगे और उसे उसका समाधान करके परिसर को विकसित करने में मदद करेंगे। कुलपति ने बताया कि विनोबा भावे विश्वविद्यालय परिसर में बच्चे काफी कम संख्या में हॉस्टल में रहते हैं जिसके लिए जिला प्रशासन से बात कर सुरक्षा का व्यस्था करवाये जायेंगे और बच्चों को हॉस्टल में रखा जायेगा। साथ ही साथ इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जायेगा वहीं समय-समय पर परिचर्चा का आयोजन कर बच्चों को नई-नई तकनीक और विभिन्न तरह के सामग्रियों से शिक्षित किया जायेगा। उप कुलपति ने बताया कि डीप इरीगेशन के माध्यम से परिसै को हरा भरा बनाया जायेगा ताकि एक अच्छे वातावरण में बच्चों की पढ़ाई हो सके। विश्वविद्यालय टीम के द्वारा हर उस सुविधा पर ध्यान दिया जायेगा जिससे बच्चे लाभान्वित होंगे और परिसर का विकास होगा, साथ ही बताया कि इस विश्वविद्यालय के लब्ध प्राप्त पुर्व विद्यार्थियों की भी मदद ली जायेगी उनके अनुभव का लाभ विद्यार्थियों को मिले इसकी तैयारी है अब देखने वाली बात होगी कि विनोबा भावे विश्वविद्यालय का कितना कायाकल्प किस-किस क्षेत्र में हो पाता है।

हजारीबाग टाउन रेलवे स्टेशन पर विशेष जांच अभियान

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग टाउन रेलवे स्टेशन पर एक विशेष चेकिंग अभियान और कैंप कोर्ट का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व रेलवे न्यायिक दंडाधिकारी, डाल्टनगंज, प्रज्ञेश निगम द्वारा किया गया। इस दौरान महिला डिब्बों में अनधिकृत यात्रा करने वाले, प्लेटफॉर्म पर अनुशासनहीनता फैलाने वाले और स्टेशन परिसर के 'नो पार्किंग' क्षेत्र में मोटरसाइकिल खड़ी करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गयी। पकड़े गये सभी आरोपियों को मौके पर ही न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां न्यायालय ने उन्हें आर्थिक दंड से दंडित किया। विशेष अभियान में रेलवे सुरक्षा बल ने अहम भूमिका निभाई। निरीक्षक प्रभारी यू एस ओझा के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक सुधीर कुमार सिंह, चंद्र भान पांडेय, प्रधान आरक्षी राज कुमार साव, दीपक यादव सहित कई आरक्षियों ने मिलकर स्टेशन पर चेकिंग अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। कार्यक्रम के दौरान न्यायिक दंडाधिकारी ने यात्रियों से अपील करते हुए कहा कि रेलवे नियमों का पालन करना प्रत्येक यात्री का कर्तव्य है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि रेलवे परिसर में अनुशासनहीनता और नियम उल्लंघन के विरुद्ध भविष्य में भी इस प्रकार की औचक कार्रवाई की जायेगी। रेल प्रशासन ने यात्रियों से सहयोग की अपेक्षा करते हुए कहा कि सुरक्षित, स्वच्छ और अनुशासित वातावरण बनाये रखने के लिए सभी को नियमों का पालन करना आवश्यक है। आज का अभियान यात्रियों के बीच एक स्पष्ट संदेश छोड़ गया है कि नियम तोड़ने पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित है।

बड़कागांव में ओलावृष्टि और बारिश ने गर्मी से दी राहत

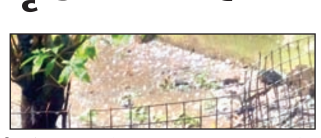

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। सोमवार को शाम 4:00 बजे बड़कागांव प्रखंड के कई गांव में भारी ओलावृष्टि और बारिश हुई हुई। जिसके कारण भारी गर्मी से लोगों को राहत मिली वही ओलावृष्टि और बारिश होने से कई प्रकार की सब्जियों को नुकसान भी हुआ है। ओलावृष्टि होने से नन्हे मुन्ने बच्चे ओला को अपने हाथों में लेकर खूब मौज मस्ती करते देखे गये। पिछले 5 दिनों से बडकागांव प्रखंड में लगभग 43से 45 डिग्री सेल्सियस तापमान गर्मी पड़ रही थी। फिलहाल ओलावृष्टि और बारिश होने से राहत तो जरूर मिली है, परंतु 1 मई से पुन: फिर से गर्मी अपने सातवें आसमान पर होगा। जिससे अचानक लोग बीमार पड़ सकते हैं।

बच्चों को दिया गया स्कूल बैग

विष्णुगढ़ (आजाद सिपाही)। प्रखंड अंतर्गत नव सृजित प्राथमिक विद्यालय रखवा में स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग झारखंड सरकार द्वारा उपलब्ध स्कूली बैग का वितरण जेएलकेएम प्रखंड उपाध्यक्ष सुरेश कुमार, विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष गुनवा देवी और विद्यालय प० भ० संयोजिका हेमंती कुमारी के द्वारा संयुक्त रूप से पहली से पांचवीं कक्षा तक के बच्चों के बीच स्कूली बैग का वितरण किया गया। सुरेश कुमार ने उपस्थित बच्चों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि अगर बच्चों को नियमित विद्यालय भेजे। अभिभावकगण प्रत्येक दिन बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजे। इस दौरान विद्यालय पभ संयोजिका हेमंती कुमारी, सहायक अध्यापिका दयामनी सोरेन, विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष गुनवा देवी, बबीता कुमारी, गुंजा भारती, सोनिया देवी, मोहिनी देवी समेत कई अभिभावक और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

बड़कागांव में ग्रामीणों ने की बैठक, आयुक्त को लिखा पत्र

हजारीबाग उपायुक्त अडानी एंटरप्राइजेज के लिए एक पक्षीय कार्रवाई कर रहे

आजाद सिपाही संवाददाता

बड़कागांव। प्रखंड के चंदौल गांव में अडानी इंटरप्राइजेज से प्रभावित हो रहे रैयतों ने चंदौल भुरैयत संघर्ष मोर्चा के बैनर तले बैठक की। बैठक में दर्जनों की संख्या में रैयत उपस्थित हुए। जिसमें सभी रैयतों ने अपना विचार बारी-बारी से रखा। बैठक में सभी ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा कि हजारीबाग उपायुक्त द्वारा अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के लिए एक पक्षीय कार्रवाई किया जा रहा है। जो काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। इसके संबंध में सभी रैयतों ने निर्णय लिया गया कि इसकी शिकायत उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के आयुक्त से करना है जिसको लेकर सभी ग्रामीणों ने उतरी छोटानागपुर प्रमंडल आयुक्त हजारीबाग के नाम पत्र लिखा। पत्र के माध्यम से रैयतों ने कहा कि अडानी इंटरप्राइजेज लिमिटेड को गोंदलपुरा कॉल ब्लॉक व्यावसायिक उपयोग के लिए आवंटित किया गया जबकि यह कॉल ब्लॉक ऊर्जा निर्माण विद्युत के लिए कार्य कर रही सरकारी कंपनियों के लिए आरक्षित की गयी थी। इस अडानी कंपनी के खिलाफ प्रभावित पांच गांव की जनता पिछले दो वर्षों से लगातार धरना पर बैठी हुई है। उन्होंने इसके खिलाफ दर्जनों बार अपना लिखित विरोध उपायुक्त हजारीबाग को भेजा है विरोध के बावजूद उपायुक्त द्वारा कंपनी हित के कार्यों को लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है अडानी कंपनी के इस कोयला ब्लॉक के पुनर्वास और पुनर्विविस्थापन कॉलोनी के निर्माण के लिए पकरी बरवाडीह कोयला ब्लॉक और गोंदलपुरा कोयला ब्लॉक के बीच स्थित चंदौल गांव की 163 एकड़ भूमि को चिन्हित किया गया है जो बहु फसलीय जमीन है। आगे उन्होंने पत्र में कहा है कि यह बात आपके संज्ञान में लाना चाहते हैं कि इस भूमि के चयन में भू रयातों की कोई राय नहीं ली गयी है और अपना विरोध उपायुक्त को सौंपा गया भी है। साथी उन्होंने कहा है की चंदौल गांव का यह भूमि का टुकड़ा कॉल ब्लॉक परिसीमन से मुक्त है जहां सालों से खेती होती है और यह बहु फसलीय उपजाऊ जमीन है इसे छोड़कर किसी अन्य जगह पर अनउपजाऊ भूमि की तलाश कर उसे पुनर्वास कॉलोनी के लिए आवंटित किया जाये। मौके पर मुख्य रूप से मिथलेश दांगी, सुरेश कुमार दांगी, रंजीत कुमार ठाकुर, किशन रजवार, रीतलाल कुमार, सोहन महतो, गणेश महतो, मनोज महतो, कैलाश महतो, वीरेंद्र महतो, सरवन कुमार, लखींद्र ठाकुर, सुखदेव महतो ,कौशल्या देवी, खुदवा देवी, मालती देवी, उर्मिला देवी, दर्शनी देवी, मीना देवी, पार्वती देवी सहित दर्जनों रैयतों हस्ताक्षर पत्र में शामिल है।

स्कूल रुआर को लेकर कार्यशाला

इचाक (आजाद सिपाही)। रुआर 2025 को सफल बनाने को लेकर प्रखंड कार्यालय सभागार में सोमवार को प्रखंड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। उद्घाटन बीडीओ संतोष कुमार और उपप्रमुख सत्येंद्र कुमार ने दीप प्रज्वलित कर की। इससे पूर्व प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ वंदना श्रीवास्तव ने अतिथियों को पौधा देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि बीडीओ संतोष कुमार ने कहा कि अभियान में हमारा उद्देश्य है जो भी बच्चे बीच में पढ़ाई छोड़ चुके हैं उन सभी बच्चों को पुन: विद्यालय वापस लाना है या वैसे बच्चों जो आज भी विद्यालय से बाहर है वैसे बच्चों का नामांकन करवाना है। उपप्रमुख सत्येंद्र कुमार ने कहा कि किसी भी कारण वश जो भी बच्चे विद्यालय से बाहर है या छिजित हो चुके है, उन बच्चों को पुन: विद्यालय वापस लाने और नामांकन करवाने में हम सबों को सहयोगात्मक भूमिका निभाने की जरूरत है। इसके अलावा शिक्षिका शोभा पांडेय, रुम टू रीड की प्रखंड प्रभारी नूतन, शिक्षक ईश्वर कुमार दास ने भी अपने विचारों को रखा। शिक्षक ऐनुअल अंसारी ने 25 अप्रैल से 10 मई तक विद्यालयों में संचालित विभिन्न कार्यक्रमों और इसे सफल बनाने के लिए तय की गयी जवाबदेही के बारे शिक्षकों को जानकारी दिया। मंच संचालन बीपीओ डॉ वंदना श्रीवास्तव ने किया। बैठक मे शिक्षक जितेंद्र कुमार सिंह, तालेश्वर प्रजापति, नरेश रजक, देवेंद्र कुमार, संतोष कुमार, योगेन्द्र राम, आशुतोष मेहता, ओमप्रकाश निराला, प्रबिल रविदास, सीआरपी संतोष कुमार, राजेश यादव के अलावा कई शिक्षक शिक्षिकाएं शामिल थे।

अंडर 15 टी 20 टूर्नामेंट के लिए चार खिलाड़ियों की जिला टीम में चयन

टाटीझरिया (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के चार अंडर 15 टी 20 टूर्नामेंट खिलाड़ी का चयन हजारीबाग क्रिकेट एसोसिएशन की जिला टीम में प्रतिभाशाली लड़कियों का नाम चयन किया। बता दे कि टाटीझरिया के साक्षी कुमारी पिता पिंटू राम नंदनी कुमारी पिता कमल राम और अमनारी के निशा कुमारी और मनीषा कुमारी पिता प्रदीप महतो का चयन जेएससीए इंटर डिस्ट्रिक्ट गर्ल्स अंडर 15 टी 20 टूर्नामेंट के लिए चारों प्रतिभाशाली खिलाड़ी लकड़ियों का नाम चयन किया गया। ये लड़कियां आरजी क्रिकेट अकादमी से है जी अपने खेल के प्रति समर्पण और मेहनत के प्रदर्शन कर रही है आरजी क्रिकेट अकादमी के कोच गोपाल कुमार ने बताया कि चारो लड़कियां खेल के प्रति समर्पित है इनके प्रतिभा और मेहनत का हम सराहना करते है और उन्हें आगामी मैचों में उत्कृष्ट हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया है। जिला तुम के लिए आगामी 30 अप्रैल को हजारीबाग और पाकुड़ के बीच पहला मैच 01 मई को हजारीबाग और रांची के बीच और 02 मई को हजारीबाग और बोकारो के बीच क्रिकेट मैच खेला जाना है, इन सभी खिलाड़ियों के माता पिता ने बताया कि आज हमलोग गर्व करते है कि हजारी बेटियों का चयन अंडर 15 टी 20 क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए जिला में किया गया है आज बहुत ही खुशी की बात प्रखंड के लिए है हमे उम्मीद है कि हजारीबाग की तुम अपने सभी मैचों में उत्कृष्टता हासिल करेगी और अपने प्रशंसकों को गर्व महसूस करायेगी।

नि: शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

कोडरमा (आजाद सिपाही)। लायंस क्लब ऑफ झुमरीतिलैया और टाइटन आई प्लस के संयुक्त तत्वाधान में एक नि :शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन टाइटन आई प्लस के परिसर में किया गया। इसमें आंखों की नि :शुल्क जांच के लिए टाइटन आई प्लस ने लायंस क्लब के अनुरोध पर आज प्रारंभ हुई। नि :शुल्क नेत्र जांच की सुविधा पूरे महीने करने का आश्वासन दिया है। आज के शिविर में लायंस क्लब के जिला चेयरपर्सन लाइन गजेंद्र राम के अतिरिक्त रीजन चेयरपर्सन सुजीत भी मौजूद थे। यह नि :शुल्क नेत्र जांच शिविर प्रतिदिन 11 बजे से टाइटन आई प्लस के परिसर में चलता रहेगा। लायंस क्लब ने यह संदेश दिया है की इस सुविधा का लाभ हुए आम नागरिक पूरे महीना उठा सकते हैं। आज के शिविर में लगभग 28 लोगों ने अपने आंखों की जांच करवाई।

क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल, महुड़र ने किया शील्ड अपने नाम

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। कटकमदाग प्रखंड अंतर्गत ग्राम मेयातु में प्रखंड स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन विगत एक माह पूर्व पब्लिक वेलफेयर फाउंडेशन झारखंड के द्वारा किया गया था जिसमें प्रखंड के कुल 16 टीम ने भाग लिया था। आज फाइनल मैच मेंयातु व महुडर के बीच खेला गया महुडर अपने निकटतम प्रतिद्वंदी मेंयातु को हरा कर शील्ड अपने नाम किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि झारखंड सेवा मंडल के सचिव सुबोध कुमार ओझा अति विशिष्ट अतिथि सुल्ताना पंचायत उपमुखिया विनय कुमार दुबे मो. खालिक रहे। सुबोध ओझा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि पब्लिक वेलफेयर फाउंडेशन संस्था का पहल सराहनीय है इस प्रकार के आयोजन से युवाओं में उत्साह बढ़ता है साथ ही मन मस्तिष्क भी स्वास्थ रहता है। पब्लिक वेलफेयर फाउंडेशन के सचिव सुनिल कुमार पांडेय ने कहा कि संस्था युवाओं, महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए संकल्पित है, प्रखंड में छुपी हुई प्रतिभा का निखार हो इस लिए इस प्रकार के आयोजन जरूरी है। उपमुखिया विनय दुबे ने कहा मै हर वक्त संस्था के साथ हुं, पंचायत में खेल मैदान नहीं होने से युवाओं को काफी दिक्कत होता है, लेकिन इस समस्या का हम लोग मिल कर समाधान निकलेंगे। मौके पर पप्पू कुमार, प्रिंस शुक्ला, सुनिल प्रजापति राखी कुमारी, अजय कुमार, सचिन कुमार आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

स्वर्णरेखा महिला समिति का स्पार्कल समारोह में दिखी नारी सशक्तिकरण की झलक

पतरातू (आजाद सिपाही)। स्वर्णरेखा महिला समिति के तत्वावधान में पीवीयूएनएल टाउनशिप ग्राउंड में स्पार्कल थीम पर भव्य वार्षिक समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अध्यक्ष पीवीयूएनएल और निदेशक परियोजना एनटीपीसी के एस सुंदरम द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया। इसके उपरांत समिति की सदस्यों ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। समारोह में स्वागत गीत, दुर्गा स्तुति, लोकनृत्य और एक प्रेरणादायक नाटक का सुंदर मंचन किया गया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। स्वर्ण महिला समिति द्वारा आयोजित समारोह नारी सशक्तिकरण और सांस्कृतिक समृद्धि का जीवन उदाहरण बन गया। समिति की अध्यक्ष रीता सिंह ने पूरी टीम की सराहना करते हुए वार्षिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत की। मौके पर पीवीयूएनएल के सीइओ आरके सिंह सहित कर्मचारी गण मौजूद थे।

राधा गोविंद विवि में संयुक्त उद्यम जागरूकता कार्यक्रम

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। राधा गोविंद विश्वविद्यालय के सेमिनार हॉल में संयुक्त उद्यम जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रांची के इपीएफओ डीएनओ एस शिव प्रकाश, इएसआइसी ब्रांच मैनेजर रामगढ़ के अवध कुमार और रांची के सीनियर सिक्योरिटी असिस्टेंट इपीएफओ राम नरेश प्रसाद उपस्थित थे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सेवानिवृत कर्मचारियों को बचत करने के लिए प्रोत्साहित करना। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बीएन साह, सचिव प्रियंका कुमारी, प्रति कुलपति प्रो (डॉ) रश्मि, कुलसचिव प्रो (डॉ) निर्मल कुमार मंडल, वित्त और लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो (डॉ) अशोक कुमार, प्रबंध समिति के सदस्य अजय कुमार ने सभी अतिथियों का हार्दिक अभिनंदन और स्वागत किया। अवध कुमार ने बताया कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन भारत सरकार द्वार स्थापित एक वैधानिक निकाय है। इसके अंतर्गत तीन योजनाओं का प्रबंध करता है। कर्मचारी भविष्य निधि योजना, कर्मचारी जमा लिंक्ड बीमा योजना और कर्मचारी पेंशन योजना। कर्मचारियों को इपीएफओ के द्वारा मेडिकल सेवाएं, सेवानिवृत के लिए बचत योजनाएं से संबंधित विस्तृत जानकारी और सुझाव भी दिये। मौके पर विश्वविद्यालय के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष व्याख्यातगण और सैकड़ों कर्मचारी उपस्थित रहे।

30 मई को संथाल समाज दिशोम मांझी परगना स्थापना दिवस मनाने को लेकर बैठक

मांडू (आजाद सिपाही)। संथाल समाज दिशोम मांझी परगना की बैठक सोमवार को पंचायत सचिवालय हेसागढ़ा में आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता संथाल समाज दिसोम मांझी हड़ाम फागू बेसरा व संचालन दिशोम जोगवा एतो बास्के ने किया। बैठक में समाज के लोगों ने कहा कि आगामी 30 मई 2025 को तापीन साउथ नेहरु स्टेडियम फुसरी बहेरा में संथाल समाज दिसोम मांझी परगना का स्थापना दिवस बहुत ही धूमधाम से मनाया जायेगा। जिसकी तैयारी और सफलता को लेकर सर्वसम्मति से कमेटी का गठन किया गया। बैठक में सोनाराम मांझी, कांदो मरांडी, गहन बेसरा, मोहन सोरेन, संजय टुडू, गंगा हंसदा, जीतलाल टुडू, श्याम देव सोरेन, महेंद्र मुर्मू, रुपन मुर्मू, शिबू सोरेन, पन्नालाल मुर्मू, प्रदीप सोरेन, अमित कुमार हांसदा, बीरबल आदि शामिल थे।

वन-नेशन-वन एलेक्शन पर संगोष्ठी आयोजित

कुजू (आजाद सिपाही)। सीएन कॉलेज रामानगर (रामगढ़) के सभागार में केन्द्र सरकार की प्रस्तावित वन नेशन वन एलेक्शन विषय पर संगोष्ठी का अयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य रूप से शासी निकाय सचिव राजू चतुवेर्दी शामिल रहे। इस दौरान उन्होंने कहा कि पूरे देश में चुनावों की आवृति को कम करने के लिए सभी राज्यों में लोकसभा और विधानसभा चुनाव को एक ही समय पर कराने की बात कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ अवधेश मिश्रा, संचालन डॉ राजेश कुमार दीवान व धन्यवाद ज्ञापन विवेकानंद पांडेय ने किया। संगोष्ठी पश्चात जम्मू कश्मीर के पहलगाम में मारे गये हिंदू पर्यटकों के लिए दो मिनट का शोकसभा का आयोजन कर सामुहिक रुप से श्रद्धांजलि दी गयी। इस अवसर पर मुख्य वक्ता प्रो खिरोधर प्रसाद साहू, डॉ स्वाति पांडेय, शीतल सिंह,मंजू देवी, अमिता सोनी, राजीव पाम दत, डॉ शरदेंदू, नीरज, प्रो सुनील यादव, प्रो रीना कुमारी, प्रो विनीता कुमारी समेत कई विद्यार्थी शामिल रहे।

शैक्षणिक संस्थान के 100 गज के दायरे में नहीं बिकेंगे तंबाकू उत्पाद: सिवल सर्जन

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। उपायुक्त चंदन कुमार के आदेशानुसार और असैनिक शल्य चिकित्सक डॉ महालक्ष्मी प्रसाद और जिला नोडल पदाधिकारी डॉ तूलिका रानी के निर्देशानुसार जिले में कोटपा, 2003 अंतर्गत छापेमारी जारी है। सिविल सर्जन ने कहा की हमारे युवा को तंबाकू से बचाना बहुत ही जरूरी है। क्योंकि तंबाकू कंपनियां स्कूल कॉलेज के बच्चों को अपना टारगेट बनाते हुए अपना उत्पाद विक्री करवा रही है। जिले के सभी दुकानदार जो तंबाकू उत्पाद का विक्री करते है उन्हे अपने तंबाकू विक्री स्थल पर निम्न साइनेज 2 फुट .1.5 फुट का प्रदर्शन करना अनिवार्य है साइनेज नहीं होने की स्थिति में अर्थदंड लिया जायेगा। सभी होटल मॉल पेट्रोल पंप और अन्य कार्यालय को धूम्रपान निषेध का साइनेज 2 फुट. 1.5 फुट का लगाना अनिवार्य है साइनेज नहीं पाये जाने की स्थिति में 200 रुपये का अर्थदंड अनिवार्य रूप से लिया जायेगा। तंबाकू नियंत्रण परामर्शी बिनय शर्मा के द्वारा बताया गया की सार्वजनिक स्थल पर धूम्रपान करना निषेध है। इसका कारण भी है क्योंकि कोई भी व्यक्ति जब सिगरेट और बीड़ी का सेवन करता है तो अपने आस-पास के लोगों को भी प्रभावित करता है। तंबाकू से स्नायुबल कमजोर होता है जिसके कारण लोगों में कार्य करने की क्षमता में कमी आ रही है। किसी भी शैक्षणिक संस्थान के 100 गज के दायरे में कोई भी दुकानदार द्वारा तंबाकू उत्पाद बेचना वर्जित है अन्यथा कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

डीसी ने की जिला सीएसआर समिति की बैठक

जलापूर्ति सुनिश्चित करने का दिया निर्देश

गर्मी के मौसम में किसी को भी नहीं हो दिक्कत, निर्बाध रूप से करे जलापूर्ति: डीसी

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। जिला सीएसआर समिति की बैठक सोमवार को समाहरणालय सभाकक्ष में डीसी चंदन कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। बैठक में उपायुक्त द्वारा जिंदल स्टील पावर लिमिटेड, सीसीएल सहित अन्य एजेंसी से उनके द्वारा सीएसआर के तहत किये जा रहे हैं कार्यों की जानकारी ली गयी। साथ ही उनके वार्षिक कार्य योजना की विस्तृत जानकारी लेने के क्रम में उपायुक्त द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। गर्मी के मौसम के मद्देनजर उपायुक्त द्वारा सभी सीएसआर एजेंसी को उनके क्षेत्र में स्थित ग्रामीण सहित अन्य क्षेत्रों में टैंकर आदि के माध्यम से जलापूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त ने विगत 5 वर्षों में रामगढ़ जिले के खिलाड़ियों द्वारा राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने अथवा विजयी होने वाले खिलाड़ियों को चिन्हित कर उन्हें सीएसआर के माध्यम से खेल किट सहित मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। गर्मी के मौसम को देखते हुए उपायुक्त ने जलापूर्ति समस्याओं को लेकर जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष गठित करने और नियंत्रण कक्ष को प्राप्त जलापूर्ति समस्याओं को निष्पादित करने को लेकर आवश्यक निर्देश दिये। उपायुक्त ने सभी सीएसआर एजेंसी को उनके उनके क्षेत्र में स्थित सरना स्थल, कब्रिस्तान आदि की चारदीवारी कराने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये।

सुकन्या समृद्धि जागरूकता अभियान चलाया गया

सुकन्या समृद्धि योजना से बच्चियों की भविष्य कर सकते सुरक्षित: राहुल

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। मारवाड़ी युवा मंच रामगढ़ कैंट और चेतना शाखा द्वारा चल रहे विशेष चार दिवसीय जन-जागरूकता कार्यक्रम बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत चौथे दिन सुकन्या समृद्धि योजना जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसमें सरकारी योजना की जानकारी देकर लड़कियों के भविष्य को सुरक्षित बनाना उद्देश्य था। अभियान को युवा मंच और चेतना शाखा के पदाधिकारियों द्वारा पोस्टर विमोचन कर समाज की बालिकाओं को पम्पलेट के द्वारा सुकन्या समृद्धि योजना के बारे में जानकारी बांटी गयी। युवा मंच और चेतना शाखा के अध्यक्ष और सचिव ने जागरूकता अभियान के उद्देश्य के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि लोगों को सुकन्या समृद्धि योजना के बारे में जानकारी प्रदान करना और उन्हें इस योजना के लाभों से अवगत कराना है। युवा मंच के राहुल अग्रवाल ने कहा हम इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चियों के माता-पिता और अभिभावकों को इस योजना में शामिल होने के लिए प्रेरित करने का प्रयास और बालिकाओं के लिए खाता खुलवाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे है। इस योजना के तहत माता-पिता अपनी बेटी के नाम पर एक बचत खाता (न्यूनतम राशि 250 के साथ) किसी भी बैंक या डाकघर में बालिका के जन्म लेने से उसकी दस वर्ष आयु पूरी होने तक जन्म प्रमाण पत्र व माता पिता का फोटो पहचान पत्र देकर खोल सकते हैं और इसमें नियमित रूप से जमा करके अपनी बेटी के भविष्य के लिए बचत कर सकते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में धीरज बंसल, श्रींजय मेवाड़, आशुतोष बेरलिया, आशीष अग्रवाल, निलिंद अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, संतोष गोकुलका, निखिल अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, रौनक अग्रवाल, रितिक परसरामपुरिया, डॉ नीति बरेलिया, मनीषा अग्रवाल, लवली अग्रवाल आदि का सहयोग रहा।

बीएमएस कुजू क्षेत्रीय कमेटी गठित, सचिव बने रतन साहू

आजाद सिपाही संवाददाता

कुजू। सीसीएल करमा परियोजना में सीसीएल कोलियरी कर्मचारी संघ से संबद्ध भारतीय मजदूर संघ की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता शंकर गिरि और संचालन निर्गुण महतो और रतन प्रसाद साहू ने संयुक्त रूप से किया। बैठक में पर्यवेक्षक के रूप में से सीसीएल कोलियरी कर्मचारी संघ के केंद्रीय अध्यक्ष निर्गुण महतो, संगठन मंत्री रामेश्वर कुमार मंडल, क्षेत्रीय प्रभारी जेपी झा शामिल रहे। इस दौरान संघ के मजबूती पर चर्चा की गयी। साथ ही, सर्वसम्मति से कुजू क्षेत्रीय कमिटी का गठन किया गया। जिसमें क्षेत्रीय अध्यक्ष दीपक कुमार, कार्यकारी अध्यक्ष शंकर गिरि, उपाध्यक्ष मनू महतो, राजकुमार महतो, अशोक कुमार सिंह, मैनेजर चंद्रा, क्षेत्रीय सचिव रतन प्रसाद साहू, संयुक्त सचिव मनोज कुमार सिंह, सहसचिव चरित्र सिंह, भीम महतो, जगेश्वर मंडल, मनीष कुमार सिंह, संगठन मंत्री अनुप लाल चौधरी, सह संगठन मंत्री धनंजय मिश्रा, कोषाध्यक्ष पीके सेन, कार्यालय मंत्री ओमनाथ प्रसाद, कार्यसमिति सदस्य मदन मुंडा, प्रेम प्रसाद, रंजीत खल्खो, खुशीलाल कुमार, रवि कुमार मेहता, सीता मंडल का मनोनयन किया गया। जबकि करमा परियोजना शाखा का भी गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष दिलीप कुमार करमाली, कार्यकारी अध्यक्ष ईश्वर दयाल महतो, उपाध्यक्ष नवीन कुमार, विनोद तिर्की, राजकुमार महतो, सचिव कैलाश कुमार महतो, सह सचिव ठाकुर मुंडा, कोषाध्यक्ष रोहित कुमार, कार्यालय मंत्री झरी मांझी का चयन किया गया। जबकि कई कार्यकारिणी सदस्य शामिल है। मनोनीत पदाधिकारियों ने संघ के प्रति पूरी ईमानदारी से कार्य करने की बात कही। मौके पर मधुसूदन सिंह, संजय सिंह, जेपी राणा, रणविजय सिंह, माया मेहता, मुकेश कुमार महतो, प्रेम प्रसाद, मन्नू महतो, मोहन महतो, अशोक सिंह, गोविंद महतो, विपिन सिंह, अशोक चौबे, ईश्वर दयाल महतो समेत कई संघ कार्यकर्ता शामिल रहे।

54वें संभागीय फुटबॉल मैच का समापन

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय रामगढ़ में आयोजित तीन दिवसीय 54वें संभागीय फुटबॉल मैच के तीसरे दिन सोमवार को यू-17 बालक वर्ग फाइनल केंद्रीय विद्यालय चक्रधरपुर और केंद्रीय विद्यालय नामकुम के मध्य खेला गया। जिसमें नामकुम की टीम ने केंद्रीय विद्यालय चक्रधरपुर की टीम को 3-0 से पराजित किया। तीसरे और चौथे स्थान के लिए मैच केंद्रीय विद्यालय मैथनडैम और केंद्रीय विद्यालय रामगढ़ कैंट के मध्य खेला गया। जिसमें मैथनडैम की टीम पेनाल्टी शूट से विजयी रही। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय रामगढ़ में सात विद्यालयों की टीम ने शिरकत की। सात टीमों को दो पुल में बांटा गया था। पहले दो दिन सभी टीमों के बीच लीग मैच हुआ। संभागीय फुटबॉल मैच रामगढ़ कैंट के एसआरसी और पीआरसी के मेजर ध्यानचंद व नंदलाल स्टेडियम में खेले गये।

सदर अस्पताल में 12 घंटे से पड़ा है शव नहीं हुआ पोस्टमार्टम, परिजनों में आक्रोश

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरा। सदर अस्पताल चतरा की व्यवस्था भगवान भरोसे है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता हैं कि पोस्टमार्टम हाउस में दो व्यक्ति का शव बीते 12 घंटे से पड़ी हुई है। एक शव इटखोरी के छोटन विश्वकर्मा पिता स्व महेश मिस्त्री का है तो दूसरी लाश मयुरहंड के परसौनी गांव निवासी सुरेश कुमार सिंह, पिता शिवशंकर सिंह की है। दोनों शव का पोस्टमार्टम नहीं किया जा सका है। जिससे परिजनों में आक्रोश व्याप्त है। वहीं बीते कल से रखी गयी लाश गर्मी के कारण डिटॉक्स होने लगी है। जिससे उसमें दुर्गंध आने लगा है। परिजनों का कहना है कि सुबह आठ बजे डॉक्टर आयेंगें और पोस्टमार्टम कर देंगे कि बात सुनते-सुनते साढ़े तीन बज चुका है। इसके बावजूद अब तक पोस्टमार्टम नहीं हुआ।

शारीरिक शिक्षा विभाग ने भव्य इंट्राम्यूरल समापन समारोह का आयोजन किया

छात्रों में टीम भावना और अनुशासन का अद्भुत प्रदर्शन: बीएन साह

यह आयोजन हमारे विवि की मजबूती और एकता का प्रतीक है: प्रियंका कुमारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। राधा गोविंद विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग शैक्षणिक सत्र 2024झ25 के विद्यार्थियों द्वारा इन्ट्राम्यूरल समापन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छह हाउस– मिल्खा सिंह हाउस, मेजर ध्यानचंद हाउस, सुभाष चंद्र बोस हाउस, भगत सिंह हाउस और बालिका वर्ग में रानी लक्ष्मीबाई हाउस और मदर टेरेसा हाउस ने भाग लिया। सभी हाउसों ने अद्भुत खेल भावना और उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया। छात्रों ने डम्बल ड्रिल, लेज़ियम ड्रिल, लाठी ड्रिल, एरोबिक्स और पिरामिड निर्माण जैसे अद्भुत कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यार्थियों की ऊर्जा, समन्वय और समर्पण देखने लायक था। प्रतियोगिता में कड़े मुकाबले के बाद, मिल्खा सिंह हाउस ने बालक वर्ग में विजेता का खिताब जीता, जबकि मेजर ध्यानचंद हाउस उपविजेता रहा। बालिका वर्ग में रानी लक्ष्मीबाई हाउस विजेता रहा और मदर टेरेसा हाउस उपविजेता घोषित हुआ। सफल आयोजन के पीछे विभाग के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट डॉ अमन वर्मा का भरपूर सहयोग और प्रोत्साहन रहा। धनेश्वर बीपी, जो इन्ट्राम्यूरल प्रभारी रहे। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। इसके अलावा प्रदीप कुमार, योतेंद्र मंडल और राजू साव के अथक प्रयासों ने कार्यक्रम को अत्यंत सुंदर और सफल बनाया। विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो (डॉ) रश्मि ने कार्यक्रम की प्रशंसा की और हार्दिक बधाई दी। कुलसचिव प्रो डॉ निर्मल कुमार मंडल ने कहा की इन्ट्राम्यूरल समापन समारोह 2024-25 को राधा गोविंद विश्वविद्यालय के खेल और सांस्कृतिक जीवन में एक सुनहरे अध्याय के रूप में हमेशा याद किया जायेगा। मौके पर विश्वविद्यालय के वित्त और लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो डॉ अशोक कुमार, प्रबंध समिति के सदस्य अजय कुमार, विभिन्न विभागों के व्याख्यागण और छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

भाकृअनुप- केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान
कटक-753006, ओड़िशा, भारत
ICAR-CENTRAL RICE RESEARCH INSTITUTE
CUTTACK-753 006, (ODISHA), INDIA
Phone: +91-671-2367757/67; EPBX: +91-671-2367768-783 Fax: +91-671-2367663
Email: director.nrri@icar.gov.in, hoa.nrri@icar.gov.in, URL: http://www.icar-nri.in

विज्ञापन संख्या / Advertisement No. 09/SRF/2025-26 दिनांक/Date: 29.04.2025

प्रत्यक्ष साक्षात्कार हेतु सूचना/Notice for Walk-In-Interview

प्रधान अन्वेषक, **ईएपी-200** योजना के तहत सभी योग्य उम्मीदवारों को एक (01) **सीनियर रिसर्च फ़ेलो** के चयन हेतु दिनांक **13.05.2024** को भाकृअनुप-कें.चा.अनु.सं., कटक, उड़ीसा में वॉक-इन-इंटरव्यू हेतु आमंत्रित करते है। अधिक जानकारी के लिए कृपया भाकृअनुप-कें.चा.अनु.सं., की वेबसाइट **https://icar-nrri.in/walk-in-interview** पर जाएं।

Principal Investigator of the project **EAP-200**, invites all the eligible candidates for Walk-in-Interview for the post of one (01) **Senior Research Fellow** on dated **13.05.2024** at ICAR-CRRI, Cuttack, Odisha. For further details please visit to ICAR-CRRI website: **https://icar-nrri.in/walk-in-interview.**

प्रधान अन्वेषक/Principal Investigator

चतरा में संविधान बचाओ रैली को लेकर कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने की बैठक

चतरा (आजाद सिपाही)। संविधान बचाओ रैली को लेकर सोमवार को जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार दूबे ने कांग्रेस जिला कार्यालय में जिला पदाधिकारियों व प्रखंड अध्यक्षों के साथ बैठक की। बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश की शासन व्यवस्था संविधान के अनुसार नहीं चल रही है। संविधान के प्रावधानों को कुचला जा रहा है। केंद्र सरकार संविधान में प्रदत शक्तियों के तहत लोगों को उनके हक और अधिकारों के प्रति बोलने की स्वतंत्रता को छीनने का प्रयास कर रही है। भाजपा सरकार दलित, आदिवासी और पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को खत्म करना चाहती है। छात्रों के भविष्य, युवाओं के सपने, महिलाओं के सम्मान और नागरिकों के आत्मसम्मान को कुचला जा रहा है। अपने अधिकारों के लिए सड़क पर उतरे लोगों की आवाज को नहीं सुना जा रहा है। कहा कि कांग्रेस पार्टी भाजपा सरकार की इस उद्देश्य को कभी पूरा नही होने देगी। इसीलिए तीन मई को पुराना विधान सभा मैदान धुर्वा रांची में संविधान बचाओ को लेकर विशाल रैली निकालने का निर्णय लिया है। चतरा से सैकड़ों लोग रैली में भाग लेंगे। कहा कि इस कार्यक्रम में यूथ कांग्रेस एवं एनएसयूआई के कार्यकर्ता बढ़-चढ़ कर भाग लेंगे। बैठक में उपाध्यक्ष रविंद्र कुमार सिंह, ओमप्रकाश पाठक, महासचिव प्रेम रंजन पासवान, राजवीर, नसरुद्दीन, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोती पासवान, गुलाम रसूल, आभा ओझा, पप्पू रजा, दिनेश यादव, रुस्तम अंसारी, लक्ष्मी गुप्ता, महेंद्र प्रसाद, दीपक कुमार, महावीर दांगी, अंकित कुमार, विकास सिंह, रवि गुप्ता, संतोष केशरी, नजमुद्दीन ख्वाजा, सत्येंद्र दास सहित अन्य शामिल थे।

आकांक्षी जिला- प्रखंड कार्यक्रम को लेकर बैठक

चतरा (आजाद सिपाही)। समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त रमेश घोलप की अध्यक्षता में आकांक्षी जिला/ प्रखंड कार्यक्रम अंतर्गत समीक्षात्मक बैठक की गयी। आकांक्षी जिला कार्यक्रम अंतर्गत नीति आयोग द्वारा निर्धारित इंडिकेटरों पर विस्तार से चर्चा की गयी। सभी विभागों से उनके कार्यों की प्रगति की क्रमवार जानकारी ली गयी और जिन क्षेत्रों में कार्य करने में समस्याएं या बाधाएं आ रही हैं, उसपर भी विस्तृत चर्चा हुई। उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि वे निर्धारित मानकों के अनुसार कार्यों में तेजी लाएं और आपसी समन्वय के साथ समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी विभागों को कहा जिले की उपलब्धियों का डेटा सम्बंधित अधिकारियों और कर्मियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए समय समय पर अपलोड करायें जिससे जिला का प्रदर्शन राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट रहे। बैठक में उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, शिशिर पंडित, दिनेश प्रसाद, जिला शिक्षा अधीक्षक, रीना साहू, निखत परवीन, प्रखंड विकास पदाधिकारी मयूरहंड, बीइओ, बीपीओ मयूरहंड, नीति आयोग क्षेत्र में कार्य कर रहे हर्षल, संजीत राय (गांधी फेलो, पिरामल फाउंडेशन), अक्षय सिंह और कर्मी उपस्थित थे।

कपड़े की दुकान में लगी आग

चतरा (आजाद सिपाही)। शहर के अव्वल मुहल्ला में स्थित शोमी ड्रेसेज नामक कपड़े की दूकान के गोदाम में शॉर्ट सर्किट से आग लग गयी। इस आगलगी की सूचना अग्निशमन विभाग को दी गयी। अग्निशमन की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

सड़क हादसे में तीन युवक घायल

हंटरगंज/चतरा(आजाद सिपाही) । चतरा मुख्य मार्ग स्थित डुमरी के समीप सोमवार को मोटरसाइकिल के चपेट में आने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया वहीं टक्कर मारने के बाद मोटरसाइकिल पलटने से मोटरसाइकिल पर सवार दोनों युवक भी घायल हो गए हैं घायल में ऊरैली गांव के सर्जन यादव का 28 वर्षीय पुत्र अजय यादव और कोठी थाना क्षेत्र के रियाद चक गांव निवासी वासुदेव दास का 20 वर्षीय पुत्र अनिल कुमार और इसी गांव का मो फिरोज शामिल है दोनों मोटरसाइकिल से चतरा से अपने घर कोठी जा रहे थे इसी दौरान डुमरी के पास सड़क पार कर रहे अजय यादव को अपने चपेट में ले लिया और तीनों घायल हो गए ग्रामीणों के सहयोग से तीनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया गया जहां सभी का इलाज चल रहा है अजय यादव और अनिल यादव के सर पर गंभीर चोट लगा हुआ है वही मो फिरोज को हलकी चोट आयी है।

दक्षिण पूर्व रेलवे-निविदा

निविदा सूचना सं.: इलेक्ट-ओटी-25-26-एसपीपी2-4, दिनांक 25.04.2025; भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (जी)/सांतरागाछी, दक्षिण पूर्व रेलवे, खड़गपुर मंडल द्वारा नीचे उल्लेखित विवरण के अनुसार **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के जरिए संबंधित पात्र ठेकेदारों से खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। इसके लिए संबंधित ठेकेदारों से **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर सिर्फ ऑनलाइन आवेदन करने का अनुरोध किया जाता है। इस निविदा के लिए ऑफलाइन निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। विवरण के लिए कृपया दस्तावेज अनुभाग में अपलोड किए गए निविदा दस्तावेज का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें। **कार्य का नाम:** सांतरागाछी-सांतरागाछी के क्षेत्राधिकार में सौर ऊर्जा संयंत्र की आपूर्ति, स्थापना एवं संरचना (चरण-2)। **निविदा मूल्य:** रु. 14,97,07,778.57; **ईएमडी/बोली सुरक्षा:** रु. 8,98,500; **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 19.05.2025 को पूर्वाह्न 11.00 बजे तक। निविदा सूचना, निविदा दस्तावेज एवं अन्य विवरण **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। (PR-86)

AFFIDAVIT

As per Affidavit Ref. No. 621 date 17.04.2025, I Alka Saw D/o- Haridas Saw, Aged About 18 years, by faith - hindu, by Nationality Indian, R/o Vill.- Terpa, P.o.- Terpa, P.S.- Patratu, Dist.- Ramgarh (Jharkhand) do hereby solemnly affirm and declare as follows :-
1. That my actual & Correct name is ALKA SAW which is mentioned in my Aadhar Card Bearing No. 8801 3725 3002, PAN Card Bearing No. TRHPS3624D & Educational Certificates.
2. That my name has been wrongly mentioned as ALKA KUMARI in my post office S.S.A Account.
3. That ALKA SAW & ALKA KUMRI both are name of same and single person i.e myself.
4. That i Sworn this affidavit rectify and mention my correct name ALKA SAW in place of my wrong Name ALKA KUMARI in my aforesaid post office S.S.A Account. 5. That this affidavit is required for knowledge of post office authority concern for doing need purpose. 6. that the above statement are true and correct to the best of my knowledge.

चीन की चाल

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने अपने बयान में पहलगाम के अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने की बात कही है, लेकिन स्टेटमेंट देखकर लगता है कि इससे बात नहीं बनेगी। दरअसल, जब तक स्थायी सदस्य के रूप में चीन आतंक को सहारा देने वाले पाकिस्तान को बचाता रहेगा, तब तक किसी तरह के बदलाव की उम्मीद करना बेमानी है।

कमजोर भाषा : पहलगाम पर यूएनएससी के बयान की भाषा बेहद कमजोर रही, 2019 के पुलवामा अटैक के बाद आये बयान से भी कमजोर। तब सभी देशों से भारत सरकार के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करने का आह्वान किया गया था। इस बार की अपील सभी संबंधित अधिकारियों के साथ सहयोग करने की है। भारत सरकार शब्द होने से पाकिस्तान पर ज्यादा दबाव पड़ता। लेकिन, उसे बचाने के लिए एक बार फिर चीन आगे आ गया।

दोहरा रवैया : आतंकवाद के मसले पर पाकिस्तान सुधर नहीं सकता, अतीत ने कम से कम इतना तो सिखा दिया है, लेकिन चीन का रवैया भी कम सवालों के घेरे में नहीं। दुर्भाग्य से उसकी आतंकवाद को लेकर कोई एक नीति नहीं है। पाकिस्तान में जब चीनी नागरिकों को निशाना बनाया जाता है, तब चीन को उसमें आतंकवाद नजर आता है, लेकिन मौका मिलने पर वह मसूद अजहर जैसे आतंकियों को बचाने से गुरेज नहीं करता।

भारत-चीन के रिश्ते उतार-चढ़ाव भरे रहे हैं और इसकी बुनियाद में सीमा विवाद है। पाकिस्तान को वह भारत को परेशान करने के टूल के रूप में इस्तेमाल करता आया है। हालांकि नयी दिल्ली को अब इस बारे में स्पष्ट बात करनी चाहिए।

वीगर मुस्लिमों का मसला : ऐसा नहीं है कि चीन मुस्लिमों का रहनुमा है। उसने अपने शिनच्यांग प्रांत को दुनिया की सबसे बड़ी जेल में तब्दील कर रखा है। चीनी संस्कृति का ज्ञान देने के नाम पर वीगर मुस्लिमों को डिटेंशन कैंपों में रखा जाता है। इसके खिलाफ कई मानवाधिकार संगठन आवाज उठा चुके हैं, लेकिन चीन का कहना है कि उसकी लड़ाई आतंकवाद और अलगाववाद के खिलाफ है। दुर्भाग्य से, बात जब भारत की आती है, तो आतंकवाद को लेकर पेइचिंग का नजरिया बदल जाता है।

कमजोर पड़ता पाकिस्तान : भारत-चीन के रिश्ते उतार-चढ़ाव भरे रहे हैं और इसकी बुनियाद में सीमा विवाद है। पाकिस्तान को वह भारत को परेशान करने के टूल के रूप में इस्तेमाल करता आया है। हालांकि नयी दिल्ली को अब इस बारे में स्पष्ट बात करनी चाहिए। एक तरफ कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर शुरू होने जा रही है, जो रिश्तों में बेहतरी दिखाती है और दूसरी ओर पाकिस्तान का बचाव - चीन दोहरी चाल नहीं चल सकता। पहलगाम की तटस्थ जांच के लिए पाकिस्तान का प्रस्ताव बताता है कि वह कमजोर और अलग-थलग पड़ रहा है। भारत के पक्ष को दुनिया बेहतर ढंग से समझ रही है। यही बात चीन को भी समझानी होगी।

अभिमत
आजाद सिपाही

भारत के अंदर भी वर्तमान समय में कई धर्मों की स्थिति नाजुक बनी हुई है। ऐसे धर्मों को मानने वालों पर इनसे संबंधित आलीशान धार्मिक स्थानों की गिनती में अनगिनत बढ़ोतरी हो रही है। मगर वे सारी स्वस्थ और मानवीय कदरें और कीमतें, जिनका समर्थन इन धर्मों का नेतृत्व करने वाले महापुरुषों और अन्य विद्वानों ने दिया था, विलुप्त होती जा रही है। यही कारण है कि किसी भी धार्मिक नेता या धार्मिक स्थान से ऐसी आवाज कम ही सुनाई पड़ती है कि जो भी व्यक्ति धर्म के नाम पर अन्य धर्मों के विरुद्ध नफरत फैलाता है या कोई विवाद उत्पन्न करने का प्रयत्न करता है, उसके साथ उनके धर्म का कोई संबंध नहीं है।

धार्मिक कट्टरता चाहे किसी भी रंग की हो, ठीक नहीं

मंगत राम पासला

धर्म के नाम पर फैलायी जा रही सांप्रदायिक नफरत का तूफान भारत की सभी गर्व करने योग्य परंपराओं की तबाही करती जा रही है। अल्पसंख्यक आबादी, विशेष तौर पर मुस्लिम भाईचारे के बारे में प्रचारित की जा रही झूठी और मनगढ़ंत कहानियों का बाजार गर्म है। इन भड़काऊ घोषणाओं और बयानबाजी पर कार्रवाइयां होने से ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे भारत के भीतर कोई बड़ा धर्म युद्ध लड़ा जा रहा है। अब तो इस तथ्य की पुष्टि भाजपा सांसद निशीकांत दुबे ने भी अपने बयान में कर दी है। बेशक इसका ठीकरा शीर्ष अदालत के माननीय मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना के सिर पर फोड़ा है। हिंदू धर्म के नाम पर विहिप नेता प्रवीण तोगड़िया ने देश में इसराइल जैसी व्यवस्था (जियोनिज्म) जिसके माध्यम से मुसलमानों और अल्पसंख्यक तथा विचारधारक विरोधियों का मुकम्मल तौर पर सफाया किया जा सके, लागू करने की वकालत कर दी है।

विश्व के अंदर किसी भी धर्म, पंथ या सामाजिक-राजनीतिक लहर के उदय का संबंध उस दौर की ठोस आर्थिक-सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों के साथ जुड़ा होता है। जनसाधारण को खत्म करने वाली लोकविरोधी नीतियों के कारण दरपेश मुश्किलों से छुटकारा हासिल करने के लिए किसी धर्म या पंथ का निर्माण किया जाता है। इसके बावजूद पीड़ित जनता आहिस्ता-आहिस्ता हर दौर की नयी प्रगतिशील धारा के साथ जुड़ी शुरू हो जाती है। कार्ल मार्क्स सहित विश्व भर के दार्शनिकों ने सामाजिक विकास के अंदर धर्म की ओर से निभायी जा रही इस भूमिका को बाखूबी अंकित किया है, परंतु मानव इतिहास इस तथ्य का गवाह भी है कि जैसे-जैसे प्रक्रिया तेज होती है वैसे ही समय के शासक, उनके हिमायती और सत्ता के साथ जुड़े स्वार्थी तत्व, लोगों की ओर से अपनाए जा रहे हर नये धर्म के बीच वाले मानवीय तत्वों को गिराने के लिए इस नयी निर्मित लहर को जुर्म के साथ दबाने का प्रयास करते हैं।

धार्मिक कट्टरता बेशक किसी भी रंग की हो अंत में समस्त मानवता के विनाश से ही खत्म होती है।

भारत के अंदर भी वर्तमान समय में कई धर्मों की स्थिति नाजुक बनी हुई है। ऐसे धर्मों को मानने वालों पर इनसे संबंधित आलीशान धार्मिक स्थानों की गिनती में अनगिनत बढ़ोतरी हो रही है। मगर वे सारी स्वस्थ और मानवीय कदरें और कीमतें, जिनका समर्थन इन धर्मों का नेतृत्व करने वाले महापुरुषों और अन्य विद्वानों ने दिया था, विलुप्त होती जा रही है। यही कारण है कि किसी भी धार्मिक नेता या धार्मिक स्थान से ऐसी आवाज कम ही सुनाई पड़ती है कि जो भी व्यक्ति धर्म के नाम पर अन्य धर्मों के विरुद्ध नफरत फैलाता है या कोई विवाद उत्पन्न करने का प्रयत्न करता है, उसके साथ उनके धर्म का कोई संबंध नहीं है।

हिंदू धर्म के ज्यादातर वर्तमान संतों-महंतों और धर्म के स्वयं-भू ठेकेदारों ने इस धर्म की मानवीय कल्याण की ऊंची और साफ परंपराओं पर विभिन्न धर्मों के मानने वाले लोगों के बीच प्रेम तथा सद्भावना मजबूत करने की महान शिक्षाओं को दर-किनार कर आम जनता को फिर से उसी अंधकारमय युग की ओर धकेलने की मुहिम छेड़ रखी है, जिसे हम सदियों पहले अलविदा कह आए थे। वैज्ञानिक सोच वाले आधुनिक युग के अंदर हिंदू धर्म का बोलबाला कायम करने के पर्दे के नीचे कुछ स्वार्थी लोगों ने उन्हें तर्कहीन बना कर विज्ञान विरोधी रास्तों पर चला दिया है।

यह तरीका अत्यंत शर्मनाक और दुखदायी है। पिछड़े विचारों का ऐसा प्रचार-प्रसार हिंदुओं की विशाल बहुगिनती के हितों के साथ उसी तरह का खिलवाड़ है, जैसा पाकिस्तान और अफगानिस्तान में वहां के मुस्लिम कट्टरपंथियों ने आम मुसलमान आबादी के हितों के साथ किया है। विशाल और सहनशीलता जैसे विचारों से लबरेज हिंदू धर्म के अनुयायियों को दूसरे धर्म के पैरोकारों, विशेष कर मुसलमानों और ईसाइयों के धार्मिक स्थल गिराने, इनके धार्मिक समागमों में खलल डालने और बिना किसी ठोस सबूत के प्रत्येक मुसलमान, ईसाई या राजनीतिक विचारधारक विरोधी के माथे पर 'देशद्रोही' का तगमा टांगने का अधिकार देना किस धर्म ग्रंथ में लिखा है। शीर्ष अदालत की ओर से धर्म निरपेक्षता और लोकतांत्रिक प्रणाली के हक में किये जाने वाले फैसलों पर टिप्पणियों का जैसे आरएसएस और भाजपा के नेताओं की ओर से मजाक उड़ाया जाता है। उससे यह स्पष्ट होता है कि संघ परिवार के भारतीय संविधान और अदालतों के प्रति सत्कार केवल दिखावा है। इस संविधान विरोधी मुहिम में अब तो देश के उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी कूद पड़े हैं।

मुसलमानों के बीच कई धार्मिक नेता अपने स्वार्थ के लिए भारतीय संविधान की खूबसूरत धाराओं की बजाय 'शरियत' की पालना करनी और करवानी ज्यादा लाजिमी समझते हैं। यह देखना काफी तकलीफदेय है कि मुस्लिम भाईचारे से संबंधित काफी लोग आज भी तर्क-वितर्क और संविधान-कानून की व्यवस्थाओं के मुकाबले कट्टरपंथी मुल्लाओं के फतवों को ज्यादा तरजीह देते हैं।

मुसलमानों के बीच कई धार्मिक नेता अपने स्वार्थ के लिए भारतीय संविधान की खूबसूरत धाराओं की बजाय 'शरियत' की पालना करनी और करवानी ज्यादा लाजिमी समझते हैं। यह देखना काफी तकलीफदेय है कि मुस्लिम भाईचारे से संबंधित काफी लोग आज भी तर्क-वितर्क और संविधान-कानून की व्यवस्थाओं के मुकाबले कट्टरपंथी मुल्लाओं के फतवों को ज्यादा तरजीह देते हैं। पश्चिम बंगाल में उठे साम्प्रदायिक तनाव के इस अंधेरे में एक रोशनी जगाने वाली घटना का घटना भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। यहां के मालदा जिले के किसी स्कूल में तीसरी श्रेणी में पढ़ने वाले 2 बच्चे सुलेमान शेख और संदीप साहा एक प्लेट में ही खाना खाते और मुस्कुराते नजर आये हैं। ऐसी है हमारी महान गंगा-जमुनी तहजीब की खूबसूरती। विभिन्न धर्मों के मानने वाले करोड़ों लोगों को भी अपने-अपने धार्मिक विश्वासों पर कायम रहते हुए धर्म की मानवीय शिक्षाओं और लोकहित रिवायतों की रक्षा करने के लिए अपने बनते फर्ज की अदायगी करनी होगी। धार्मिक कट्टरता बेशक किसी भी रंग की हो अंत में समस्त मानवता के विनाश से ही खत्म होती है।

कोल्हान की खबरें

जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 9 से 30 मई तक लगेगा समर कैंप

आजाद सिपाही संवाददाता

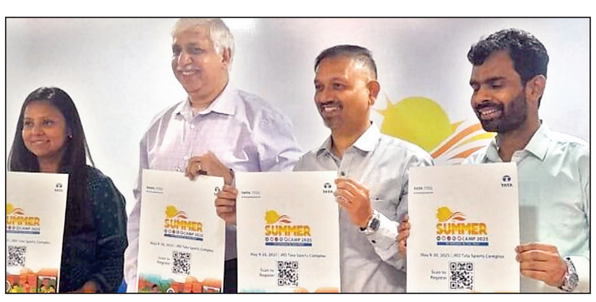

जमशेदपुर। टाटा स्टील खेल विभाग द्वारा बच्चों के लिए गर्मी छुट्टियों के अवसर पर एक बार फिर से भव्य समर कैंप का आयोजन किया जायेगा। सोमवार को प्रेसवार्ता के दौरान समर कैंप से जुड़ी विस्तृत जानकारी साझा की। टाटा स्टील खेल विभाग द्वारा आयोजित समर कैंप का मुख्य उद्देश्य बच्चों में स्वस्थ जीवनशैली और खेलों के प्रति रुचि को बढ़ावा देना है। जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आगामी 9 से 30 मई तक आयोजित समर कैंप में छह वर्ष से लेकर 18 वर्ष तक के बच्चे भाग ले सकते हैं। इसके अतिरिक्त, साढ़े चार वर्ष से ऊपर के छोटे बच्चों के लिए भी विशेष खेल गतिविधियों की व्यवस्था की गयी है। कैंप में प्रतिभागी बच्चों के लिए 19 प्रकार के खेलों के लिए प्रशिक्षित किया जायेगा। जिसमे जुंबा, स्वीमिंग, बैडमिंटन, क्रिकेट, गोल्फ, चेस, रोलर स्केटिंग, लॉन टेनिस, टेबल टेनिस, फुटबॉल, तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, हैंडबॉल, कराटे, वॉलीबॉल, योगा, घुड़सवारी, बास्केटबॉल शामिल है। साढ़े चार वर्ष से ऊपर के बच्चों के लिए रोलर स्केटिंग, जुंबा और योगा जैसी गतिविधियों का विशेष आयोजन होगा।समर कैंप में भाग लेने वाले इच्छुक बच्चों के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। टाटा स्टील के अधिकारियों ने सभी अभिभावकों से आग्रह किया वे बच्चों को इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करें ताकि वे खेल और फिटनेस की दुनिया से जुड़ सके।

दो हजार से अधिक मालवाहक गाडियां डिफाल्टर

सरायकेला (आजाद सिपाही)। खरसावां जिले में 2000 से अधिक मालवाहक गाडियां डिफाल्टर है। इनपर 3 करोड़ से अधिक रुपया का बकाया है। एक सप्ताह के अंदर बकाया राशि का भुगतान नहीं करने पर जिला परिवहन विभाग की ओर से उक्त सभी वाहनों के मालिकों पर कार्रवाई किया जायेगा। जानकारी देते हुए जिला परिवहन पदाधिकारी गिरजा शंकर महतो ने बताया कि जिला परिवहन कार्यालय में पंजीकृत 2009 मालवाहक गाडियां डिफॉल्टर हो चुकी हैं। इनका मार्ग कर कलबाधित हो चुका है। इन वाहनों पर 3 करोड़ 29 लाख रुपया बकाया है। रोड टैक्स का टाइम बॉन्ड समापत हो चुकी उक्त वाहनों में ट्रैक्टर और ट्रक सहित अन्य मालवाहक वाहन शामिल है।

ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल के लिपिक रिश्वत लेते गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

सरायकेला। सरायकेला-खरसावां जिले के ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल में कार्यरत लिपिक खेत्र मोहन महतो को एसीबी की टीम ने दस हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार लिपिक ने अपने ही विभाग में अनुकंपा पर नियुक्त कर्मी राहुल कुमार से उनके पिता के निधन के बाद ग्रुप बीमा राशि की निकासी के लिए रिश्वत की मांग की थी। राहुल कुमार ने इस अनैतिक मांग की शिकायत एसीबी जमशेदपुर से की थी। सोमवार को शिकायत की सत्यापन के बाद एसीबी की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया और जिला मुख्यालय के बाहर एक चाय दुकान पर लिपिक को रिश्वत लेते रंगे हाथ दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी लिपिक को कार्यालय लाकर रिश्वत में प्राप्त राशि की विधिवत गिनती करायी गयी। उसके बाद फिर उसे हिरासत में लेकर एसीबी मुख्यालय जमशेदपुर लाया गया। इस घटना के बाद जिला मुख्यालय में हड़कंप मच गया। कर्मचारियों के बीच भय का माहौल व्याप्त है। एसीबी के अनुसार भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

एनएसयू के प्लेसमेंट ड्राइव में फार्मेसी विभाग के 56 विद्यार्थियों का चयन

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। नेताजी सुभाष विश्वविद्यालय पोखरी में आयोजित प्लेसमेंट सत्र के दौरान फार्मेसी विभाग के कुल 56 विद्यार्थियों ने शानदार सफलता प्राप्त की। विश्वविद्यालय प्लेसमेंट अधिकारियों के अनुसार बैंगलुरु के एक प्रतिष्ठित मेडप्लस कंपनी ने इन विद्यार्थियों का चयन फार्मासिस्ट के पद पर किया है। चयनित विद्यार्थियों को औसतन 3 लाख रुपये वार्षिक वेतनमान प्रदान किया जायेगा। इसके अतिरिक्त मेडप्लस कंपनी में चयनित अभ्यर्थियों को निशुल्क बीबीए कोर्स की पढ़ाई और प्रशिक्षण प्राप्त करने का भी अवसर देगी। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद विद्यार्थियों की दक्षता और तकनीकी कौशल के आधार पर उनके वेतनमान में वृद्धि होगी। प्रारंभिक प्रशिक्षण कंपनी के कार्यालय में संपन्न होगा। उसके बाद आवश्यकता अनुसार देश के विभिन्न शहरों में नियुक्ति की जायेगी। विश्वविद्यालय के रोजगार प्रकोष्ठ के अधिकारियों ने बताया विद्यार्थियों को चयन प्रक्रिया में ऑनलाइन साक्षात्कार एवं एम्प्लॉय सलेक्शन टेस्ट के दौर से गुजरना पड़ा। सफल विद्यार्थियों को सभी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद औपचारिक ऑफर लेटर भी प्रदान किया गया। विद्यार्थियों की इस सफलता पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव नागेंद्र सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा यह हमारे विश्वविद्यालय के लिए अत्यंत गर्व का विषय है। विद्यार्थियों से आग्रह है वे उपलब्ध अवसरों का भरपूर लाभ उठाएं और नियमित रूप से साक्षात्कार सत्रों में भाग लें ।मौके पर उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन व संकाय सदस्यों का आभार व्यक्त की। जिन्होंने विद्यार्थियों के मार्गदर्शन में अपनी भूमिका निभा रहे। श्री सिंह ने कहा नेताजी सुभाष विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और करियर निर्माण के लिए सतत प्रयासरत है।

निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल निजी स्कूलों की अनियमितताओं के खिलाफ जिला शिक्षा कार्यालय के समक्ष जोरदार प्रदर्शन किया।

सोमवार को प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा पदाधिकारी मनोज कुमार से मुलाकात कर सात सूत्री मांग पत्र सौंपा। मौके पर जिलाध्यक्ष श्री दुबे ने बताया कांग्रेस पार्टी निजी स्कूल में फीस वसूली, ड्रेस एवं किताबों के अनिवार्य खरीद, बीपीएल छात्रों के साथ भेदभाव जैसी समस्याओं को लेकर अभियान की शुरूवात की है। आम लोगो की परेशानी को देखते हुए जिला शिक्षा अधीक्षक से शीघ्र कार्रवाई की मांग की गयी। शिक्षा पदाधिकारी ने मांगों को उचित बताते हुए सभी निजी स्कूलों के प्रबंधन के साथ शीघ्र बैठक कर सख्त कदम उठाने का आश्वासन दिया।

मंत्री हफीजुल अंसारी से मिले मंगल कालिंदी, मेगा लिफ्ट सिंचाई योजना लागू कराने के लिए की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी विधानसभा क्षेत्र की विकास और किसानों के हित में लगातार सक्रिय है। सोमवार को विधायक ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए रांची में राज्य के मंत्री हाफिजुल अंसारी से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान विधायक ने बोड़ाम और पटमदा क्षेत्र में सिंचाई सुविधा की सुदृढ़ीकरण के लिए मेगा लिफ्ट सिंचाई योजना लागू करने की मांग रखी। वार्ता के दौरान मंत्री को अवगत कराते हुए विधायक श्री कालिंदी ने कहा बोड़ाम और पटमदा क्षेत्र मुख्यतः कृषि आधारित क्षेत्र हैं। जहां किसानों की मुख्य समस्या सिंचाई सुविधा की कमी है। श्री कालिंदी ने कहा यदि सरकार मेगा लिफ्ट सिंचाई योजना लागू करती है तो पाइपलाइन के माध्यम से जल आपूर्ति कर खेती योग्य भूमि में सिंचाई संभव होगा।इसका लाभ सीधे क्षेत्र के किसानों को मिलेगा।

मंत्री ने दिया सकारात्मक आश्वासन : मंत्री हाफिजुल अंसारी ने विधायक की मांग को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र इस दिशा में पहल करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा किसानों की हित के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।इस प्रकार की योजनाओं के माध्यम से कृषि विकास को बढ़ावा मिलेगा। मौके पर विधायक मंगल कालिंदी ने विश्वास जताया जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र में यदि सरकार की योजना लागू होती है तो क्षेत्र के किसानों के लिए एक वरदान साबित होगा। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी और क्षेत्र के कृषि उत्पादन में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

विधायक का संकल्प : विधायक मंगल कालिंदी ने कहा जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास और किसानों के हितों की रक्षा करने के लिए सदैव प्रयासरत है और आगे भी रहेंगे। क्षेत्रवासियों से आह्वान है वे साथ मिलकर विकास के अभियान में सहयोग करें।

पीएम आवास योजना का सांसद और विधायक ने किया निरीक्षण, कार्य में तेजी लाने का दिया निर्देश

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। बिरसानगर में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत बन रहे मकानों का सांसद विद्युत वरण महतो और पूर्वी विधानसभा की विधायक पूर्णिमा साहू ने संयुक्त निरीक्षण किया। सोमवार को निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य के प्रगति की समीक्षा कर कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिए। सांसद श्री महतो ने निर्माण कार्य की धीमी गति पर चिंता जताते हुए डीसी से शीघ्र समीक्षा बैठक करने का आग्रह किया ।साथ ही पात्र लाभुकों की लोन प्रक्रिया को सरल बनाने की मांग की। उन्होंने कहा केंद्र सरकार हर जरूरतमंद को पक्का मकान उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। वही विधायक पूर्णिमा साहू ने बताया भाजपा सरकार के कार्यकाल में बिरसानगर में 9592 मकानों के निर्माण की स्वीकृति दी गयी थी। अब इस कार्य को जल्द पूर्ण करना आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान जेएनएसी, जुडको और निर्माण एजेंसी के अधिकारी, सांसद और विधायक प्रतिनिधि समेत स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे।

'कॉफी विद एसडीएम' में इस सप्ताह आमंत्रित हैं होटल संचालक

गढ़वा (आजाद सिपाही)। अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार द्वारा चलाये जा रहे सप्ताहिक संवाद कार्यक्रम 'कॉफी विद एसडीएम' को इस बार मंगलवार 29 अप्रैल को सुबह 11:00 बजे आयोजित किया जाना है। इस सप्ताह गढ़वा अनुमंडल क्षेत्र के सभी होटल व्यवसायियों को कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है। संजय कुमार ने बताया कि इस कार्यक्रम में होटल संचालन से जुड़े लोगों की समस्या समाधान और प्रशासनिक सहयोग को लेकर होगी खुली चर्चा होगी। उल्लेखनीय है कि पिछले 20 सप्ताह से उक्त संवाद कार्यक्रम नियमित रूप से चल रहा है। हर बार यह प्रोग्राम बुधवार को होता है, लेकिन अपरिहार्य कारण से इस बार यह कार्यक्रम मंगलवार को आयोजित किया जा रहा है। संजय कुमार ने अनुमंडल क्षेत्र के सभी इच्छुक होटल व्यवसायियों से अनुरोध किया है कि वे इस कार्यक्रम में सहभागिता हेतु मंगलवार 29 अप्रैल को अनुमंडल कार्यालय में अवश्य पधारें।

मझिआंव में 50 से अधिक अस्थाई संरचनाओं को किया गया ध्वस्त

चेतावनी के बाद भी रोड पर रखे हुए समान को नगर परिषद ने किया जब्त

एसडीएम ने खुद संभाला मोर्चा, सीओ और नगर परिषद की टीम रही मौजूद

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। पूर्व निर्धारित समय अनुसार सोमवार को सुबह 8:00 बजे से मझिआंव रोड पर अस्थाई अतिक्रमण हटाने को लेकर संयुक्त अभियान चलाया गया। अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार के निर्देश और मार्गदर्शन में चलाये गये इस अभियान का नेतृत्व सीओ सफी आलम ने किया। मौके पर नगर परिषद के अतिक्रमण विरोधी दस्ता ने अतिक्रमित संरचनाओं को ध्वस्त करने तथा जानबूझकर सड़क पर रखे सामान को जब्त करने की कार्रवाई की।

एसडीएम ने अपनी मौजूदगी में अभियान कराया शुरू : अभियान के शुरूआत में लगभग 1 घंटे तक सदर एसडीएम संजय कुमार ने स्वयं अतिक्रमण विरोधी अभियान का मोर्चा संभाला। उन्होंने इस दौरान अंचल तथा नगर परिषद की टीम को न केवल आवश्यक निर्देश दिये, बल्कि स्थानीय लोगों को भी समझाया कि वे सोमवार को हटाये जा रहे अतिक्रमण के स्थान पर दोबारा कब्जा न करें, सभी से अनुरोध किया गया कि वे सड़क के दोनों ओर निर्मित नाली के अंदर ही रहे।

अभियान के दौरान सड़क के दोनों और बनी बासंपल्ली या गुमटी आदि से बनी अस्थाई संरचनाओं को हटाया गया। जिन लोगों ने नाली के ऊपर स्थाई संरचनायें बना दी थी उनको भी बुलडोजर से तोड़ दिया गया। अभियान के दौरान सड़क पर कुछ सामान ऐसा भी मिला जो सड़क पर ही फैला हुआ था, जैसे मुर्गी रखने वाले दरबे, वेल्डिंग वर्क वाले दरवाजे, गेट, जाली आदि उनको नगर परिषद ने जब्त कर लिया। अभियान के दौरान दो ऐसी संरचनाओं को भी मौके पर ध्वस्त कर दिया गया जिन्हें जानबूझकर नाली को पार करते हुए रोड तक अवरोध किया गया था, इनमें एक ट्रैक्टर शोरूम तथा एक बीज भंडार द्वारा बनायी गयी स्थायी संरचनायें शामिल हैं।

एसडीएम संजय कुमार ने कहा कि अभी अंचल एवं नगर परिषद की टीम ने मझिआंव रोड को सुचारू करवा दिया गया है , किंतु अतिक्रमण मुक्त हुए रास्ते पर यदि दोबारा अतिक्रमण होता है तो इसकी जिम्मेदारी उस रोड पर गश्ती करने वाले पुलिसकर्मियों तथा उस क्षेत्र के नगर परिषद के टैक्स दारोगा की होगी। मौजूद रहे

इस दौरान अंचल अधिकारी सफी आलम, नगर प्रबंधक ओमकार यादव, टैक्स दरोगा राजकुमार सहित नगर परिषद के पूरे अतिक्रमण विरोधी दल के अलावा गढ़वा थाने के पुलिस बल की मौजूदगी रही।

गढ़वा में समाहरणालय संवर्ग के 18 प्रधान लिपिकों को मिला एमएसीपी का लाभ

तीन राजस्व उप निरीक्षक, एक चालक सहित पांच अनुसेवक को भी मिला लाभ

निष्ठापूर्वक समयबद्धता के साथ सरकारी कार्यों का निष्पादन करें कर्मचारी : उपायुक्त

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। उपायुक्त शेखर जमुआर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय स्क्रीनिंग समिति की बैठक में वर्ष 2004 में नियुक्त लिपिक संवर्ग के कर्मियों को 20 वर्षों की संतोषप्रद सेवा पूर्ण होने के फलस्वरूप 18 प्रधान लिपिकों को द्वितीय संशोधित सुनिश्चित वृति उन्यन योजना (एमएसीपी) वेतनमान 9300-34800, GP-4600, L-7, 44900-142400 का लाभ दिया गया। जिन कर्मियों को इनका लाभ दिया गया है उनमें जाफर इमाम फारूकी, प्रधान लिपिक, अंचल कार्यालय, रमकंडा/ प्रमोद कुमार पांडेय, प्रधान लिपिक, अंचल कार्यालय, सगमा/ अरविंद कुमार सिंह, प्रधान लिपिक, प्रखंड कार्यालय, डंडा/श्लोक कुमार सिंह, प्रधान लिपिक, अंचल कार्यालय, धुरकी/ आनंद कुमार सिंह आदि अन्य का नाम शामिल है। वहीं राजस्व उप निरीक्षक संवर्ग के कर्मियों को 10, 20 और 30 वर्षों की संतोषप्रद सेवा पूर्ण होने के फलस्वरूप कुल 03 राजस्व उप निरीक्षकों को भी प्रथम/द्वितीय/तृतीय एमएसीपी का लाभ दिया गया। अनुमंडल कार्यालय श्री बंशीधर नगर के चालक भरत प्रसाद का 20 वर्षों की संतोषप्रद सेवा पूर्ण होने के फलस्वरूप द्वितीय एमएसीपी का लाभ दिया गया। इसके साथ-साथ समाहरणालय संवर्ग के 05 अनुसेवक को भी इसका का लाभ दिया गया। मौके पर उपायुक्त ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि यह सरकार द्वारा समय-समय पर कर्मचारियों को मिलने वाला लाभ है। उन्होंने सभी कर्मचारियों से पूरी निष्ठा से सरकारी कार्यो का ससमय निष्पादन करने की बात कही।

बरवारी विद्यालय में शिक्षकों की कमी से पढ़ाई प्रभावित

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। प्रखंड अंतर्गत राजकीय प्राथमिक विद्यालय बरवारी मे अध्ययनरत 60 छात्र छात्राओं की शिक्षण एकमात्र सहायक अध्यापक के भरोसे संचालित कराया जा रहा है। जबकी दोनों सहायक अध्यापकों का प्रतिनियोजन शिक्षा विभाग द्वारा किये जाने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। विदित हो कि 21 जुलाई 2005 को उक्त विद्यालय में दो सहायक अध्यापक (पारा शिक्षक) विक्की वशिष्ट और बिंदु कुमारी का योगदान उक्त विद्यालय में हुआ था। कुछ दिनों के बाद सहायक अध्यापिका विंदु कुमारी का प्रतिनियोजन दूसरे विद्यालय में किया गया था। ग्रामीणों के भारी विरोध के बाद उन्हें मूल विद्यालय में वापस कर लिया गया था। 2023 से ही सहायक अध्यापक विक्की वशिष्ट का प्रतिनियोजन दूसरे पंचायत में कर दिया गया था। ग्रामीणों की मांग है कि हमारे विद्यालय में जब दो शिक्षक हैं हीं तो दूसरे विद्यालय से प्रतिनियोजित शिक्षक को क्यों भेजा जा रहा है। मूल विद्यालय के दोनों सहायक अध्यापक को मूल विद्यालय में भेजा जाय। समाजसेवी मनोज चंद्रवंशी, उमेश यादव विद्यालय के प्रबंधन समिति के अध्यक्ष गोरख कुमार यादव सहित कई ग्रामीणों का कहना है कि अगर शिक्षा विभाग दोनों का प्रतिनियोजन रदद् कर मूल विद्यालय नहीं भेजती है, तो हमलोग डीसी गढ़वा और शिक्षा सचिव रांची से मिलकर भवनाथपुर के शिक्षा विभाग में नियम को ताक पर रख कर हो रहे प्रतिनियोजन का विरोध करेंगे और जांच कराने का काम करेंगे। बीआरसी कार्यालय और बीईईओ की मिलीभगत से प्रखंड अंतर्गत कई और शिक्षकों को प्रतिनियोजन किया गया है। यहो तक कि दूसरे प्रखंड के शिक्षकों को भी भवनाथपुर प्रखंड के विद्यालयों में प्रतिनियोजन किया गया है, जो नियम के विरुद्ध है।

हेमंत सरकार में वृद्धा, विधवा विकलांग पेंशन तीन माह से बंद : रितेश चौबे

गढ़वा (आजाद सिपाही)। भाजपा जिला मिडिया प्रभारी रितेश चौबे ने झामुमो सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि हेमंत सरकार में वृद्धा विधवा विकलांग पेंशन पिछले तीन महीनों से बंद है। जनता त्राहिमाम कर रही है। उन्होंने कहा कि पेंशन से दवा भोजन वस्त्र की व्यवस्था कर पाने में जरुरतमंदों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गढ़वा सहित पूरे झारखंड में वृद्धा विधवा विकलांग पेंशन पर आश्रीत लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। जिसे पेंशन की अति आवश्यकता है। वे आफिस का चक्कर लगा लगाकर परेशान हो चुके हैं, लेकिन उनका सुनने वाला कोई नहीं है। पेंशन पर आश्रीत रहने वाले लोगों का जीवन पुरी तरह से अंधकारमय हो चुका है। लेकिन सत्ता में बैठी झामुमो सरकार को इससे मतलब नहीं रह गया है। झारखंड में जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। उन्होंने कहा कि वृद्धा विधवा विकलांग पेंशन एक हजार मात्र मिल रहा था वह भी महिनों से बंद है, जबकी मंईयां सम्मान के नाम पर 2500 रूपये बांटा गया। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार वृद्धा विधवा विकलांग पेंशन पांच हजार रूपये लागू करें और अविलंब राशि उपलब्ध कराया जाये।

पोक्सो एक्ट सहित अन्य कांडों में संलिप्त आठ वारंटी गिरफ्तार कर भेजे गये जेल

रंका (आजाद सिपाही)। रंका थाना प्रभारी चेतन कुमार सिंह के नेतृत्व में समकालीन अभियान के दौरान विभिन्न कांडों में संलिप्त आठ वारंटी को रंका थाना पुलिस ने गिरफ्तार न्यायालय में अग्रसारण हेतु सोमवार को गढ़वा जेल भेज दिया है।

जेसीबी से डोभा निर्माण कराये जाने पर उप विकास आयुक्त को दिया आवेदन

केतार (आजाद सिपाही)। प्रखंड के पाचाडूमर निवासी रविंद्र पासवान पिता बालधनी राम ने मनरेगा के तहत बनने वाला डोभा में जेसीबी मशीन से कार्य कराने के विरुद्ध उप विकास आयुक्त को आवेदन देकर करवाई की मांग किया है। आवेदन में जिक्र किया गया है कि ग्राम पाचाडूमर में रीना देवी के खेत में 6060 का मनरेगा योजना के तहत डोभा की स्वीकृति की गयी थी। जिसका योजना संख्या 3407003015/IF/7080903750377 है। शिकायतकर्ता ने आवेदन में जिक्र किया है की इस योजना में बिना कार्य किए फरवरी और मार्च माह में ही भुगतान कर दिया गया है। 16 अप्रैल 2025 तक किसी भी प्रकार की कोई कार्य योजना स्थल पर नहीं किया गया। आवेदनकर्ता ने उपविकास आयुक्त को आवेदन देकर मनरेगा योजना अंतर्गत दोनो डोभा निर्माण में जेसीबी मशीन द्वारा कार्य कराये जाने वाले संलिप्त पदाधिकारियों और लाभुक के विरुद्ध जांचोपरांत कार्रवाई करने की मांग किया है।

एसओएफ ओलंपियाड में ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल के बच्चों ने हासिल किये गोल्ड मेडल

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। नारायणपुर, टंडवा स्थित ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में एसओएफ ओलंपियाड (साइंस, मैथ्स और एसएसटी) के परीक्षा परिणाम घोषित होते हीं विद्यालय में खुशियों की लहर दौड़ गयी। आज उन सभी विजेताओं को विद्यालय की ओर से गोल्ड मेडल वितरित किया गया। साथ हीं अन्य विद्यार्थियों को अगले सत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित भी किया गया। सत्र 2024-25 में विद्यालय में एसओएफ ओलंपियाड की कई परीक्षायें ली गयी और हर बार यहां के विद्यार्थियों ने मेडल लाकर विद्यालय का नाम रौशन किया और विद्यालय का मान बढ़ाया।

इन टॉपरों की सूची इस प्रकार है : एसएसटी में प्रांजल सिंह कक्षा पांच, विज्ञान में अनमोल सोनी कक्षा तीन, अलीशा गौतम कक्षा चार, प्रांजल सिंह कक्षा पांच, कक्षा छः से अपेक्षा पटेल, आराध्य दुबे, अवल्या आनंद, कक्षा सात से ताहा अरशद, कक्षा आठ से शेख असीर हुसैन वही मैथ्स में कक्षा दो से श्रेयांश कुमार, कक्षा तीन से अनमोल सोनी, पंखुड़ी गुप्ता, आराध्य आनंद, कक्षा चार से अलीशा गौतम, प्रिंस रंजन सिंह, अंकित कुमार लकड़ा, कक्षा पांच से आयुष कुमार गुप्ता, प्रांजल सिंह एवं श्रेयांश ने बाजी मारी। इन सभी विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल अवार्ड से सम्मानित किया गया। मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षक एवं प्रबंधन समिति सदस्यों ने बच्चों को शुभकामनाएं और आशीष दी।

वज्रपात के चपेट में आने से अधेड़ की मौत

भंडरिया/गढ़वा (आजाद सिपाही)। रविवार शाम को बारिश के साथ हुई वज्रपात के चपेट में आने से भंडरिया निवासी राजमुनी मांझी उम्र 62 वर्ष की मौत हो गयी। वह पैदल खेत केयारी के रास्ते अपने घर जा रहे थे, इसी दौरान खैरदोहर के समीप वज्रपात हो गयी तथा वे उसके चपेट में आ गये तथा वे वहीं गिर गये। रास्ते से गुजर रहे लोगों की नजर इन पर पड़ी तो तत्काल इसकी सूचना इनके स्वजनों को दिया गया। आनन फानन में परिजनों के द्वारा तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भंडरिया लाया गया, जहां चिकित्सकों के द्वारा इन्हें मृत घोषित कर दिया गया। सूचना पर भंडरिया पुलिस ने शव को अपने कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गढ़वा भेज दिया है। जानकारी होने पर भंडरिया पंचायत के पंचायत सचिव मोजेश किस्पोट्टा और मुखिया विनय कुमार सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग मृतक घर पहुंचे तथा शौकाकुल परिजनों को ढाढंस बंधाते हुए सरकारी प्रक्रिया तहत मिलने वाले मुआवजे की राशी दिलवाने का आश्वासन दिया। इस मौके पर उपस्थित उप प्रमुख पति संतोष कुमार बर्मा, समाज सेवी संजय केसरी, मुन्ना ओझा साहित काफी सख्या लोग उपस्थित थे।

मझिगावां में आकाशीय बिजली गिरने से एक मजदूर झुलसा

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। रविवार की शाम खरौंधी प्रखंड के मझिगावां गांव में कूप निर्माण कार्य के दौरान मजदूर बिनोद राम पर आकाशीय बिजली गिरने से वह गंभीर रूप से झुलस गया। घटना उस समय घटी जब आधा दर्जन मजदूर कूप से मिट्टी निकालने का कार्य कर रहे थे। ग्रामीणों ने बताया कि बारिश शुरू होते ही तेज गरज और चमक के साथ बिजली गिरी थी, जिसकी चपेट में आकर बिनोद राम झुलस गये।

सफलता पाने के लिए मेहनत, धैर्य और समर्पण की होती है आवश्यकताः छाया

शांति निवास हाई स्कूल में यूपीएससी क्वालीफाई छाया को किया गया सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। शांति निवास हाई स्कूल परिवार ने अपने विद्यालय की छात्रा रह चुकी छाया कुमारी द्वारा यू पी एस सी की परीक्षा उत्तीर्ण करने के उपलक्ष्य में सोमवार को विद्यालय परिसर में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि शांति निवास हाई स्कूल की पूर्ववर्ती छात्रा छाया कुमारी ने कहा कि 14 वर्षों के बाद एक बार फिर से मैं अपनी स्कूल पहुंची हूं। स्कूल में आकर अच्छा लग रहा है। यहां आने के बाद कई यादें उसके दिलों दिमाग में ताजा हो गयी। विद्यालय के शिक्षकों ने जो मार्गदर्शन दिया, उस मार्गदर्शन और मेहनत की बदौलत अपने सपने को पूरा करने में सफल रही। आज अपने गुरुजन से सम्मान पाकर अभिभूत हूं।

छाया कुमारी ने कहा कि सफलता पाने के लिए सभी लोगों को तीन बातें क्रमशः मेहनत, धैर्य एवं समर्पण पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है। जब हम किसी लक्ष्य के लिए संघर्ष करते हैं तो हमें याद रखना चाहिए कि हमारा आत्मविश्वास और मेहनत ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। हमने यूपीएससी की परीक्षा पांचवीं बार में सफलता हासिल की है। चार बार हमें असफलता मिली थी। परंतु हमने असफलता से घबराई नहीं और अपने लक्ष्य पाने के लिए कड़ी मेहनत करती रहीत्र जिसका परिणाम हुआ कि हमने अपनी मम्मी-पापा के सपनों को पूरा करने में सफल रही। सदर एसडीओ संजय कुमार पांडेय ने कहा कि शांति निवास विद्यालय अपने नाम के अनुरूप हर समय, हर पल बिना आवाज के बच्चों की सफलता के लिए काम कर रही है। विद्यालय के संघर्षों का परिणाम है की विद्यालय से दो-दो बच्चे यूपीएससी के परीक्षा में सफलता अर्जित किये हैं। जिला पब्लिक स्कूल सामने समिति के अध्यक्ष अलखनाथ पांडेय ने कहा कि छाया कुमारी ने सफलता हासिल कर पूरे भारत के मानचित्र पर गढ़वा को लाने का काम किया है। नम्रता कुमारी के बाद छाया कुमारी ने यूपीएससी परीक्षा में सफलता हासिल कर स्कूल और गढ़वा को मान सम्मान बढ़ाने का काम किया है। इस मौके पर छाया कुमारी के पता पिता सुनील दुबे, विनोद पाल, सिस्टर लिंडा थॉमस, सिस्टर करुणा दरमन, सिकंदर खान, ओम प्रकाश शर्मा, प्रिंस पांडेय, राम विनय तिवारी, प्रेमचंद सहित विद्यालय के सभी शिक्षक और बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित थे।

बीएनटी संत मैरी स्कूल ने छाया कुमारी को किया सम्मानित

गढ़वा (आजाद सिपाही)। यूपीएससी उत्तीर्ण छाया कुमारी को विद्यालय प्रबंधन के विशेष आमंत्रण पर विद्यालय के प्रार्थना सभा में उपस्थित हुई। जिन्हें देश के सर्वोच्च प्रतियोगिता परीक्षा में विशिष्ट उपलब्धि पर विद्यालय परिवार के द्वारा सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य अमित कुमार तिवारी ने पुष्पगुच्छ, विद्यालय- स्मृति चिन्ह एवं अन्य उपहार प्रदान कर उन्हे सम्मानित किया। मौके पर बोलते हुए छाया ने कहा कि मार्ग में कठिनाइयां और असफलताएं तो आती ही हैं, लेकिन विषम परिस्थितियों में उन परिस्थितियों से भी जूझने के लिए प्रयत्नशील रहें। इस अवसर पर छाया कुमारी से मिलकर छात्र-छात्राओं में उत्साह देखने को मिला।

प्रतिभा किसी संसाधन की मोहताज नहीं होती : प्रखंड प्रमुख

मेराल (आजाद सिपाही)। प्रतिभा किसी संसाधन की मोहताज नहीं होती, आत्म अनुशासन के साथ कड़ी मेहनत कर सर्वोच्च लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उक्त बातें सोमवार को प्रखंड सभागार में यूपीएससी 2024 की परीक्षा में 530वां रैंक लाकर अपनी सफलता का परचम लहराने वाली प्रखंड के अकलवानी गांव की छाया कुमारी के सम्मान समारोह में उद्गार व्यक्त करते हुए प्रखंड प्रमुख दीपमाला कुमारी ने कही। इस अवसर पर प्रखंड कर्मियों तथा पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा छाया कुमारी तथा उनके पिता सुनील दुबे को अंग वस्त्र, फूल माला तथा गुलदस्ता देकर सम्मानित किया गया। छाया ने सभी अभिभावकों से अपने बच्चों, खासकर बच्चियों को उनके थीम के अनुसार पढ़ाई में हर संभव सहयोग करने का अनुरोध किया। सम्मान समारोह में मुख्य रूप से प्रखंड नजीर सुनील कुमार, प्रधान सहायक मुरारी मिश्रा, राजेश बैठा सहित बड़ी संख्या में लोग थे।

Jharkhand Industrial Area Development Authority (JIADA)
(A Govt. of Jharkhand Undertaking)
Regd. Off: 3rd floor, JIADA building, Namkum Industrial Estate, Namkum, Ranchi, Jharkhand – 834010
E-mail-mdjiada@gmail.com, web-jiada.co.in

Letter No.449 Date-28.04.2025

NOTICE INVITING TENDER

Ref. No. – JIADA Ranchi Region /02/2025-26

JIADA invites separate Technical & Financial Bids through from eligible and interested contractors registered in appropriate class for Supply & Installation of Electrical Equipment Associated with Street Lighting in Tupudana Industrial Area of JIADA, Ranchi Region. Interested eligible bidders are requested to submit their proposal through latest by 3.00 PM on 21.05.2025

The details of Tender Document can also be seen (read only purpose) from departmental website http://Jiada.co.in.

Sd/-
Executive Engineer
JIADA, Ranchi

PR 351229 RIADA (JIADA) (25-26)_D

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
लघु सिंचाई प्रमंडल, रामगढ़

Annexure 1

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई0 निविदा संख्या–WRD/MID/RAMGARH F2 - 01/2025-26 (2nd Call)

दिनांक– 28.04.2025

1 योजना का नाम — DMFT न्यास परिषद् एवं DMFT प्रबंधकीय समिति से अनुमोदन के द्वारा स्वीकृत योजनाएँ
2 विज्ञापन दाता का नाम — कार्यपालक अभियन्ता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, रामगढ़।
3 ई0 निविदा वेबसाईट पर प्रकाशित करने की तिथि — 30.04.2025 2:00 बजे अपराह्न
4 ई0 निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय — 06.05.2025 5:00 बजे अपराह्न
5 ई0 निविदा खुलने की तिथि एवं समय — 08.05.2025 2:00 बजे अपराह्न
6 (क) निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम एवं पता — कार्यपालक अभियन्ता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, रामगढ़।
(ख) निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का फोन नं0/ई–मेल — मो0–8292457160 eemidramgarh24408@gmail.com

क्र०	प्रखण्ड	ग्राम / पंचायत	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू०)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
9	दुलमी	जामसिंह	जामसिंह श्मशान घाट में शेड निर्माण।	7,94,100.00	1,250.00	05 (पाँच) माह

नोट– केवल ई0 निविदा ही स्वीकार की जायेगी
प्रकाशित निविदा के प्राक्कलित राशि में घट बढ़ सकती है।
विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट– Jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियन्ता,
लघु सिंचाई प्रमण्डल, रामगढ़

PR 351269 Minor Irrigation (25-26)_D

कार्यालय:- जिला सहकारिता पदाधिकारी, हजारीबाग

कार्यालयः– जिला सहकारिता पदाधिकारी, हजारीबाग।कृषक बन्धुओं के लिए अति आवश्यक सूचना पैक्स (MPCS) में सदस्यता वृद्धि अभियान

निबंधक, सहयोग समितियाँ, झारखण्ड, राँची के पत्रांक–825(6), दिनांक–22.04.2025 द्वारा दिये गये निदेशानुसार दिनांक–25.04.2025 से 24.05.2025 तक हजारीबाग जिलान्तर्गत सभी पैक्सों/MPCS (बहुउद्दे ीय प्राथमिक सहकारी समिति लि0) में सदस्यता वृद्धि अभियान चलाया जा रहा है।

अतः जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अपने नजदीकी पंचायत स्थित पैक्स में जाकर पैक्स की सदस्यता नियमानुसार ग्रहण करें।

पैक्स (MPCS) की सदस्यता हेतु आर्हता–
- प्रत्येक परिवार से केवल एक ही पुरूष अथवा महिला सदस्य बन सकता है।
- सदस्यता शुल्क 10/- रू0
- भोयरमनी (1) 100/- रू0
- आधार कार्ड की छायाप्रति
- पैक्स (MPCS) की उपविधि के अनुसार पैक्स (MPCS) की सदस्यता प्राप्त करने हेतु अन्य अर्हता आवश्यक।

पैक्स (MPCS) द्वारा दी जाने वाली सुविधाएँ
- उर्वरक एवं बीज उपलब्धता।
- न्युन्तम मूल्य पर धन अधिप्राप्ति संबंधी सुविधा
- पैक्स (MPCS) द्वारा सी0एस0सी0 सेंटर के रूप में कार्य करना।
- जमावृद्धि योजना का संचालन।
- प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केन्द्र के रूप में कार्य हेतु अधिकृत।
- जन औषधि केन्द्र के रूप में कार्य हेतु अधिकृत।
- कई पैक्सो (MPCS) द्वारा व्यवसायिक गतिविधि का संचालन।
- सभी पैक्सों (MPCS) को कम्प्युटीकृत किया जा रहा है।
- अन्य सुविधाएँ।

➢ आपके नजदीकी पैक्स (MPCS) में सदस्यता फार्म निशुल्क उपलब्ध है।
➢ किसी भी प्रकार की कठिनाई होने पर अपने प्रखण्ड के पैक्स (MPCS) अध्यक्ष/प्रबंधक/प्रखण्ड के सहकारिता प्रसार पदाधिकारी/वरीय अंकेक्षण पदाधिकारी/सहायक निबंधक, सहयोग समितियाँ, हजारीबाग अंचल हजारीबाग/जिला सहकारिता पदाधिकारी हजारीबाग से सम्पर्क किया जा सकता है।

निवेदक
जिला सहकारिता पदाधिकारी, हजारीबाग।

PR.NO.351276 Co-opretive(25-26):D

लातेहार को स्वच्छ और सुंदर बनाने में लोगों का सहयोग जरूरी : डीसी

उदयपुरा ग्राम में एसएलआरएम केंद्र का किया गया शुभारंभ

आजाद सिपाही संवाददाता

लातेहार। लातेहार सॉलिड एवं लिक्विड रिसोर्स मैनेजमेंट (एसएलआरएम) के तहत क्लीन एंड ग्रीन लातेहार मिशन के सफल क्रियान्वयन हेतु लातेहार प्रखंड अंतर्गत जालिम खुर्द पंचायत के उदयपुरा ग्राम में एसएलआरएम (द्वितीयक पृथक्करण) केंद्र का शुभारंभ उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता, भारतीय हरित सेवा के परियोजना निदेशक, सलाहकार सी श्रीनिवासन, मुखिया सुनीता देवी एवं एसएचजी की दीदियों के द्वारा फीता काटकर किया गया।

उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि लातेहार को स्वच्छ और सुंदर बनाने में आप सभी जिलावासियों का सहयोग अपेक्षित है ताकि जिले को मॉडल जिला बनाया जा सके। आगे उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि उदयपुरा गांव में द्वितीयक पृथक्करण एसएलआरएम केंद्र का शुभारंभ किया जा रहा है। जिसमें प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी जलसहिया, सखी मंडल की दीदियों के द्वारा डोर टू डोर जाकर ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन के बारे में जागरूक किया जायेगा तथा सूखे और गीले कचड़े को अलग अलग डस्टबिन में रखने हेतु प्रेरित किया जायेगा। साथ ही जल सहिया, स्वयं सहायता समूह की दीदियों के द्वारा डोर टू डोर कचरे को एकत्र किया जायेगा। जिसके उपरांत द्वितीयक पृथक्करण केंद्र पर एकत्रित कचरे का वैज्ञानिक ढंग से पृथक्करण किया जायेगा। इसका उद्देश्य है जो भी जैविक और अजैविक कचरा प्रबंधन है दोनो के प्रबंधन के ऊपर कार्य किया जायेगा। इस पहल से न केवल जिले को कचरा मुक्त और पर्यावरण अनुकूल बनाना है बल्कि महिला सशक्तिकरण और आजीविका संवर्धन की दिशा में काम करना भी है।

इस दौरान उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता, भारतीय हरित सेवा के परियोजना निदेशक, सी श्रीनिवासन एवं मुखिया सुनीता देवी के द्वारा एसएचजी दीदियों के बीच डस्टबिन, झाड़ू एवं सफाई उपकरण एवं ठोस व तरल अपशिष्ट प्रबंधन के लिए ट्राई साइकिल का वितरण किया गया।

मौके पर जिला परियोजना निर्देशक प्रवीण कुमार गगरई, कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत राजीव रंजन, गोपनीय प्रभारी श्रेयांश, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार तिवारी, अंचल अधिकारी अन्य संबंधित एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थें।

जिला समन्वय समिति की बैठक

लातेहार (आजाद सिपाही)। लातेहार उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिला समन्वय समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान जिले में चल रही कल्याणकारी योजनाओं छात्रवृत्ति और पोशाक योजना, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, पीएम-जनमन, सड़क निर्माण, मनरेगा के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं के संचालन, ग्रामीण कार्य विभाग, विद्युत आपूर्ति विभाग समेत अन्य विभागों से संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं की विस्तृत समीक्षा की गयी। उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को आपस में समन्वय स्थापित करते हुए योजनाओं का सफल क्रियान्वयन करने में आ रही बाधाओं को दूर करते हुए योजना का क्रियान्वयन करते हुए विकास के कार्यों को गति प्रदान करने की बात कही।

जनता दरबार में प्रकाश राम ने सुनी समस्या, शीघ्र समाधान का दिया भरोसा

मुकेश कुमार सिंह

चंदवा (आजाद सिपाही)। चंदवा प्रखंड कार्यालय के सभागार में जनता दरबार का आयोजन किया, जिसमें लातेहार विधायक ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना। इस बैठक में प्रखंड के बीडीओ व सीओ के साथ ब्लॉक व अंचल के सभी कर्मी मौजूद थे। साथ ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। विधायक ने बताया कि जनता दरबार आयोजित करने का उद्देश्य क्षेत्र में व्याप्त समस्याओं को सुनना और उनका शीघ्र समाधान सुनिश्चित करना है। जनता दरबार में ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं को विधायक के समक्ष रखा। इसके अलावे समस्याओं में मुख्य रूप से जमीन संबंधी मामलों बहुत अधिक आये। सभी पेंडिंग कार्यों को संबंधित पदाधिकारियों को जल्द पुरा करने का निर्देश दिया। इसके अलावे पानी, बिजली, राशन, मंईयां योजना, पेंशन और मनरेगा से संबंधित मुद्दे सामने आये। ग्रामीणों की बातों को गंभीरता से सुनते हुए विधायक प्रकाश राम ने सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान करने का आश्वासन दिया। उन्होंने अधिकारियों को किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने की सख्त हिदायत दी। विधायक प्रकाश राम ने कहा कि जनता की समस्याओ का समाधान हमारी प्राथमिकता हैं। हमारा उद्देश्य है कि हर व्यक्ति को सरकार की योजनाओं का लाभ समय पर और पारदर्शी तरीके से मिले और जनता का कार्य का निदान हो। इस अवसर पर उप प्रमुख अश्विनी मिश्रा, पूर्व प्रमुख नवाहिर उरांव के साथ भाजपा मंडल अध्यक्ष अमित कुमार गुप्ता, पूर्व मंडल अध्यक्ष राजकुमार पाठक, विजय कुमार दुबे, आदर्श रविराज समेत कई लोग मौजूद थे।

धीरज प्रसाद साहू पहुंचे पाखर माइंस मजदूरों की समस्याओं से हुए अवगत

जबतक जिंदा हूं, तब तक मजदूरों के हित के लिए लड़ता रहूंगा : धीरज साहू

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। जिला के पाखर बॉक्साइट माइंस में छोटानागपुर बॉक्साइड एंड कोल वर्कर्स यूनियन का बैठक रखी गयी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू सह महासचिव छोटानागपुर बॉक्साइड एंड कोल वर्कर्स यूनियन लोहरदगा (झारखंड) शामिल हुए। कार्यक्रम में मजदूरों के द्वारा धीरज प्रसाद साहू का स्वागत मांदर के थाप एवं फूल माला के साथ किया गया। इस मौके पर मजदूरों ने धीरज प्रसाद साहू से अनेकों समस्याओं से अवगत कराये जिसमें मुख्यः रूप से रोजगार, जमीन एवं मजदूरी के साथ ही एक दिन की छुट्टी को लेकर समस्या थी। मौके पर धीरज प्रसाद साहू ने कहा कि जब तक जिंदा हूं तब तक मैं मजदूरों, बेसहारा, गरीब लोगों की समस्या के लिए हमेशा लड़ता रहूंगा। हमारे अभिभावकों का कार्य सेवा करना था उसे आगे बढाना हैं और लोगों का सेवा मेरा कार्य हैं। प्राथमिकता के आधार में हर वो कार्य जो मजदूर हित के लिए हो वो की जायेगी। इस मौके सैकड़ों के संख्या में आजसू पार्टी के बाबूलाल नगेशिया, श्रमिक संघ के जिला अध्यक्ष यूनियन छोड़ छोटानागपुर बॉक्साइट एंड कोल वर्कर्स यूनियन का दामन धीरज प्रसाद साहू के समक्ष संगठन में शामिल हुए। मौके पर मजदूरों ने एक स्वर में कहा कि धीरज प्रसाद साहू मजदूर, गरीब, बेसहारों का सहारा है जिनका कार्य सिर्फ लोगों का सेवा करना है। हम सभी धीरज प्रसाद साहू के इंटक यूनियन के साथ में है। इसके साथ ही आगामी 8 मई को किस्को में आयोजित छोटानागपुर बॉक्साइड एंड कोल वर्कर्स यूनियन का महाधिवेशन का सफल आयोजन के लिए कार्यक्रम में भाग लेने की रणनीति बनायी गयी। कहा कि 8 मई को ऐतिहासिक महाधिवेशन कार्यक्रम होगी। मौके पर मुख्य रूप से उपस्थित विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल, कार्यकारी यूनियन अध्यक्ष सोहराब अंसारी, किस्को 20सूत्री अध्यक्ष सामुल अंसारी, तनवीर गौहर के साथ काफी संख्या में मजदूर उपस्थित थे।

बिमरला बॉक्साइड माइंस में चलने वाले ट्रकों को पिछले 3 महीने में चौथी बार रोका गया

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। बिमरला बॉक्साइड माइंस में चलने वाले 128 ट्रक को पिछले 3 महीने में चौथी बार कुछ लोगों के द्वारा रोका गया। पुनः विमरला के सभी ट्रक को जबरदस्ती रोक दिया गया। जिसके कारण सवेरे 3:00 बजे से शाम तक ड्राइवर, खलासी भूखे रहे। इस पर ट्रक ओनर एसोसिएशन ने घाघरा पुलिस प्रशासन एवं अंचलाधिकारी एवं गुमला एसडीओ (अनुमंडल पदाधिकारी) से भी बात की। उसके बाद भी ट्रकों का परिचालन प्रशासन द्वारा शुरू नहीं कराया गया। इस पर एसोसिएशन का साफ कहना है कि सड़क जाम करके गाड़ियों को सड़क पर रोक कर रखने की अनुमति किसने दी हैं? इस संबंध मे संरक्षक सह पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू को भी अवगत कराया गया। लेकिन प्रशासन के द्वारा अभी तक विमरला रोड को नहीं खुलवाने के विरोध में एसोसिएशन ने विभिन्न माइंसों से आ रहे बॉक्साइट लोडेड लगभग 1000 ट्रकों को सड़क के किनारे खड़ा कर दिया है।

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष बने सुरेश चंद्र अग्रवाल

लोहरदगा जिला मारवाड़ी सम्मेलन ने दी बधाई

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल के अध्यक्ष बनने पर लोहरदगा जिला मारवाड़ी सम्मेलन ने उन्हें बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष पद के लिए दो उम्मीदवार खड़े हुए थे। बसंत मित्तल एवं सुरेश चंद्र अग्रवाल जिसमे बसंत मित्तल को 499 वोट से पराजित कर सुरेश चंद्र अग्रवाल अध्यक्ष पद के लिए विजय हुए। झारखंड प्रांत में 5150 मतदाता है इसमें 80 प्रतिशत मतदान हुआ था। लोहरदगा जिला मारवाड़ी सम्मेलन के जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ ने कहा कि सुरेश चंद्र अग्रवाल बहुत ही अनुभवी एवं शांत स्वभाव के व्यक्ति हैं और ये कई सामाजिक एवं व्यापारिक संस्था से जुड़े हुए हैं। वर्तमान में रांची शहरी क्षेत्र के दो स्थानों पर पिछले दो वर्षों से प्रत्येक दिन अन्नपूर्णा सेवा केंद्र मात्र 10 रुपयं में भरपेट भोजन की व्यवस्था चला रहे हैं जिसमें की प्रत्येक दिन लगभग 700 से लेकर 800 लोग भोजन कर लाभान्वित हो रहे हैं। ये अपने कार्यकाल पर हर एक सामाजिक कार्य करते हुए झारखंड प्रांत के समाज का नाम पूरे देश में रौशन करेंगे। इनके नेतृत्व में अपना मारवाड़ी समाज सशक्त और सुदृढ़ होकर निखरेगा। बधाई एवं शुभकामनाएं देने वालों में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य शिवप्रसाद राजगढ़िया, जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ, सीताराम सर्राफ, पवन पोद्दार, पवन सर्राफ, राम प्रकाश मोदी, राकेश शर्मा, निखिल सर्राफ, किशोर बंका, मनीष राजगढ़िया,निशांत सर्राफ, अवधेश मित्तल कन्हैया राजगढ़िया, शुभम शर्मा, राजू रंजन अग्रवाल, चंदन गोयल, अशोक अग्रवाल आदि शामिल है।

हनुमान मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर निकली कलश यात्रा

सेन्हा/ लोहरदगा (आजाद सिपाही)। एकागुड़ी ग्राम में कलश यात्रा के साथ नवनिर्मित हनुमान मंदिर का तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम सोमवार को धार्मिक उल्लास के साथ सनातनी श्रद्धालुओ के सहयोग से प्रारंभ हुआ। नव निर्मित हनुमान मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम सेन्हा प्रखंड क्षेत्र के चितरी डांडू पंचायत अंतर्गत हनुमान नगर एकागुड़ी में आयोजित किया गया। वहीं प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के पहले दिन भव्य कलश यात्रा निकाली गयी। जिसमें 101 कन्या और 100 महिलाओं ने कलश यात्रा में भाग लिया। जबकि सैकड़ों की संख्या में भक्त शामिल हुए। कोयल नदी मेढो से विधि-विधान के साथ जल उठा कर कलश यात्रा शुरू हुई। कलश यात्रा के दौरान जय श्रीराम और जय बजरंग बली के उद्घोष से गाजे-बाजे के साथ कलश में जल भर कर भक्त कन्याएं और महिला मंदिर परिसर पहुंचे। वहीं पुरोहित पंकज पाठक द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ उनके मार्गदर्शन में विधिपूर्वक वेदी और पंचांग पूजन तथा भगवान महावीर का अधिवास जैसे धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ. समिति के अध्यक्ष श्याकिशोर साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीणों के सहयोग और समर्पण से मंदिर निर्माण कार्य पूर्ण हुआ है। जिसका प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम सोमवार से प्रारंभ हो गया। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दूसरे दिन मंगलवार को नगर भ्रमण, वेदी पूजन होगा तथा बुधवार को प्राण-प्रतिष्ठा, हवन आरती एवं भव्य भंडारा का आयोजन के साथ तीन दिवसीय हनुमान मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम संपन्न होगा। कार्यक्रम के मौके पर सचिव जयचंद्र ठाकुर,सह सचिव अखिलेश प्रसाद, कोषाध्यक्ष ईश्वर साहू, कार्यकारणी सदस्य सतीश मिश्रा, शिवशंकर साहू, निरातम सिंह, नारायण ठाकुर समेत अन्य सभी भक्तजनों का कार्यक्रम आयोजित करने में सहयोग रहा।

पहलगाम हमले के विरोध में मौलाना आजाद वेलफेयर सोसाइटी ने निकाला कैंडल मार्च

कैरो/ लोहरदगा (आजाद सिपाही)। बीते दिनों काश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर प्रखण्ड के स्वयंसेवी संस्था मौलाना आजाद वेलफेयर सोसाइटी के तत्वधान में रविवार शाम को कैरो चांदनी चौक में कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम आतंकवादी हमले में शहीद हुए लोगों के प्रति दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति की कामना तथा पीड़ित परिवार को दुख की इस घड़ी में धैर्य रखने की कामना की गयी। कैंडल मार्च के दौरान पाकिस्तान मुर्दाबाद, आतंवाद मुर्दाबाद, देश मांगे बेगुनाहों का हिसाब आदि नारे लगाते हुए आतंकवादी घटना की कड़ी निंदा की गयी। मौके पर मौलाना आजाद वेलफेयर सोसाइटी के आजीवन संरक्षक अलीरजा अंसारी ने कहा कि आतंवादी घटना की जितनी निंदा की जाय कम है, यह एक कायराना हरकत है, आतंवादी एक सोची समझी रणनीति के तहत इस तरह की घटनाओं को अंजाम दिये हैं। आज देश का हरेक नागरिक दुखी है आतंकवाद की खात्मे के लिए साथ है। मौके पर प्रखंड अंजुमन कैरो के सेक्रेटरी सह मौलाना आजाद सेल्फेयर सोसाइटी के आजीवन संरक्षक समीद अंसारी, नईम अंसारी, सकील अंसारी, अख्तर अंसारी, मजुल अंसारी, मुस्लिम आंसारी, अंजुमन इस्लामिया कैरो के सदर इम्तियाज अंसारी आदि उपस्थित थे।

आजसू ने पहलगाम हमले के विरोध में निकाला कैंडल मार्च, दी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। आजसू पार्टी के बैनर तले कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष लोगों को बर्बरतापूर्वक धर्म पूछ कर हत्या के विरोध में लोहरदगा के साईडिंग से पावरगंज तक कैंडल मार्च निकालकर सभी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। साथ ही आतंकियों से लोहा लेते हुए शहीद जवानों को सामूहिक श्रद्धांजलि देते हुए लोहरदगा पावरगंज चौक सुभाष चंद्र बोस के प्रतिमा के समीप समापन की गयी। आजसू के कार्यकर्ताओं ने एक स्वर पर पाकिस्तान मुर्दाबाद, पाकिस्तान हाय हाय, भारत में आतंकियों को भेजना बंद करो भारत माता की जय, वंदे मातरम आदि नारे लगायी गयी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष ओम भारती, केंद्रीय सचिव सूरज अग्रवाल, केंद्रीय महासचिव अंजू देवी, केंद्रीय सचिव राम लखन प्रसाद, केंद्रीय सदस्य जहांगीर आलम, केंद्रीय सदस्य विश्वनाथ उरांव, राजन मेहता सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

पहलगाम हमला निर्दोषों पर नहीं देश की एकता पर हमला है : आजसू

आजसू पार्टी जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश भारती ने कहा कि पहलगाम में निर्मम तरीके से आतंकवादियों के द्वारा निहत्थे पर्यटकों पर हमला कर 27 लोगों की जान ले लेना, मानवता का सर कलम करने के जैसा है। ऐसा कार्य मानसिक रूप से विकृत व्यक्ति के द्वारा ही किया जा सकता है। उन्होंने कहा की यह समाज को तोड़ने की साजिश है जो कभी कामयाब नहीं होगी। केंद्रीय सचिव सूरज अग्रवाल ने कहा आज हम यहां एक अत्यंत दुखद एवं निंदनीय घटना के विरोध में एकत्रित हुए हैं। पहलगाम में हमारे देश के वीर जवानों पर जो कायरना हमला हुआ है, वह न केवल मानवता के खिलाफ है बल्कि हमारे राष्ट्रीय सम्मान पर भी सीधा आघात है। हम इस घटना की घोर निंदा करते हैं।

गढ़वा जिला क्रिकेट संघ का चुनाव संपन्न राज महेशवरम अध्यक्ष, राघवेंद्र बने सचिव

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा जिला क्रिकेट संघ का चुनाव संपन्न हुआ। इस चुनाव में जिला अपर समाहर्ता राज महेशवरम को अध्यक्ष पद पर और राघवेंद्र नारायण सिंह को सचिव पद पर निर्वाचित किया गया। महेशवरम ने अपने प्रतिद्वंद्वी शैलेन्द्र पाठक को 40 मतों से पराजित किया, जिसमें राज महेशवरम को कुल 43 मत प्राप्त हुए, जबकि शैलेंद्र पाठक को मात्र तीन मतों से ही संतोष करना पड़ा।

सचिव पद पर राघवेंद्र नारायण सिंह ने अजय कांत को 42 वोट से हराया। राघवेंद्र को कुल 44 मत मिले, जबकि अजय कांत को मात्र दो मत मिले। कोषाध्यक्ष के पद पर रविशंकर ने संतोष मिश्रा को 39 मतों से पराजित किया। जिसमे संतोष मिश्रा को 4 और जगन्नाथ राम को 3 मत प्राप्त हुए।

तीन उपाध्यक्ष और तीन संयुक्त सचिव पद पर निर्विरोध चुनाव हुआ। निर्वाचित पदाधिकारियों में उपाध्यक्ष पद पर आलोक कुमार मिश्रा, डॉ पंकज प्रभात, रेखा देवी, संयुक्त सचिव कुमार गौरव (विक्की सिंह), गौरव कुमार सिंह, अंकित राज निर्विरोध चुने गये।

चुनाव प्रक्रिया का संचालन झारखंड राज्य क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा नियुक्त चुनाव अधिकारी राहुल ऋषि, अधिवक्ता के देखरेख में हुआ। चुनाव को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण बनाने के लिए जिला प्रशासन ने दंडाधिकारी के नेतृत्व में सुरक्षा बल की तैनाती की।

नवनियुक्त सचिव राघवेंद्र नारायण सिंह ने गढ़वा जिले में क्रिकेट के विकास के लिए हर संभव प्रयास करने की बात कही। उन्होंने संघ के सभी कार्यों में सुधार लाने और क्रिकेट को एक नयी दिशा देने के लिए सभी पदाधिकारियों और सहयोगियों के लिए आभार व्यक्त किया।

शिशु मंदिर की आचार्या ने किया रक्तदान

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। जय श्री राम समिति के सदस्य ने सेन्हा प्रखंड के गढ़गांव चंदवा निवासी रविन्द्र उरांव की पत्नी सरस्वती देवी को एक यूनिट खून देकर इलाज में मदद की। जानकारी के अनुसार वो मिशन हॉस्पिटल में इलाजरत थी। डॉ ने खून की कमी बतायी परिवार के लोग काफी परेशान जय श्रीराम समिति से सम्पर्क किया। समिति के तत्काल पहल पर विद्या मंदिर स्कूल की शिक्षिका सुनीता देवी ने 1 यूनिट ब्लड देकर मानवता का परिचय दिया। जिला अध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने कहा सामाजिक एवं धार्मिक संगठन जय श्रीराम समिति अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ रात हो या दिन जाति धर्म से ऊपर उठकर लोगों की सेवा में लगी रहती है। जय श्रीराम समिति के प्रति लोगों का विश्वास और भरोसा ही है जो 19 वर्षों से निस्वार्थ भाव से लोहरदगा जिला समेत झारखंड एवं अन्य राज्यों के लोगों को सेवा दे रही है। डोनर सुनीता देवी ने कहा मैं एक महिला हूं और महिला होकर किसी की जान बचाने का सौभाग्य प्राप्त हुई ऐसी खुशी कहां मिलेगी। मौके पर जिला अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, प्रदीप साहू, रविंद्र उरांव समेत अन्य लोग मौजूद थे।

मार्क्सवादी जिला कमेटी ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गये लोगों के प्रति शोक जताया

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) जिला कमिटी ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गये निर्दोष लोंगो के प्रति संवेदना प्रकट किया है।

पार्टी सचिव जगदीश महतो ने कहा कि जम्मू- कश्मीर में घटी घटना कायरतापूर्ण और निंदनीय है और पार्टी मारे गये निर्दोष लोंगो के प्रति शोक सवेंदना प्रकट करती है। घायल हुये लोंगो को जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करती है। शोक सभा में दिलीप कुमार वर्मा, बच्चू नारायण सिंह, लाल धनंजय नाथ शाहदेव, गोपाल महतो, दिलमुनी कुजूर, राजकुमार टोप्पो आदि मौजूद थे।

अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस पर प्रतियोगिता का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। एमबी डीएवी विद्यालय में प्राचार्य जीपी झा के नेतृत्व और निर्देशन में सीसीए प्रभारी शितेश कुमार पाठक व आरती कुमारी द्वारा पाठ्य सहगामी क्रियाओं के अंतर्गत एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कक्षा सातवीं और आठवीं के विद्यार्थियों के मध्य एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें आरती कुमारी ने मंच संचालन किया। इस प्रतियोगिता में आरोही तमेरा, अंजली कुमारी, आर्या सिंह, हर्षिता कुमारी, मरियम परवीन, शिवांगी साक्षी, रोजलीना कुजूर, निर्भया सिंह, सृष्टि भगत, विद्या कुमारी व साक्षी कुमारी प्रतिभागी बने जिसमें आर्या सिंह और विद्या कुमारी ने प्रथम, सृष्टि भगत ने द्वितीय तथा साक्षी कुमारी ने तृतीय स्थान अर्जित किया। इस प्रतियोगिता में रोजर बिनी सिन्हा और श्रवण कुमार पाठक निर्णायक बने। मौके पर प्राचार्य जीपी झा ने विद्यार्थियों की कला व मेहनत की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। कहा कि नृत्य एक मंत्रमुग्ध कर देने वाली कला है जो सदियों से मानव संस्कृति का हिस्सा रही है। यह सिर्फ संगीत पर थिरकने के बारे में नहीं है, यह भावनाओं को व्यक्त करने, कहानियां सुनाने और दूसरों से जुड़ने का एक तरीका है। विद्यार्थी इस प्राचीन कला से भली-भांति परिचित हो सके। कार्यक्रम के सफल संचालन में प्रमित कुमार, रुचिर मृगेंद्र, सी एल महतो और पूनम सिंह ने भी सक्रिय भूमिका निभायी।

मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों के लिए पंचायतवार शिविर आज से

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की राशि प्राप्त करने को लेकर सभी लाभुकों का खाता आधार से लिंक होना अनिवार्य है। इसे लेकर मंगलवार से हरिहरगंज प्रखंड क्षेत्र में पंचायतवार शिविर लगाया जाएगा। इसकी जानकारी देते हुए बीडीओ प्रियदर्शी ने बताया कि प्रखंड क्षेत्र में करीब 440 लाभुकों का खाता आधार से लिंक नहीं हुआ है। इसे देखते हुए मंगलवार से पंचायतवार शिविर लगाकर इसका समाधान करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक पंचायतवार शिविर में बैंककर्मी, मुखिया, पंचायत समिति सदस्य के अलावा अन्य जनप्रतिनिधि लाभुकों के सहयोग के लिए मौजूद रहेंगे।

आज कटैया, सेमरवार, 30 को खड़गपुर, कुलहिया, दो मई को सरसोत, तुरी, तीन मई को सलैया और ढकचा पंचायत सचिवालय भवन में नोडल पदाधिकारी की देख रेख में शिविर लगाया जाएगा। जबकि पांच मई को प्रखंड कार्यालय में शिविर का आयोजन होगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि आधार से लिंक नहीं होनेवाले लाभुकों को मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की अगली किस्त नहीं मिलेगी।

देश का शासन संविधान के अनुसार नहीं चलाया जा रहा है : बिट्टू पाठक

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। कांग्रेसी कार्यकर्ताओं की बैठक सोमवार को बी मोड़ स्थित शाहिद स्मारक भवन में हुई। जिसमें विश्रामपुर, उंटारी रोड, नावा बाजार और पांडू प्रखंड के कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस के विश्रामपुर प्रखंड अध्यक्ष रवींद्र शुक्ला उर्फ गुड्डू और संचालन उंटारी रोड प्रखंड अध्यक्ष रिंकू सिंह ने किया। बैठक में कांग्रेस की ओ्र से रांची में तीन मई को आयोजित होने वाले संविधान बचाओ महरौली की सफलता को लेकर चर्चा की गयी। निर्णय लिया गया कि विश्रामपुर क्षेत्र से भी हजारों कार्यकर्ता महारैली में शामिल होंगे। बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन आयोजित हुआ, जिसमें पार्टी के जिलाध्यक्ष जैश रंजन उर्फ बिट्टू पाठक ने कहा कि मोदी सरकार में देश का शासन संविधान के अनुसार नहीं चल रहा है, लोकतंत्र के लिये सही नहीं है। वहीं, सुधीर चंद्रवंशी ने कहा कि केंद्र सरकार बारी-बारी से सभी समुदायों के अधिकारों का हनन कर रही है। मौके पर वरीय कांग्रेसी सत्यनारायण तिवारी, वरीय जिला उपाध्यक्ष संतोष कुमार चौबे, बीस सूत्री अध्यक्ष रामचंद्र दीक्षित, अशोक सिंह, मीर खुर्शीद आलम, सच्चिदानंद शुक्ला, तुलसी पासवान, सज्जाद अली आदि मौजूद थे।

तोपचांची में 'कब्र' से एक-एक कर गायब हुए छह शव

धनबाद (आजाद सिपाही)। जिले के तोपचांची में लोगों को हैरान करने वाली घटना प्रकाश में आयी है। तोपचांची के बिशुनपुर में कब्रों से दफनाए गए शव गायब हो रहे हैं। यह घटना जमुनिया नदी श्मशान घाट में हुई है। जिससे लोगों में भय और आक्रोश का माहौल है। वहीं, खबर मिलने के बाद पुलिस भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि ऐसा क्यों और कौन कर रहा है। पता चला है कि गायब होने वाले शवों में बच्चों और बुजुर्गों के है। गांव वालों का कहना है कि ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। पुलिस जांच कर रही है कि क्या शवों को किसी वाहन से ले जाया गया है। कुछ लोगों को शक है कि यह काम किसी तांत्रिक का हो सकता है। **पहले कभी ऐसी घटना नहीं हुई :** बिशुनपुर के जमुनिया नदी श्मशान घाट में अलग-अलग जगहों पर दफनाए गए शव कब्रों से गायब मिले। पुलिस भी हैरान है कि आखिर ऐसा कौन कर रहा है और इसके पीछे क्या मकसद है। वहीं, गांव वालों का कहना है कि उन्होंने पहले कभी ऐसी घटना नहीं देखी। श्मशान घाट तक जाने का रास्ता बहुत खराब है। रास्ते पर चार पहिया वाहन के निशान मिले हैं। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि शवों को वाहन से ले जाया गया होगा। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है। बतातें चलें कि श्मशान घाट बोकारो जिले की सीमा के पास है। लोग इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि शवों के अवशेषों का इस्तेमाल किस काम के लिए किया जा सकता है। कई ग्रामीणों को यह भी शक है कि यह काम किसी तांत्रिक ने किया होगा।

एके सिंह कॉलेज में पकड़े गये पांच फर्जी परीक्षार्थी

दूसरे के बदले परीक्षा देने और दिलाने वालों पर दर्ज होगा केस : केंद्राधीक्षक

कॉलेज के मेन गेट पर ही जांच के दौरान ही प्रबंधन-सुरक्षा कर्मियों ने दबोचा, पकड़े गये परीक्षार्थियों में एक युवती भी शामिल, जांच शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। जपला एके सिंह कॉलेज में विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित स्नातक प्रथम पाली एवं द्वितीय पाली की परीक्षा में दूसरे परीक्षार्थी के बदले परीक्षा देने पहुंचे पांच फर्जी परीक्षार्थियों को गेट पर ही पकड़ लिया गया।

जपला एके सिंह कॉलेज की फाइल फोटो।

प्राचार्य सह केंद्राधीक्षक सूर्य मणि सिंह ने बताया कि पकड़े गये फर्जी परीक्षार्थियों के नाम खडारपर गांव की रहने वाली चांदनी कुमारी, साया गांव के अंकित कुमार, सडेया गांव के अंकित पाल, लावादाग के सुजीत कुमार और कनुआबिगहा निवासी लव कुमार यादव शामिल हैं। केंद्राधीक्षक ने कहा कि परीक्षा कक्ष में किसी के बदले परीक्षा देने और दिलाने वालों (दोनों) पर केस दर्ज कर जेल भेजा जाएगा। कोई भी व्यक्ति इस तरह की आपराधिक चेष्टा ना करे। अभिभावक भी अपने बच्चों को समझायें।

बीडीओ ने किया रूआर कार्यक्रम का शुभारंभ

मनातू/पलामू (आजाद सिपाही)। झारखंड शिक्षा परियोजना की ओर से संचालित कार्यक्रम रुआर 2025 का उद्घाटन बीआरसी कार्यालय में सोमवार को बीडीओ राजकुंवर सिंह और विधायक प्रतिनिधि उदेश कुमार यादव ने संयुक्त रूप से किया। यह कार्यक्रम प्रखंड के अनामांकित और क्षितिज बच्चों को विद्यालय में वापस लाने और शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। यह 16 दिनों तक चलने वाला एक बैक टू स्कूल अभियान है, जिसका उद्देश्य स्कूल से बाहर रह गए बच्चों को स्कूल में वापस लाना है। शत-प्रतिशत नामांकन और उपस्थिति सुनिश्चित करना है। इस मौके पर कार्यक्रम में बीपीओ सुरेंद्र कुमार हिमांशु , लेखापला अरुण कुमार, सीआरपी मनोज गुप्ता, विष्णुदेव यादव, अमित कुमार, महबूब आलम, तकिउद्दीन अहमद, विजय यादव और विकाश कुमार आदि उपस्थित थे।

ग्रीष्मकालीन जल संकट को देखते हुए डेडिकेटेड मॉनिटरिंग टीम गठित

टैंकर से होगी पेयजलापूर्ति, हेल्प लाइन भी किया जारी

- नगरीय प्रशासन की बैठक में ड्राई जोन के लिये अलग से बनी रणनीति
- विश्रामपुर नगर परिषद के किसी भी वार्ड में नहीं होने दी जायेगी पेयजल किल्लत : सोमा खंडौत

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/पलामू। पलामू डीसी शशि रंजन के निर्देश पर ग्रीष्म कालीन जल संकट को ध्यान में रखते हुए विश्रामपुर नगर परिषद कार्यालय सभागार में सोमवार को बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता कार्यपालक पदाधिकारी सोमा खंडौत और संचालन नगर प्रबंधक प्रभात कुमार ने किया। बैठक में वार्डवार पेयजल की स्थिति पर चर्चा हुई। ड्राई जोन के रूप में चिन्हित क्षेत्रों के लिये अलग से रणनीति बनी। इसके अलावा ग्रासिम इंडस्ट्रीज द्वारा सीएसआर के तहत रेहला में होने वाली जलापूर्ति सहित कई बिंदुओं पर चर्चा हुई। नगरीय प्रशासक सोमा खंडौत ने बताया कि निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिये आवश्यकतानुसार वार्डों में पर्यवेक्षण के लिए पदाधिकारियों एवं कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की जायेगी। ड्राई जोन में टैंकर्स की तैनाती होगीष जिसे हर जगह परिचालन के लिये ड्राइवर एवं हेल्पर की अलग से प्रतिनियुक्ति का निर्णय लिया गया है। डेडिकेटेड मॉनिटरिंग टीम भी गठित किया गया है। साथ ही नगर वासियों की सुविधा के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि विश्रामपुर नगर परिषद के किसी भी वार्ड में पेयजल की किल्लत नहीं होने दी जायेगी। ग्रीष्म कालीन जल संकट से निपटने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। इस मौके पर नगर मिशन प्रबंधक जितेंद्र सिंह, विधि शाखा प्रमुख जयशंकर झा, ग्रासिम इंडस्ट्रीज के सीएसआर प्रमुख अनिल गिरी, सभी कनीय अभियंता, राजस्व निरीक्षक, सफाई निरीक्षक आदि मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय हिंदी परिषद के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष बने विकास पाठक बने

धनबाद (आजाद सिपाही)। सुरेश चंद्र तिवारी की अध्यक्षता में रविवार को अंतर्राष्ट्रीय हिंदी परिषद की बैठक धनबाद के बजरंग विहार कालोनी में हुई। जिसमें अंतर्राष्ट्रीय हिंदी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह संस्थापक जिन्होंने हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने का एक ऐतिहासिक अभियान चला रखें हैं ने विकास कुमार पाठक को सर्व सम्मति से राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष मनोनीत किया। वहीं, विकास पाठक को सभी ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी। साथ ही संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह संस्थापक हृदय नारायण मिश्रा के प्रति आभार व्यक्त किया। मौके पर स्टेट बार काउंसिल एक्स्क्युटिव कमेटी के को चेयरमैन राधेश्याम गोस्वामी, डॉ निलम मिश्रा, मुख्य सचेतक भवानी बंदोपाध्याय, भागवत प्रसाद पाण्डेय, सर्वानंद ओझा, प्रदेश संरक्षक रविंद्र तिवारी, प्रदेश महासचिव बलराम उपाध्याय, राजलक्ष्मी देवी आदि मौजूद थे।

विश्रामपुर के पंचमुखी मंदिर में करायी गयी प्रेमी युगल की शादी

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। विश्रामपुर पुलिस की पहल पर सोमवार को ऐतिहासिक पंचमुखी मंदिर में प्रेमी युगल की शादी करायी गयी। बतातें चलें कि विश्रामपुर थाना क्षेत्र के उरसुला गांव निवासी राम लाल राम के पुत्र अखिलेश कुमार का प्रेम पिछले कई वर्षों से लकडही गांव निवासी काजल कुमारी के साथ चल रहा था। सोमवार को ग्रामीणों ने दोनों को एक साथ देख लिया और पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने प्रेमी युगल से पूछताछ की, तो जोड़े ने बालिग होने का सबूत पेश करते हुए एक-दूसरे से शादी करने की इक्छा व्यक्त की। इसके बाद पुलिस ने दोनों के अभिभावकों को थाना बुलाया। दोनों स्वजातीय थे इसलिये उनके परिजन भी शादी के लिये सहमत हो गये। इसके बाद शाम को ही पंचमुखी मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज से दोनों की शादी करा दी गयी। शादी मंदिर के पुजारी अच्युतानंद पांडेय ने संपन्न करायी। इस मौके पर निवर्तमान वार्ड पार्षद संजय बैठा, गायक विजय बवाली, अजित कुमार, सुरेश यदाव आदि मौजूद थे। सभी ने नवदंपति को आशीर्वाद दिया।

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत

हरिहरगंज /पलामू (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के सेमरवार रिलाइंस पेट्रोल पंप के समीप एनएच 139 पर हाइवा के टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गयी। घटना सोमवार शाम की बतायी जा रही है। इसकी सूचना पाकर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर थाने ले गई है। मृतक औरंगाबाद के मदनपुर के बताये जा रहे हैं। हालांकि समाचार लिखे जाने तक उनकी पहचान नहीं हो सकी है।

गुरी में भगवान परशुराम जयंती समारोह आज

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। विश्रामपुर प्रखंड के गुरी ग्राम पंचायत स्थित प्रकाश पुस्तकालय परिसर में मंगलवार को भगवान परशुराम की जयंती मनायी जायेगी। जिसका आयोजन रामवृक्ष मिश्रा मेमोरियल ट्रस्ट एवं प्रकाश पुस्तकालय की ओर से संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इसकी जानकारी प्रकाश पुस्तकालय के संस्थापक मिथिलेश मिश्रा ने दी। उन्होंने बताया कि परशुराम जयंती पर कई कार्यक्रम आयोजित होगें। जिसमें क्षेत्र के गणमान्य लोगों को सम्मानित भी किया जायेगा।

छतरपुर में अतिक्रमित सरकारी भूमि को अंचल प्रशासन ने मुक्त कराया

आजाद सिपाही संवाददाता

छतरपुर। अंचल अधिकारी उपेंद्र कुमार के निर्देश पर दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति कर छतरपुर अंचल क्षेत्र के झारखंड सरकार की गैर मजरूआ खास भूमि पर किए गए अतिक्रमण को मुक्त कराया। विधिवत रूप से उक्त भूमि पर निर्मित चहारदीवारी को ध्वस्त करते हुए अतिक्रमण हटाया गया। वाद की सुनवाई के दौरान प्रस्तुत दस्तावेजों को अवैध पाया गया, जिसके आधार पर प्रशासन द्वारा यह कार्रवाई की गई। अंचल कार्यालय के पदाधिकारी, पुलिस और स्थानीय प्रशासनिक अधिकारीगण उपस्थित रहे। अंचल अधिकारी ने स्पष्ट किया कि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और भविष्य में भी ऐसी कार्रवाइयां जारी रहेंगी। उल्लेखनीय है कि यह भूमि अस्पताल के विस्तार के लिए उपयोग की जाएगी, जिससे आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। बतातें चलें कि सरकार की कुल 12.75 एकड़ भूमि है, जिस पर पंचम सिंह एवं अन्य की ओर से अवैध दस्तावेजों के आधार पर दावा किया जा रहा था। लगभग 250 फीट लंबी बाउंड्री को तोड़कर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है।

संविधान बचाओ अभियान को लेकर कांग्रेस की बैठक

बाबा साहेब के संविधान की रक्षा के लिए एकजुट होकर संघर्ष करना होगा: प्रशांत

कार्यकर्ताओं से बातें करते कांग्रेस नेता प्रशांत किशोर एवं अन्य।

आजाद सिपाही संवाददाता

छतरपुर। रांची में तीन मई को आयोजित होने वाले कांग्रेस से संविधान बचाओं कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर सोमवार को पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों के निर्देश पर प्रशांत किशोर की उपस्थिति में बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष गोपाल प्रसाद सिंह एवं नगर अध्यक्ष मो मुस्ताक आलम ने की। अपने संबोधन में प्रशांत किशोर ने कहा कि 'देश के संविधान पर खतरा मंडरा रहा है।' केंद्र सरकार द्वारा लगातार संविधान प्रदत्त अधिकारों और स्वतंत्र संस्थाओं को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। हमें बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर द्वारा दिए गए संविधान की रक्षा के लिए एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। तीन मई को रांची में आयोजित संविधान बचाओ रैली में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपना योगदान देना है। बैठक में तीन मई को रांची में आयोजित होने वाली संविधान बचाव रैली को सफल बनाने को लेकर कार्यकर्ताओं से बढ़-चढ़कर भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया। इस मौके पर विश्वनाथ चौधरी, मुस्ताक, अकबर खां, टोन वर्मा, गुंजन जायसवाल, उपेंद्र जायसवाल, मोहन जायसवाल सहाबुद्दीन, रुणा देवी, फुलवा देवी, काली देवी, उमेश कुमार यादव, कपिलदेव सिंह, राजेंद्र प्रसाद यादव, उपेंद्र कुमार, प्रदीप कुमार, नागेंद्र सिंह, सावन यादव, सागर पासवान, कमलेश विश्वकर्मा, मनोज कुमार, बाबूराम आदि उपस्थित रहे।

धनंजय तिवारी ने संविधान बचाओ रैली में शामिल होने का सभी से किया आह्वान

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। कांग्रेस के प्रदेश सचिव धनंजय तिवारी ने हुसैनाबाद स्थित आवास पर पत्रकारों को बताया कि तीन मई को रांची में आयोजित होने वाले संविधान बचाओ रैली में हुसैनाबाद क्षेत्र से सैकड़ों लोग भाग लेंगे। आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार संविधान द्वारा प्रदत्त हक एवं अधिकारों को लेकर बोलने की स्वतंत्रता को छीनने का प्रयास किया जा रहा है। वोट के खातिर देश की एकता एवं अखंडता को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। कहा कि नेशनल हेराल्ड के झूठे केस में राहुल गांधी एवं सोनिया गांधी को फंसाना इसका ताजा उदाहरण है। अब तो न्यायपालिका को भी डराया-धमकाया जा रहा है। मोदी सरकार सुनियोजित तरीके से संविधान को दर किनार कर देश में तानाशाही शासन स्थापित करना चाहती है। इसे बचाने के लिए हम संघर्ष करेंगे और लड़ेंगे। उन्होंने रैली में हुसैनाबाद सहित पूरे पलामू से बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के साथ ही आम लोगों को शामिल होने का आह्वान किया है।

बराही धाम में भूमि पूजन को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों की टीम ने किया स्थल का निरीक्षण

विश्व की सबसे ऊंची 551 फिट की मां दुर्गा मंदिर एवं 151 फिट नवग्रह मंदिर निर्माण का 14 मई को होगा भूमि पूजन

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। क्षेत्र में स्थित ऐतिहासिक बराही धाम परिसर में सोमवार को प्रशासनिक अधिकारियों की टीम पहुंची। जिसमें विधायक संजय सिंह यादव, जिप उपाध्यक्ष सह शिवांश चैरिटेबल ट्रस्ट के सचिव आलोक कुमार उर्फ टूटू सिंह, प्रखंड प्रमुख राजकुमारी देवी के अलावा एसडीओ गौरांग महतो, एसडीपीओ एस मोहम्मद याकूब, सीओ पंकज कुमार और बीडीओ सुनील कुमार वर्मा शामिल थे। सभी ने परिसर स्थित भूमि पूजन, हेलीपैड, सांस्कृतिक कार्यक्रम का स्थल के साथ ही वीआईपी अतिथियों के आगमन और श्रद्धालुओं की व्यवस्था का अवलोकन किया। निरीक्षण के बाद बराही धाम गेस्ट हाउस में अधिकारियों को जानकारी देते हुए शिवांश चैरिटेबल ट्रस्ट के सचिव आलोक कुमार उर्फ टूटू सिंह, ट्रस्ट के संयोजक रंधीर कुमार सिंह और कार्यक्रम व्यवस्थापक आकाश सिन्हा ने बताया की छह से 14 मई तक बराही धाम महोत्सव की शुरूआत होने जा रही है। अंतिम दिन 14 मई को इस धाम परिसर में विश्व की सबसे ऊंची 551 फिट मां दुर्गा का मंदिर और 115 फिट नवग्रह मंदिर निर्माण का भूमि पूजन अनुष्ठान होगा, जिसकी तैयारी तेजी से चल रही है। उक्त कार्यक्रम में देश के कई महान साधु-संतों के अलावा कई प्रदेशों की राजनीतिक हस्तियों, ब्यूरोक्रेट के अलावा कई धार्मिक संगठनों के लोगों के पहुंचने की संभावना है। उन्होंने बताया कि भूमि पूजन अनुष्ठान को लेकर ट्रस्ट के सभी पदाधिकारी एवं ग्रामीण काफी हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम को भव्य और ऐतिहासिक बनाने में जुटे हैं। मौके पर हुसैनाबाद पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी, दंगवार ओपी प्रभारी सोनू गुप्ता, राजद के अनुमंडलीय अध्यक्ष खुर्शीद खान, विनय सिंह यादव, विजय गुप्ता, रविंद्र कौर, खुशी कक्कन, सात्विक आनंद और चंदन सिंह आदि मौजूद थे।

स्थल का निरीक्षण करते विधायक, जिप उपाध्यक्ष, एसडीओ, एसडीपीओ एवं अन्य।

वाहन की टक्कर से दो भाइयों समेत तीन की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। सदर थाना क्षेत्र के खरका चौक के समीप अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार चेगरी निवासी 18 वर्षीय शिवचरण उरांव, अरंगी झरिया टोली निवासी 18 वर्षीय रोहित उरांव और अरंगी झरिया टोली निवासी 18 वर्षीय सतीश उरांव की घटनास्थल पर दर्दनाक मौत हो गयी। घटना में बाइक पूरी तरह से छतिग्रस्त हो गया। घटना की सूचना पर टोटो थाना के एसआइ इमानुएल कोंगाड़ी घटनास्थल पहुंचे और पुलिस वाहन से तीनों के शव को रविवार की रात 11:30 बजे सदर अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने जांच कर तीनों को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन दहाड़ मार कर रोने लगे। घटना के बाबत मिली जानकारी के मुताबिक मृतक की बहन की हाल ही में चंदाली गांव में शादी हुई थी। वही तीनों बहन के घर चंदाली आए हुए थे। साथ में मृतक के माता-पिता भी कुछ सामान पहुंचाने बेटी के घर आए थे। रात को खाना पीना खाने के बाद तीनों अपने गांव जाने की बात कही। लोगों ने रात को जाने के लिए मना भी किया कहा सवेरे चले जाना लेकिन तीनों बाइक में सवार होकर अपने गांव को और निकल गये। वहीं खरका चौक के समीप अज्ञात वाहन उन्हें टक्कर मारते हुए घटनास्थल से फरार हो गया। फिलहाल मृतकों के शव को सदर अस्पताल के शव गृह में रखा गया है। सोमवार को शव का पोस्टमार्टम किया गया।

गुमला व्यवसायी से चार करोड़ लेवी मांगने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। पीएलएफआइ उग्रवादी संगठन के नाम पर गुमला शहर के एक व्यवसायी से लेवी मांगने के मामले में गुमला थाना में 18 अप्रैल को मामला दर्ज किया गया था। कांड के त्वरित उद्भेदन हेतु पुलिस अधीक्षक गुमला द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गुमला के नेतृत्व में एक एसआइटी का गठन किया गया। छापामारी दल द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन अपराधियों को गुमला थाना के आरमइ के पास से 27 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया। 18 अप्रैल को शहर के पालकोट रोड स्थित बुलेट दुकान के एक व्यवसाय के पास एक एक्सयूवी कार और एक बाइक में चार अपराधी पहुंचे। बाइक सवार एक अपराधी दुकान गया और दुकान के संचालक को एक लिफाफा दिया और निकल गया। दुकान के संचालक ने लिफाफा खोला तो उसके होश उड़ गये। लिफाफा में पीएलएफआइ संगठन के नाम पर ऑटोमेटिक पिस्टल और 4 करोड रुपए लेवी की मांग की गयी थी। दुकान का संचालक बाहर निकला तब तक अपराधी वहां से चंपत हो गए थे। इसके बाद अपराधी लगातार उसे फोन पर धमकी दे रहे थे वही उसके परिवार की गतिविधि की जानकारी भी दे रहे थे। जिससे व्यवसायी काफी डरा हुआ था। इसके बाद 50 लाख लेवी की रकम देने पर सहमति बनी। लेकिन इसी बीच आरोपियों को पुलिस ने दबोच लिया। बातचीत करने में प्रयोग किये जाने वाला सिम बंगाल के किसी व्यक्ति का है। अपराधियों का 7 से 8 लोगों का समूह है जो जमीन के कारोबार से भी जुड़े हैं। सभी आरोपी पूर्व में भी जेल जा चुके हैं। वहीं पुलिस घटना में शामिल अन्य पांच आरोपियों की तलाश में जुटी है। अनुसंधान के क्रम में गुमला के एक व्यक्ति का नाम भी सामने आया है जो उनका सहयोगी है पुलिस उसके नाम को गुप्त रखकर जांच में जुटी है। सोमवार को एसडीपीओ कार्यालय कक्ष में एसपी शंभू कुमार सिंह ने प्रेस वार्ता कर जानकारी दी। गिरफ्तार अभियुक्त के पास से एक देसी कट्टा 315 बोर का 3 पीस गोली 12 बोर का बंदूक का गोली एक पीस और एक ग्लैमर बाइक बरामद किया गया। तीनों अपराधियों से पूछताछ करने पर बताया कि यह लोग पूर्व में भी अन्य मामलों में जेल जा चुके हैं। 27 अप्रैल को तीनों अपराधी गुमला शहर में दहशत फैलाने के उद्देश्य से फायरिंग करने वाले थे वहीं कुछ व्यवसायी से रंगदारी के रूप में लवी की मांग की थी इसी क्रम में यह पकड़े गये। पकड़े गये अपराधियों में रांची के नगडी गांव निवासी तस्लीम अंसारी, जावेद अंसारी और इटकी के मोहम्मद जावेद शामिल है। मोहम्मद जावेद पूर्व में भी डकैती रंगदारी के केस में जेल जा चुका है। वही तस्लीम अंसारी गुमला शहर में रंगदारी मांगने का आरोप में 2012 में जेल जा चुका है। छापामारी दल में पुलिस अवर निरीक्षक शरद कुमार, तरुण कुमार, जहांगीर खान, राजेंद्र कुमार और गुमला थाना सहस्त्र बल एवं क्यूआरटी टीम शामिल थे।

सवारी वाहन के छत से गिरने से एक की मौत

कामडारा (आजाद सिपाही)। कोयल नदी स्थित बालाघाट पुल के समीप चलती हुई सवारी वाहन के छत से गिरने के कारण विनय ओहदार उम्र 32 वर्ष नामक एक व्यक्ति की मौत हो गयी। घटनास्थल कुरकुरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है। यह घटना सोमवार को दिन के लगभग एक बजे के आसपास की है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक मृतक व्यक्ति कामडारा प्रखंड क्षेत्र के गांव चंदाटोली का निवासी है। बताया जा रहा है कि मृतक व्यक्ति के कुछ रिश्तेदार एक सवारी वाहन में सवार होकर खूंटी की ओर महाबुआंग थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव रबय में एक शादी समारोह में शामिल होने के लिये जा रहे थे। उसी बीच रास्ते में गांव चंदाटोली से मृतक विनय ओहदार (पिता लुम्बा ओहदार) भी उस वाहन के छत पर सवार होकर उक्त शादी समारोह में शामिल होने के लिये जा रहा था। परंतु गांव से मात्र चार किमी की दूरी पर कोयल नदी स्थित बालाघाट के उस पार कामडारा-बानो मुख्य पथ पर एक मोड़ में अनियंत्रित होकर वाहन के छत से नीचे गिर पड़ा और सिर पर गंभीर चोट लगी। उसके रिश्तेदार आनन-फानन में उसी वाहन में लादकर सीएचसी कामडारा लाकर इलाज के लिये भर्ती कराया। परंतु चिकित्सकों से उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं घटना की खबर लगते ही मृत व्यक्ति के परिजन भी कामडारा अस्पताल पहुंचे। इसके बाद कामडारा पुलिस को पूरी घटना की जानकारी देते हुए शव को कामडारा थान पहुंचा दिया गया है।

रक्तदान शिविर में 25 यूनिट हुआ रक्त संग्रह

बिशुनपुर (आजाद सिपाही)। गुमला उपायुक्त के दिशा निर्देश पर प्रखंड सह अंचल कार्यालय सभागार में सोमवार को प्रखंड प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शुभारंभ बीडीओ सुलेमान मुंडरी, सीओ शेखर वर्मा चिकित्सा प्रभारी सोनाली डेजी मिंज आदि लोगों ने संयुक्त रूप से किया जहां पदाधिकारी और पत्रकार समेत प्रखंड के रक्त वीरों के द्वारा कुल 25 यूनिट रक्त दान किया गया। बीडीओ ने कहा कि रक्तदान से ना केवल राष्ट्रीय आवश्यकता पूरी होती है, बल्कि यह समाज एवं मानवता प्रति एक बड़ी सेवा भी है। कहा कि हमारे द्वारा दिये गये रक्त से कई जिंदगियों को बचायी जा सकती है। इस पुनीत कार्य में सभी को जुड़ें। उन्होंने उपस्थित रक्तदाताओं को प्रोत्साहित किया। खून की कमी से किसी की मौत ना हो, इसके लिए प्रशासन लगातार कार्य कर रही है। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वाधान में समय-समय पर मुख्यालय समेत विभिन्न प्रखंडों में ब्लड डोनेशन कैंप लगाया जा रहा है, ताकि अधिक मात्रा में रक्त संग्रह कर जरूरतमंद लोगों को सही समय उपलब्ध करवाया जा सके। ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि आगे भी इस तरह की शिविर में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें। शिविर को सफल बनाने में बीडीओ सुलेमान मुंडरी सीएचसी प्रभारी सोनाली डेजी मींज एंम कर्मियों ने सराहनीय भूमिका निभायी। इस मौके गुमला ब्लड बैंक के राकेश कुमार राहुल प्रसाद अंजू कुमारी, रामू नायक, सोनिया कुमारी, मुकेश मिश्रा, राकेश रंजन सहित कई स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

स्थिति में सुधार लाने के लिए स्वास्थ्य कर्मियों को मन लगाकर काम करने की है जरूरत : डीसी

जारी प्रखंड में स्वास्थ्य उपकेंद्र, पुस्तकालय और अलबर्ट एक्का की मूर्ति का उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

जारी। जारी प्रखंड में सोमवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, पुस्तकालय और प्रखंड परिसर के अंदर बने परमवीर चक्र विजेता वीर शाहिद अल्बर्ट एक्का के बने मूर्ति का विधिवत रूप से गुमला विधायक भूषण तिर्की और गुमला उपयुक्त कर्ण सत्यार्थी के द्वारा किया गया। सहिया बहनों के द्वारा सबसे पहले अतिथियों का पारंपरिक नाच गान के साथ स्वागत किया गया। गुमला उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने कहा कि केवल भवन के बन जाने से यहां स्वास्थ्य की जो परिस्थिति है वो सुधर नहीं जायेगी यहां की परिस्थिति को बदलने के लिए स्वास्थ्य कर्मियों को मन लगाकर काम करने की जरूरत पड़ेगी और उन्होंने कहा कि जल्द ही यहां तक पहुंचने के लिए एक रास्ते का निर्माण किया जायेगा जिससे ग्रामीणों को पहुंचने में कोई दिक्कत न हो। मौके पर गुमला सिविल सर्जन नवल कुमार ने कहा कि इस स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर सोमवार और शनिवार को उपस्थित रहेंगे। डीसी ने आदेश दिया कि जल्द ही स्वास्थ्य केंद के बगल में अधूरे पड़े भवन का कार्य शुरू किया जाये और उस भवन को भी स्वास्थ्य उपयोग में लाया जाये। मौके पर सिविल सर्जन नवल कुमार, अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुमराई, डीआरसीएचओ डॉ सुनील कुमार, हेल्थ फेलो डॉ मोनिका, जिला परिषद सदस्य दिलीप बड़ाइक, प्रमुख उर्मिला केरकेट्टा, जारी बीडीओ यादव बैठा, सीओ दिनेश गुप्ता, मुखिया फुलमैत देवी, मुखिया माईकल कुजूर, मुखिया विनय एक्का सहित कई लोग उपस्थित थे।

स्वास्थ्य केंद्र के लिए एंबुलेंस और पानी टंकी दूंगा : भूषण तिर्की

मौके पर गुमला विधायक भूषण तिर्की ने कहा कि अल्बर्ट एक्का के नाम पर एक प्रखंड बनाने के लिए हमलोगों ने बहुत संघर्ष किया था। आज हमलोग आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे है लेकिन आज भी जारी प्रखंड गुमला जिला में सबसे पिछड़ा हुआ प्रखंड है। यहां की गरीब जनता आज भी मूलभूत सुविधाओं से दूर है लेकिन आज इस स्वास्थ्य केंद्र के खुलने से यहां के लोगों छोटी - छोटी बीमारी के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वो अपनी इलाज इसी स्वास्थ्य केंद्र में करा सकेंगे, आगे भूषण तिर्की ने कहा कि मैं यहां के लिए एक एंबुलेंस और पानी की टंकी देने का काम करूंगा।

बनारी में धूमधाम से मना सरहुल, निकाली शोभायात्रा

आजाद सिपाही संवाददाता

बिशुनपुर। प्रखंड के बनारी गांव में प्राकृतिक पर्व सरहुल पूरे धूमधाम के साथ मनाया गया। इस मौके पर बनारी स्थित गोरा टोली सरना स्थल पर स्थानीय बैग पाहान एवं पूजार के द्वारा विधिवत्त मां सरना की पूजा अर्चना कर पूरे क्षेत्र के सुख समृद्धि एवं शांति की कामना की गई। जिसके बाद सरना स्थल से शोभायात्रा निकल गया। जहां सैकड़ो खोढहा के लोग ढोल नगाड़े के साथ नाचते गाते हुए शोभायात्रा में शामिल हुए। शोभा यात्रा का नेतृत्व सरल पूजा समिति बनारी एवं चटकपुर द्वारा किया जा रहा था जो बनारी चेक नाका, दुर्गा मंदिर चौक, दक्षिणी कोयल नदी से होते हुए लुढ़कुड़िया स्कूल चटकपुर पहुंचा। जहां पर शोभा यात्रा सभा में तब्दील हो गया। मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महिला एवं बाल विकास मंत्री चमरा लिंडा के धर्म पत्नी ललिता लिंडा ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा सरना समाज बाकी समाज से बिल्कुल अलग है, क्योंकि हमारा समाज प्रकृति का पूजक है। उन्होंने कहा कि दुनिया में ऐसा कोई समाज नहीं है जो प्रकृति का पूजा करता है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति ही हमारा पहचान है। उन्होंने लोगों से आग्रह करते हुए कहा कि हमारा समाज त्योहार के नाम पर शराब का सेवन कर नशे में मदहोश हो जाते हैं। हमें वैसी चीजों से बचने की आवश्यकता है साथ ही अपने बाल बच्चों को भी नशा पान से दूर रखते हुए उन्हें बेहतर शिक्षा दिलाना है। उन्होंने सभी लोगों से आग्रह किया कि अपने अपने धर्म एवं संस्कृति को बचाना है साथ ही समाज को एकजुट रहना है क्योंकि हमारे समाज को तोड़ने के लिए कई लोग अलग-अलग भेष बनाकर आते हैं और हमें बरगलाकर अपना स्वार्थ पूरा करने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि परंतु अब आदिवासी समाज जाग चुका है किसी के बहकावे में नहीं आता है यह सबसे बड़ी उपलब्धि है। इस मौके पर बालेश्वर उरांव, विजय उरांव बसनु उरांव, अभय उरांव सहित कई लोग उपस्थित थे।

जनप्रतिनिधियों की पहल पर मृतक के परिजन को 4.50 लाख का चेक मिला

भरनो (आजाद सिपाही)। भरनो ब्लॉक चौक सूर्य हॉस्पिटल के समीप रविवार शाम को हुए सड़क दुर्घटना में मजदूर रुधवा महली (52) की मौत हो गयी। सड़क निर्माण कार्य में लगे आरकेडी कंपनी के हाइड्रा क्रेन ने कुचल दिया था। मृतक मजदूर अत्यंत ही गरीब था मोटिया का काम करके अपने परिवार वालों का भरण पोषण करता था। मृतक मजदूर की आर्थिक स्थिति को देखते हुए भाजपा मंडल अध्यक्ष हरिशंकर शाही एवं समाजसेवियों के पहल पर प्रखंड विकास पदाधिकारी अरुण कुमार सिंह के समक्ष अंचल अधिकारी अविनाश कुजूर ओर थाना प्रभारी कंचन प्रजापति की उपस्थिति में आरकेडी कंपनी के प्रतिनिधियों से वातार्लाप की गयी तथा मृतक के आश्रितों को मुआवजा की राशि देने की सहमति बनायी गयी। तत्पश्चात मृतक के आश्रित सीता देवी को आरकेडी कंपनी के द्वारा चार लाख पचास हजार रुपए का चेक सौंपा गया। मौके पर महली समाज के अध्यक्ष मनदीप महली, एसआइ मंटू चौधरी शशांक भूषण बरवार, समाजसेवी मुख्तार आलम,सुनील रवि, विरेंद्र महली,राजेंद्र महली, कारी राम महली,गुजुवा महली सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

मांगों को लेकर ऑल बॉक्साइट माइंस जनाधिकार संघर्ष समिति ने ट्रकों का परिचालन बंद करवाया

आजाद सिपाही संवाददाता

घाघरा। बिमरला माइंस क्षेत्र में मूलभूत सुविधा सहित 18 सूत्री मांग को बहाल करने को लेकर ऑल बॉक्साइट माइंस जनाधिकार संघर्ष समिति द्वारा आदर में बिमरला माइंस ट्रकों को रोककर परिचालन बंद कर दिया। वहीं बिमरला माइंस जाने वाले आदर के समीप समिति के लोग बैठ गये। जिससे कई बॉक्साइट ट्रक सड़क पर खड़े रहे। वहीं मौजूद समिति के अध्यक्ष राजीव उरांव ने बताया कि बिमरला माइंस क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल सहित कई मूलभूत सुविधा और माइंस क्षेत्र के लोगों को उक्त क्षेत्र में काम मिले सहित कई मांग शामिल थे। जिसे लेकर कई बार हिंडालको कंपनी के प्रबंधन से वार्ता की गयी। लेकिन वार्ता असफल रहा। वही विगत 25 अप्रैल को भी अंचल कार्यालय घाघरा में प्रबंधन के द्वारा उक्त मांग समिति के माध्यम से रखी गई। लेकिन कोई ठोस पहल प्रबंधन द्वारा नहीं दी गयी। इसके बाद पुनः आंदोलन के मद्देनजर परिवहन कार्य में लगे माइंस ट्रकों को बंद किया गया है। उक्त आंदोलन को और धारदार बनाने को लेकर कार्य किया जा रहा है। समिति के संरक्षक शिवकुमार भगत और टुनटुन ने कहा कि हिंडालको कंपनी यहां के लोगों को दमन और शोषण करने पर उतारू है। यहां के लोगों को सिर्फ ठगने का काम कंपनी द्वारा किया जा रहा है। बॉक्साइट रूपी लाल सोना को ले जाकर कंपनी करोड़ों रुपए मुनाफा कमा रही है। जबकि यहां के लोगों को सिर्फ धूल फकवाने का काम करवा रही है। हिंडालको कंपनी द्वारा माइनिंग क्षेत्र के लोगों को शोषण की जा रही है। जिससे कतई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। मौके पर संरक्षक शिवकुमार भगत टुनटुन, विनोद राम, फिरू असुर, परमेश्वर असुर, सुमन ठाकुर, सोमनाथ उरांव, बसंत भगत, कुलदीप साहू, सचिन साहू, रूबेन किंडो सहित खनन क्षेत्र के कई ग्रामीण और समिति के लोग उपस्थित थे।

महिला से मातृ सुरक्षा जननी योजना के नाम पर 29 हजार रुपये की साइबर ठगी

गुमला (आजाद सिपाही)। सदर थाना क्षेत्र के धनगांव निवासी महिला सुनीता देवी को साइबर अपराधियों ने मातृ जननी सुरक्षा योजना के नाम पर 29200 की ठगी कर ली है। घटना के बाद रविवार की अपराह्न 3 बजे पीड़ित महिला गुमला थाना पहुंचकर लिखित आवेदन देते हुए कार्रवाई की मांग की है। महिला ने बताया रविवार की दोपहर 12:30 बजे एक नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने कहा मैं आंगनबाड़ी केंद्र से बोल रहा हूं मातृ जननी सुरक्षा योजना का पैसा आया है इस पैसा को लेने के लिए आपका क्यू आर कोड चाहिए। महिला ने व्हाट्सएप नंबर पर क्यू आर कोड भेज दिया। इसके कुछ देर बाद 27000 रुपये दिये जाने का एक मैसेज आया साथ ही एक लिंक भी आया। महिला ने जैसे ही लिंक को खोला उसका 29200 कट गया। इसके बाद भी साइबर अपराधी उससे संपर्क में रहा। महिला ने गुमला थाना मे लिखित शिकायत दर्ज करायी है।

स्कूल रुआर प्रचार वाहन को किया गया रवाना

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। शिक्षा विभाग गुमला द्वारा स्कूल रुआर 2025 कार्यक्रम के अंतर्गत जन जागरूकता अभियान को मजबूती देने हेतु सोमवार को एक प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आइटीडीए गुमला की परियोजना निदेशक रीना हंसदा एवं जिला शिक्षा अधीक्षक नुर आलम खान ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर एपीओ रोज मिंज, ज्योति खलखो, रामचंद्र कुमार सिंह और पीरामल फाउंडेशन गुमला की टीम भी उपस्थित रही।

अभियान के मुख्य उद्देश्यः आंगनबाड़ी से जुड़े 5 वर्ष तक के सभी बच्चों का प्राथमिक विद्यालयों में नामांकन सुनिश्चित करना। 5 से 18 वर्ष के सभी नामांकित बच्चों की नियमित उपस्थिति बढ़ाना। विद्यालय से बाहर रह गये बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन एवं उपस्थिति सुनिश्चित करना। प्रवासी, नामांकित एवं विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का नामांकन और उपस्थिति सुनिश्चित करना।

जमा पैसे के भुगतान की मांग को लेकर झानद ने जुलूस निकाला, सौंपा मांगपत्र

घाघरा (आजाद सिपाही)। सहारा इंडिया नन बैंकिंग कंपनी में जमा पैसे भुगतान की मांग को लेकर झारखंड नवनिर्माण दल घाघरा के तत्वाधान में पुष्पा उरांव की नेतृत्व में हाइ स्कूल मैदान से झंडा बैनर तख्ती लेकर ब्लॉक तक जुलूस निकाली गयी और मुख्यमंत्री के नाम प्रखंड विकास पदाधिकारी के माध्यम से भुगतान संबंधी मांग-पत्र भेजी गयी। जुलूस में शामिल लोग सहारा इंडिया, साईं प्रकाश, वेलफेयर, विश्वामित्र, बेसिल, बारिश, पल्स, वेलफेयर, समेत दर्जनों ननबैंकिंग कंपनी में मेहनत के जमा पैसे सुद समेत भुगतान करो, केंद्र और राज्य सरकार को हमारा जमा पैसा भुगतान करना होगा जैसे नारे लगाये जा रहे थे। इस मौके पर पुष्पा उरांव ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार दर्जनों ननबैंकिंग में जमा पैसे भुगतान नहीं किया गया तो आंदोलन किया जायेगा। श्रीमती उरांव ने वीर बिरसा मुंडा के शहादत दिवस 9 जून 2025 को रांची में आयोजित राजभवन मार्च में चलने की तैयारी की भी अपील की है। जुलूस प्रदर्शन में मुख्य रूप से पार्टी के वरिष्ठ नेता आदित्य सिंह, बसंत बड़ाईक, रोपना उरांव, रामरती देवी, मनी देवी, कमला देवी, सुनीता देवी, शनिसरिया देवी समेत काफी संख्या में महिला-पुरुष उपस्थित थे।

स्पोर्ट्स

सोमवार को हुई सेरेमनी में 4 पद्म विभूषण, 10 पद्म भूषण और 57 पद्म श्री पुरस्कार दिये गयें

क्रिकेटर आर अश्विन को पद्मश्री

हॉकी खिलाड़ी श्रीजेश को पद्म भूषण मिला

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में 2025 के लिए पद्म अवॉर्ड्स दिये। साल की पहली पद्म सेरेमनी में 71 हस्तियों को पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री से सम्मानित किया गया। जबकि बाकी हस्तियों को जल्द ही एक अलग समारोह में सम्मानित किया जायेगा। सोमवार को हुई सेरेमनी में 4 पद्म विभूषण, 10 पद्म भूषण और 57 पद्म श्री पुरस्कार दिये गये। क्रिकेटर आर अश्विन को पद्मश्री, हॉकी खिलाड़ी श्रीजेश को पद्म भूषण दिया गया। सरकार ने गणतंत्र दिवस से पहले 2025 के लिए 139 पद्म पुरस्कारों का ऐलान किया था।

झारखंड राज्य कबड्डी चैंपियनशिप शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य कबड्डी संघ के तत्वावधान में खूंटी जिला कबड्डी संघ के सहयोग से तीन दिवसीय 10वीं झारखंड राज्य बालक-बालिका कबड्डी प्रतियोगिता बिरसा कॉलेज खूंटी में शुरू हुआ। प्रतियोगिता में 21 जिलों के 39 टीमें भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता का उद्घाटन राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री सह केंद्रीय अध्यक्ष आजसू सुदेश कुमार महतो एवं विशिष्ट अतिथि डॉ देवशरण भगत, प्रिंसिपल जे कुल्लू, प्रवीण प्रभाकर, संजय मेहता, रमेश भगत, विज्ञान सिंह, जयकांत कश्यप झंडोत्तोलन कर एवं खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर शुरू किया। मौके पर खिलाड़ियों ने बैंड के धुन में मार्च पास्ट किया एवं रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। झारखंड राज्य कबड्डी संघ के महासचिव संजय कुमार झा ने आगुंतको का स्वागत किया एवं मंच का संचालन अध्यक्ष तपन रावत व हरीश कुमार सिंह ने किया। खूंटी जिला के अध्यक्ष गुलाब महतो और सचिव शिव कुमार महतो, अजय महतो, ने सभी अतिथियों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया।

अमती पानी की महिला ने लगायी फांसी

गुमला (आजाद सिपाही)। जिले के गुरदरी थाना क्षेत्र के अमती पानी गांव निवासी 32 वर्षीय आदिम जनजाति महिला शनियो असुर नामक महिला ने साड़ी का फंदा बनाकर घर के कमरे में ही फांसी पर झूलकर जान दे दी। फिलहाल महिला के आत्महत्या किये जाने के कारणों का खुलासा नही हो सका है। पुलिस शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल भेज दिया है। मगर शाम के 5 बजे के बाद शव लाये जाने के कारण पोस्टमार्टम नही हो सका है। जिसके कारण शव के साथ आये परिजनों को परेशान हाल देखा गया। उन्हें खाने पीने व रहने की चिंता सता रही थी।

पागल कुत्ते ने आधा दर्जन लोगों को काटा

घाघरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड के हेठ आदर गांव में एक पागल कुत्ते ने आधा दर्जन लोगों को काटकर घायल कर दिया। घटना की जानकारी होने पर सरना प्रार्थना सभा के चंद्रदेव उरांव घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाघरा लाया। जहां उसका इलाज कराया। घायलों में हेठ आदर निवासी लिटू उरांव, विष्णु उरांव, संपति देवी, बीरोंपानी निवासी पिरतू असुर सहित दो अन्य नाम शामिल है। घटना के संबंध में चंद्रदेव उरांव ने बताया कि सोमवार प्रातः लगभग 5 बजे गांव में ही घूम रहे लोगों को पागल कुत्ते ने दौड़ाया इस क्रम में आधा दर्जन लोगों को काटकर जख्मी कर दिया।

आजाद सिपाही
रांची, मंगलवार, 29 अप्रैल, 2025
www.azadsipahi.in

संप्रेषण गृह में जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने लगाया जागरूकता शिविर

बच्चे देश के भविष्य हैं, उनमें छिपी प्रतिभाओं को निखारने की जरूरत : अपर न्यायाधीश

आजाद सिपाही संवाददाता

बरमसिया स्थित संप्रेषण गृह।

धनबाद। बच्चें देश के भविष्य हैं जिनमें प्रतिभाओ की कोई कमी नहीं है। इनके अंदर छिपी प्रतिभाओं को निखारने की जरूरत है । उक्त बातें जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव सह अवर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो ने कही। वे सोमवार को धनबाद के बरमसिया स्थित संप्रेषण गृह के बाल बंदियों से रूबरू होने एलएडीसीएस के चीफ कुमार विमलेंदु एवं डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट के साथ पहुंचे थे। निरीक्षण के दौरान बाल बंदियों ने न्यायाधीश को अपनी समस्याएं बताई। जिसके बाद न्यायाधीश ने उन समस्याओं के निराकरण के लिए संप्रेषण गृह प्रशासन को निर्देश दिया। उन्होंने आश्वस्त किया कि जो भी समस्याएं है उसका निराकरण त्वरित गति से किया जाएगा। वहीं, संप्रेषण गृह में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर किशोर न्याय बोर्ड के प्रधान न्यायिक दंडाधिकारी नूतन एक्का, सदस्य पूनम सिंह, अजय कुमार एवं एलएडीसीएस की टीम ने बच्चों को विभिन्न तरह की कानूनी जानकारियां दी, जिसमें किशोर की निर्दोषता की अवधारणा, गरिमा और स्वाभिमान, सुने जाने का अधिकार, सर्वोत्तम हित, पारिवारिक उत्तरदायित्व, सुरक्षा का सिद्धांत, कलंकित ना करने वाले शब्द, निर्णय और कार्रवाई, अधिकारों के अभित्यजन सहित अन्य सिद्धांतों पर चर्चा की गई। शिविर में किशोर न्याय अधिनियम 2015, बाल श्रम अधिनियम 1986, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। साथ ही शिविर में खोए हुए, सड़क पर के कामकाजी बच्चे, बाल मजदूरी, अवैध व्यापार से पीड़ित, दुरुपयोग किए हुए, उपेक्षित एवं त्यागे हुए बच्चे, प्राकृतिक आपदा से ग्रसित, निशक्त, एचआईवी से ग्रसित, अनाथ, बाल विवाह से पीड़ित, मनुष्य द्वारा विपदाओं से ग्रसित बच्चे की देखभाल एवं संरक्षण पर भी चर्चा की गई। शिविर में किशोर की सामाजिक पृष्ठभूमि रिपोर्ट तैयार करने पर भी चर्चा की गई। जिसमें परिवार के सदस्यों की संख्या, व्यवसाय, मासिक आय, साक्षरता स्तर, बच्चे की शिक्षा की परिस्थिति आदि पर चर्चा की गई।

लाठीचार्ज में हुई प्रेम महतो की मौत की सीबीआइ जांच की मांग को लेकर राज्यपाल से मिले अमित

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट में विस्थापित अप्रेंटिस संघ के प्रदर्शन के दौरान लाठीचार्ज में प्रेम महतो की मौत की हुई मौत की जांच सीबीआइ से कराने की मांग को लेकर भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुमार अमित के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को रांची में राज्यपाल संतोष गंगवार से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को तीन ज्ञापन सौंपा। जिसमें तीन मार्च के हुए विस्थापित अप्रेंटिस संघ के प्रदर्शन में सीआइएसएफ के लाठीचार्ज के दौरान प्रेम महतो की मौत की सीबीआई से जांच कराने, आंदोलनकारियों पर दर्ज प्राथमिकी को राज्य सरकार से वापस लेने, सभी अप्रेंटिस प्रशिक्षण प्राप्त प्रशिक्षुओं को सेल में स्थाई नियोजन देने, राज्य में निकाय चुनाव को शीघ्र करवाने एवं राज्य में वित्त रहित शिक्षा नीति को समाप्त कर बोकारो में उच्च शिक्षण संस्थानों की स्थापना करने की मांग राज्यपाल से की गई। कुमार अमित ने बोकारो में लाठीचार्ज और प्लांट बंदी के दौरान हुई घटना के सभी पहलुओं से राज्यपाल को विस्तृत रूप से अवगत कराया। साथ ही राज्यपाल से बोकारो सिटी कॉलेज और चास कॉलेज में आधारभूत संरचना का नए सीरे से विकास करने, सिटी कॉलेज, चास कॉलेज सहित राज्य के सभी प्रमुख कॉलेजों में छात्रों के लिए एनसीसी का प्रशिक्षण प्रारंभ करवाने और विश्वविद्यालयों में लंबित छात्रसंघ चुनाव को पुनः प्रारंभ करवाने आदि की मांग की। इस पर राज्यपाल ने प्रेम महतो की मौत का उच्चस्तरीय जांच कराने के साथ ही अन्य मांगो पर भी सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया है।

दहेज हत्या के दोषी ससुर, भसुर और गोतनी को 10-10 वर्ष सश्रम कारावास की हुई सजा

तेनुघाट (आजाद सिपाही)। व्यवहार न्यायालय के जिला जज द्वितीय सूर्य मणि त्रिपाठी ने सोमवार को दहेज हत्या के दोषी ससुर टिकेश्वर महतो, भसुर नीलकंठ महतो और गोतनी प्रमिला देवी को 10-10 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई। बतातें चलें कि वाद के सूचक गिरिडीह जिला के बगोदर थाना अंतर्गत टुकटुको निवासी टिकेश्वर महतो ने पेक नारायणपुर थाना में मामला दर्ज कराया था। जिसमें बताया था कि उसकी बेटी पूनम कुमारी की शादी जून 2020 में पेक नारायणपुर थाना अंतर्गत मुंगो रंगामाटी निवासी बसंत कुमार महतो से हुई थी। शादी के समय दहेज में काफी कुछ दिया था। पर एक महीने के बाद से ही दामाद बसंत कुमार महतो, उसके पिता टिकेश्वर महतो, भसुर नीलकंठ महतो और गोतनी प्रमिला देवी दहेज की मांग करने लगे। वे लोग बाइक एवं मकान बनाने के लिए तीन लाख रुपए देने को कहा। मना करने पर बेटी से गाली गलौज किजा जाता। परेशान होकर बेटी ने 30 सितंबर 2020 फोन कर बताया कि दहेज नहीं देने पर ससुराल वाले जान से मार देंगें। इस बीच एक अक्टूबर 2020 की सुबह एक व्यक्ति का फोन आया कि उसकी बेटी कहीं चली गई है। उक्त खबर के बाद जब वे लोग मूंगो रंगा माटी पहुंचे तो बेटी के घर पर कोई नहीं था। बाद में बेटी की तलाश करने पर जंगल में महुआ के पेड़ पर उसका शव लटकते देखा। जिसके गले में साड़ी का फंदा लगा हुआ था। उसे देखकर ऐसा लगा की मारपीट कर हत्या कर शव को पेड़ों में लटकाया गया है। उक्त बयान के आधार पर पेक नारायणपुर थाना में मामला दर्ज किया गया। आरोप पत्र दाखिल होने के बाद मामला स्थानांतरण होकर जिला जज द्वितीय सूर्य मणि त्रिपाठी के न्यायालय में आया। जहां उपलब्ध गवाह एवं दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं की बहस सुनने के बाद जिला जज द्वितीय सूर्य मणि त्रिपाठी ने दहेज हत्या के मामले में दोषी पाने के बाद ससुर, भसुर एवं गोतनी को 10-10 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई। इसके बाद तीनों दोषियों को तेनुघाट जेल भेज दिया गया। वहीं, अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक विजय कुमार साहू ने बहस किया।

बेरमो विधायक ने 1.75 करोड़ की लागत से बनने वाली योजनाओं का किया शिलान्यास

आजाद सिपाही संवाददाता

बेरमो। विधायक कुमार जयमंगल उर्फ अनूप सिंह ने फुसरो नगर परिषद के विभिन्न वार्डों में करीब एक करोड़ 75 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले पेवर ब्लॉक बिछाने और पेवर ब्लॉक से सड़क निर्माण कार्य का सोमवार को शिलान्यास किया। उक्त विकास कार्य वार्ड नंबर 13 ढ़ोरी पोस्ट ऑफिस के पास, वार्ड 14 के नावाखाली दुर्गा मंदिर के पास, वार्ड 3-4 के लिए रांची धौड़ा, वार्ड नंबर दो के लिए तीन नंबर रथ मंदिर एवं अंबेडकर क्लब के पास, वार्ड नंबर 16 के रिवर साइड हनुमान मंदिर के पास, वार्ड नंबर 17 घुठियाटांड ग्राम देवता, काली मंदिर एवं करमा पर्व स्थल, वार्ड नंबर 18 के बालू बैंकर विवाह मंडप और वार्ड नंबर 27 और 28 के लिए मोदी धौड़ा में शिलान्यास किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि यह योजनाएं नप क्षेत्र की जनता की मांग पर दिया गया है। हमारा प्रयास है कि नगर परिषद सहित पूरे बेरमो विधानसभा का संपूर्ण विकास हो। पेवर ब्लॉक के बिछाव से स्थानीय निवासियों को आवागमन में सुविधा होगी और क्षेत्र के समग्र विकास को एक नई गति मिलेगी। उन्होंने लोगों से कहा कि आप काम बतायें, मैं उसे जरूर पूरा करूंगा। इस मौके पर नप के सिटी मैनेजर अजमल हुसैन, कर्मी राजीव रंजन कुमार, पूर्व पार्षद श्रीकांत मिश्रा, अनिल कुमार, रश्मि सिंह, कंचन देवी, विधायक प्रतिनिधि उत्तम सिंह, कांग्रेस के बेरमो प्रखंड अध्यक्ष छेदी नोनिया, पार्षद प्रतिनिधि सत्येंद्र यादव, परवेज अख्तर, दिलीप सिंह, राकेश सिंह, हरेंद्र सिंह, सीएस प्रसाद, ललन रवानी, रवि सिंह, उत्तम सिंह सहित संवेदक आकाश मिश्रा, स्तुति मिश्रा और विवेक मिश्रा आदि उपस्थित थे।

धर्माबांध ओपी क्षेत्र में अवैध खनन के खिलाफ छापामारी

महुदा (आजाद सिपाही)। धर्माबांध ओपी क्षेत्र के जंगलों में लंबे समय से चल रहे अवैध खनन के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। मीडिया में इस अवैध उत्खनन की खबरें प्रकाशित होने के बाद सीआईएसएफ और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने सोमवार को छापामारी कर अवैध खनन स्थल को ध्वस्त कर दिया और उसे भराई कर बंद करवा दिया है। सूत्रों की मानें तो पिछले एक महीने से तस्कर इस क्षेत्र में पोकलेन और जेसीबी मशीनों के जरिए संगठित ढंग से खनन कर रहे थे। इसके लिए उन्होंने घने जंगल को तबाह कर दिया, जिससे ना केवल पर्यावरण को नुकसान हुआ, बल्कि सैकड़ों वन्य जीवों का आशियाना भी उजड़ गया। हैरानी की बात यह रही कि इस पूरे घटनाक्रम के दौरान ना तो स्थानीय पुलिस, ना बीसीसीएल, ना माइनिंग विभाग और ना ही वन विभाग ने कोई कार्रवाई की। स्थानीय लोगों का आरोप है कि संबंधित विभागों की चुप्पी से तस्करों को हौसला मिला और वे खुलेआम अवैध कारोबार को अंजाम देते रहे। अब जब मीडिया में मामला उजागर हुआ, तब प्रशासन हरकत में आया, जिससे लोगों के बीच यह धारणा बन रही है कि यह कार्रवाई केवल दिखावे के लिए की गई है। लोगों का कहना है कि प्रशासन की सक्रियता अगर पहले दिखाई देती, तो जंगल और पर्यावरण की यह दुर्दशा रोकी जा सकती थी।

मधुमक्खी के काटने से सीसीएल कर्मी की मौत

पिछरी/बेरमो (आजाद सिपाही)। सीसीएल ढ़ोरी के एएडीओसीएम परियोजना में कार्यरत पेटरवार थाना क्षेत्र के पिछरी केवट टोला निवासी सीसीएल कर्मी सुबल मल्लाह (50) की मौत सोमवार को हो गयी। बताया जा रहा कि वह अपने ससुराल दुगदा केवट टोला गये थे। यहां घर के बगान में कुछ काम कर रहे थे, तभी मधुमक्खियों ने हमला कर बुरी तरह काट लिया था। परिजनों ने उन्हें उपचार के लिए सीसीएल के ढोरी केंद्रीय अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृतक घोषित कर दिया। उधर, घटना की जानकारी पाकर बेरमो पुलिस के साथ ही विभिन्न यूनियन के नेता पहुंच गये। नेताओं ने सीसीएल के अधिकारियों से बातचीत कर मृतक के आश्रित को प्रवधान के अनुसार नौकरी एवं मुआवजे की मांग की। इस पर अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि प्रवधान के अनुसार आश्रित परिवार को हर संभव मदद पहुंचाया जायेगा। वहीं बेरमो पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बोकारो चास भेज दिया। मृतक सुबल मल्लाह सीसीएल ढोरी एरिया के एएडीओसीएम परिजनों में ड्रिल ऑपरेटर के पद पर कार्यरत थे। मृतक अपने पीछे एक पुत्र, पत्नी सहित भरापुरा परिवार छोड गये है। दूसरी ओ्र, घटना की जानकारी पाकर श्रमिक नेता विकास कुमार सिंह, कैलाश ठाकुर, धीरज कुमार पांडेय आदि अस्पताल पहुंचकर घटना को लेकर परिवार को ढांढस बंधाते हुए हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

श्रीराम प्लाजा में खुला अल्टीमेट बुटीक पूर्व महापौर चंद्रशेखर ने किया उद्घाटन

धनबाद (आजाद सिपाही)। बैंक मोड़ स्थित श्रीराम प्लाजा में अल्टीमेट बुटीक वन स्टेप सॉल्यूशन फॉर फैशन एंड ब्यूटी का उद्घाटन पूर्व महापौर चंद्रशेखर अग्रवाल ने किया। उन्होंने कहा कि धनबाद के हृदय स्थली में स्थित अल्टीमेट ब्यूटी के आकर्षक और लेटेस्ट कलेक्शंस महिलाओं को पसंद आएगी। शोरूम की सबसे खास खूबी साथ में टेलरिंग की भी व्यवस्था है जिससे कपड़े खरीदने के बाद त्वरित रूप से बनेंगे। प्रतिष्ठान की मालकिन ब्यूटी कुमारी ने बताया कि हमारे शोरूम में युवतियों एवं महिलाओं के लिए सूरत, मुंबई सहित अन्य शहरों के आज के ट्रेंड के खूबसूरत आकर्षक चुनिंदा सूट के कपड़े, साड़ियां एवं अन्य परिधान उपलब्ध है। इस मौके पर अभिषेक सिन्हा ,गौतम विधायक, चंदन सिंह सनी, जीतू राय आदि उपस्थित थे।

धर्मगुरुओं के सहयोग से झारखंड में बाल विवाह के खिलाफ बड़ी पहल

अक्षय तृतीया पर नहीं होगा एक भी बाल विवाह

आजाद सिपाही संवाददाता

महुदा। झारखंड में बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के खिलाफ मजबूत अभियान की शुरूआत हो चुकी है। इसी कड़ी में सोमवार को झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के कंचनपुर स्थित प्रधान कार्यालय में संस्था प्रमुख की ओर से आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बाल विवाह रोकथाम को लेकर चलाए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी गई। संस्था के निदेशक शंकर रवानी ने बताया कि इस बार अक्षय तृतीया के अवसर पर जिले में एक भी बाल विवाह नहीं होगा। कहा कि इस अभियान में मंदिरों के पुजारियों, मस्जिदों के मौलवियों और अन्य धर्मगुरुओं का आशातीत सहयोग प्राप्त हुआ है, जो अत्यंत सराहनीय है। शंकर रवानी ने कहा कि जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) के सहयोग से झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियान को धर्मगुरुओं का पूरा समर्थन मिला है। पंडितों और मौलवियों ने बाल विवाह को लेकर कानून की गंभीरता को समझते हुए ना केवल समर्थन जताया, बल्कि खुद आगे आकर बाल विवाह नहीं कराने की शपथ भी ली है। उन्होंने बताया कि बाल विवाह सिर्फ एक सामाजिक ही नहीं, बल्कि कानूनी अपराध भी है। 18 वर्ष से कम उम्र की बच्ची से विवाह करना और वैवाहिक संबंध बनाना यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम के तहत बलात्कार माना जाता है। धर्मगुरुओं ने इस तथ्य को समझते हुए एक स्वर में बाल विवाह के खिलाफ आवाज बुलंद की है।

पुरोहितों और मौलवियों की पहल से बढ़ी उम्मीद

इस अभियान में पुरोहितों एवं मौलवियों की सक्रिय भागीदारी ने समाज के अन्य वर्गों को भी प्रेरित किया है। शंकर रवानी ने कहा कि यदि विवाह संपन्न कराने वाले पुरोहित और मौलवी ही बाल विवाह से इनकार कर दें, तो यह सामाजिक अपराध रातोंरात समाप्त हो सकता है। उन्होंने बताया कि इस मुहिम के तहत विवाह से संबंधित धर्मस्थलों पर भी बाल विवाह के खिलाफ पोस्टर लगाए गए हैं और स्थानीय लोगों को व्यक्तिगत रूप से जानकारी दी गई है। इस अभियान को सफल बनाने में ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष विनोद महतो, समन्वयक नईमुद्दीन अंसारी, ममता रवानी, सिता कुमारी, दीपा रवानी, मुमताज अंसारी, चंदा कुमारी और पूजा महतो सहित कई सामाजिक कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका रही। सभी ने मिलकर विभिन्न गांवों और कस्बों में जाकर बाल विवाह के दुष्परिणामों की जानकारी दी और लोगों से इस बुराई के खिलाफ एकजुट होने की अपील की।

GOVT. OF JHARKHAND
CABINET SECRETARIAT AND VIGILANCE DEPARTMENT (CIVIL AVIATION DIVISION)
STATE HANGAR, AIRPORT ROAD, HINOO, RANCHI-834002
email:- civilaviation.jhr@gmail.com; govtflyops@gmail.com Telefax:- 0651-2250319, 2251090

CORRIGENDUM-I

Ref. No.-262, **Date:-28.04.2025**

Please refer to Tender reference no.-CADsec1/01-PLAN-18/2022Cabinet/232, Dtd.-11.04.2025 and Ref. PR no.-350137, regarding hiring one air ambulance on wet lease. In light of the discussion during the pre bid meeting held on 26/04/2025, The schedule of events related to the above tender is hereby extending as per the following schedule:-

Start of submission of e-bids :-	30/04/2025; 10:00 AM
Last date of Bid submission:-	10/05/2025; 06:00 PM
Technical bid opening :-	14/05/2025; 12:30 PM

The following terms and conditions of the tender are modified as mentioned below :-

Para	Old Condition	Modified/ New Condition
Chapter I, 1(b)	Vintage - 2003 or later	Bidder should have valid ARC issued by DGCA, Govt. of India.
Chapter I, 10	Bidder should not have been blacklisted by any State Govt./ Central Govt./PSU anytime in the past. An affidavit regarding the same to be submitted.	Bidder should not have been Blacklisted or Terminated by any State Govt./Central Govt./PSU anytime in the past. An affidavit regarding the same to be submitted.
Chapter I, 11	-	Company's Aircraft should have accident free record in past 02 years.
Chapter III, 1(xiii)	The service provider should provide the aircraft with all the basic medical equipments like stretcher, Oxygen cylinder, etc. Only the onboard medical attendant/ doctor will be provided by the state govt.	The service provider should provide the aircraft with all the required onboard medical equipments, paramedical staffs and doctors etc. The service provider is solely responsible for any kind of deficiency and negligence regarding medical care on aircraft.

Rest all terms and conditions remain unchanged. In case, any other condition of the tender seem contradictory to the above new/ modified conditions, then above condition(s) shall be treated as final. All other Terms & Conditions shall however remain same as thereof published earlier.

Note:- Please visit the website jharkhandtenders.gov.in for further updates

Sd/-
(Capt. S. P. Sinha) Director (Ops)s

PR.NO.351297 Civil Aviation(25-26):D

कार्यालय नगर पंचायत, कोडरमा
(Mail Id:- kodermanagarpanchayat@gmail.com)

आम सूचना

विभागीय पत्रांक –509 दिनांक – 21.04.2025 के आलोक में नगर पंचायत कोडरमा क्षेत्र के सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 अन्तर्गत ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित है। योग्य आवेदक PMAY (U) 2.0 के अन्तर्गत '' लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण'' हेतु निम्नलिखित लिंक अथवा QR CODE के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन समर्पित करने के उपरांत सभी संबंधित दस्तावेज नगर पंचायत कोडरमा कार्यालय में जमा कर सकते हैं।

http://pmaymis.gov.in/PMAYMIS2_2024/PmayDefault.aspx

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत् पात्रता एवं शर्ते :–
- योजना के अंतर्गत आवेदक के परिवार में पति–पत्नी एवं अविवाहित बच्चे शामिल होगें।
- आवेदक या आवेदक के परिवार के किसी भी सदस्य के नाम पर भारत के किसी भी हिस्से में कोई पक्का आवास नही हो।
- आवदेक या आवेदक के परिवार के किसी भी सदस्य ने पिछले 20 वर्शो में भारत सरकार या राज्य सरकार की किसी अन्य आवास योजना के तहत् लाभ नही लिया हो।
- आवेदक को योजना अन्तर्गत लाभ प्राप्त करने हेतु कटऑफ डेट – 01.09.2024 होना अनिवार्य है।
- आवेदक इडब्ल्यूएस श्रेणी से संबंधित हो, और सभी स्रोतो से आवेदक का वार्षिक पारिवारिक आय 3,00,000/– (मात्र तीन लाख) रूपये तक हो।

आवेदन के साथ संलग्न कागजातों की विवरणी :–
- आवेदक का आधार कार्ड की छाया प्रति।
- आवेदक के माता एवं पिता का आधार कार्ड की छाया प्रति।
- आवेदक के परिवार का आधार कार्ड की छाया प्रति।
- आवेदक का मतदाता पहचान पत्र की छाया प्रति।
- आवेदक का बैंक पासबुक की छाया प्रति।
- आय प्रमाण–पत्र की छाया प्रति।
- जाति, आवासीय प्रमाण–पत्र की छाया प्रति।
- भारत वर्ष में कहीं भी पक्का मकान नही होने का शपथ पत्र।
- भूमि स्वामित्व से संबंधित कागजात।
- अंचल कार्यालय द्वारा निर्गत भू–स्वामी प्रमाण पत्र। (यथा –खतियान, केवाला, पट्टा, बटवारानामा, रसीद इत्यादि)
- आवेदक का दो पासपोर्ट आकार का फोटो एवं परिवार के सभी सदस्यों के साथ संयुक्त फोटोग्राफ (वर्तमान मकान सहित)
- आवेदन हेतु आवेदक का एक्टिव मोबाईल नम्बर जो आधार कार्ड से लिंक होना आवश्यक है।

ह0/–
प्रशासक
नगर पंचायत कोडरमा

PR 351232 Urban Development(25-26).D

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग
जिला नियोजनालय–सह–मॉडल कैरियर सेन्टर, कोडरमा

''भर्त्ती कैम्प–2025''

–: सूचना :–

एतद् द्वारा सभी शिक्षित बेरोजगार युवक/युवतियों को सूचित किया जाता है कि **जिला नियोजनालय–सह–मॉडल कैरियर सेन्टर, कोडरमा** के द्वारा दिनांक : **02 मई, 2025** को **जिला नियोजनालय, कोडरमा कार्यालय में** पूर्वाह्न **10:00** बजे से अपराह्न **03:00** बजे तक एक दिवसीय **''भर्त्ती कैम्प– 2025''** का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें निम्नलिखित प्रतिष्ठानों ने अपनी उपस्थिति की सहमति जताई है, जिसका विवरण निम्न प्रकार है :–

S.N	Name of the Establishment & Address	Name of the Post	No of Post	Qualification	Age	Pay & Allow.	Experience
01	Jai Maa Kali Autombiles, J. Telaiya, Koderma	Sales Executive	06	Graduate	20-35 Yrs.	12100-15000/ Month	----
		Helper	04	Matric	20-35 Yrs.	12100-15000/ Month	----
		CRE Call	03	Matric	20-35 Yrs.	12100-15000/ Month	----
		Mechanic	01	Matric	20-40 Yrs.	12100-15000/ Month	----
		Accountant-cum-Cashier	01	Graduate	20-40 Yrs.	16000-18000/ Month	----
02	Shree Lakshmi Narayan Vidyapeeth, Ghaghdih, Koderma	TGT English	01	B.Ed	21-40 Yrs.	Negotiable	3 Yrs.
		TGT Maths	01	B.Ed	21-40 Yrs.	Negotiable	3 Yrs.
		TGT SST	01	B.Ed	21-40 Yrs.	Negotiable	3 Yrs.

योग्य एवं इच्छुक उम्मीदवार जो पूर्व से किसी भी नियोजनालय में निबंधित नहीं है, वे जिला नियोजनालय, कोडरमा में अथवा **www.jharniyojan.jharkhand.gov.in** पर अपना निबंधन कराते हुए उपरोक्त **''भर्त्ती कैम्प–2025''** में नियोजक/नियोजक के प्रतिनिधि के समक्ष अपने सभी मूल प्रमाण पत्रों एवं उसकी एक छायाप्रति तथा बायोडाटा (02 कॉपी), दो पासपोर्ट साईज फोटो के साथ साक्षात्कार हेतु उपस्थित हो सकते है। वैसे उम्मीदवार जो पूर्व से निबंधित है, उन्हें पुनः निबंधन करवाने की आवश्यकता नहीं है। चूँकि रिक्ति निजी क्षेत्र से संबंधित है अतएव चयन की प्रक्रिया में नियोजनालय का किसी भी प्रकार से हस्तक्षेप नहीं होगा।

अतः सभी शिक्षित बेरोजगार युवक/युवतियों से अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में **''भर्त्ती कैम्प– 2025''** में शामिल होकर इस सुनहरे अवसर का लाभ उठावें।

जिला नियोजन पदाधिकारी,
कोडरमा

PR 351272 (Labour Employment and Traning)25-26*D

आजाद सिपाही
रांची, मंगलवार, 29 अप्रैल, 2025
www.azadsipahi.in

उत्कल गौरव मधुसूदन दास की जयंती विधानसभा परिसर में मनायी गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। उत्कल गौरव मधुसूदन दास ओड़िया राष्ट्र के गर्व और गौरव के प्रतीक थे। उन्होंने स्वतंत्र ओड़िशा प्रदेश के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। मधुबाबू ने ओड़िशा में एक नई राजनीतिक चेतना पैदा करके ओड़िशा और ओड़िया राष्ट्र की प्रगति, आत्मरक्षा और आत्मसम्मान के लिए अपना सब कुछ बलिदान कर दिया। छात्र जीवन से लेकर मृत्यु तक उनका जीवन संघर्षमय रहा है। उन्होंने जीवन भर देश और राष्ट्र के लिए संघर्ष किया और भारत में ओड़िया राष्ट्रीय की एक स्वतंत्र पहचान बनायी। परिणामस्वरूप, आज ओड़िया राष्ट्र ने भारत में एक विशेष और गरिमामय स्थान प्राप्त कर लिया है। मधुसूदन दास का जन्म 28 अप्रैल, 1848 को कटक जिले के सत्यभामापुर गांव में हुआ था। एक स्वतंत्र ओड़िशा राज्य का गठन और ओड़िया राष्ट्र का समग्र विकास मधुबाबू के सपने और संकल्प थे। स्वतंत्र ओड़िशा प्रांत के गठन से दो साल पहले चार फरवरी 1934 को उत्कल जननी के इस महान सुपुत्र का निधन हो गया । उन्होंने सदैव ओड़िया लोगों के उत्थान के लिए काम किया है। वह सचमुच महान माता के सबसे योग्य संतान थे। उत्कल गौरव मधुसूदन दास की जयंती सोमवार को विधानसभा में मनायी गयी।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष सुरमा पाढ़ी, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, उपाध्यक्ष भवानीशंकर भोई, स्वास्थ्य, परिवार कल्याण मंत्री डॉ मुकेश महालिंग, उच्च शिक्षा मंत्री सूर्यवंसी सूरज, वन और पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन मंत्री गणेश राम सिंह खुंटिया, कांग्रेस विधायक दल के नेता रामचंद्र काड़ाम, विधायक बाबू सिंह, प्रफुल्ल चंद्र प्रधान, उत्कल सम्मेलन के वरिष्ठ कार्यकर्ता और विधानसभा सचिव सत्यब्रत राउत प्रमुख उपस्थित थे। उत्कल गौरव मधुसूदन दास की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। शाश्वती सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों द्वारा देशभक्ति संगीत प्रस्तुत किया गया। रोजलिन साहू ने कार्यक्रम का समन्वयन किया।

मृत्युंजय कोषाध्यक्ष मनोनीत, दी बधाई

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन शाखा बोकारो के कार्यालय में सभी शाखा पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य, हवलदार एवं पुलिसकर्मियों की उपस्थिति में बोकारो शाखा के रिक्त कोषाध्यक्ष पद पर प्रदेश एसोसिएशन से प्राप्त आदेश के आलोक में आ014 मृत्युंजय कुमार को कोषाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया। इसके बाद उन्होंने पुलिस अधीक्षक एवं परिचारी प्रवर प्रणव कुमार से शिष्टाचार भेंट की। मृत्युंजय कुमार को कोषाध्यक्ष पद पर मनोनीत होने के लिए एसोसिएशन के सदस्यों ने बधाई दी है। इस अवसर पर बोकारो एसपी मनोज स्वर्गियारी, अध्यक्ष संजीत महतो, उपाध्यक्ष प्रफुल्ल किंडो, राज कुमार मुंडा, सचिव सुभाष शुक्ला, संयुक्त सचिव राजेंद्र राम, केंद्रीय सदस्य राकेश महतो, अंगेक्षक संजय कुमार महतो समेत कई लोगों ने फूल माला पहना कर और बुके देकर बधाई दी। कोषाध्यक्ष बनने के बाद मृत्युंजय कुमार ने कहा कि आरक्षी और हवलदार से संबंधित जो भी कल्याणकारी काम होंगे, उसे पूरा करेंगे। गंभीर रूप से बीमार होने और दुर्घटनाग्रस्त होने पर लोगों की मदद की जायेगी। पुलिस लाइन की समस्याएं दूर की जायेंगी। जरूरत पड़ी, तो पुलिस अधीक्षक बोकारो से मिल कर दूर करने का आग्रह किया जायेगा।

शपथ पत्र

शपथ पत्र संख्या 123, दिनांक 16.04. 2025 के अनुसार, मैं अविनाश कुमार पिता दिनेश यादव, ग्राम - कउवल,पोस्ट कउवल,थाना-छतरपुर, जिला-पलामू राज्य झारखंड निम्नलिखित शपथ पूर्वक घोषणा करता हूं कि यह कि उपरोक्त पता का स्थाई निवासी हूं यह कि मेरा वास्तविक नाम अविनाश कुमार है। जो मेरे मैट्रिक के शैक्षणिक प्रमाण पत्र के अंक पत्र संख्या 255625 के पंजीयन संख्या 31099- 24463- 21 रॉल कोड 31099 अनुक्रमांक संख्या 0047 में अंकित है। परंतु मेरे आधार कार्ड संख्या 728255890754 में मेरा नाम अभिजीत कुमार अंकित हो गया है। यह की मैं घर में अविनाश कुमार एवं अभिजीत कुमार दोनो नाम से जाना जाता हूँ। दोनो नाम एक ही व्यक्ति का है। यह कि मैं दोनो नाम के एक ही व्यक्ति होने एवं अपने वास्तविक नाम अविनाश कुमार शैक्षणिक प्रमाण पत्र में अंकित नाम के आधार पर अपने आधार कार्ड में नाम सुधार करने हेतु दावा श्वरूप शपथ कर रहा हूँ।

मैं अविनाश कुमार शपथ कर्ता शपथ पूर्वक एकरार करता हूँ कि उपरोक्त लिखी गई सभी बातें हमारे जानकारी में सही है। यदि हमारे द्वारा गलत बयान शपथ पत्र में दर्ज कराई गई तो प्रकाशित हो जाने पर मैं स्वयं दण्ड का भागी बनुंगा।

ओएसएससी, ओपीएससी परीक्षा के प्रश्नपत्रों में त्रुटियां, उच्च शिक्षा मंत्री ने प्रतिक्रिया दी

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। आयोजित ओएसएससी (ओडिशा कर्मचारी चयन आयोग) और ओपीएससी (ओडिशा लोक सेवा आयोग) परीक्षा में कथित त्रुटियों के मामले में उच्च शिक्षा मंत्री सूर्यवंशी सूरज ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि उक्त मामला उनके विभाग से संबंधित नहीं है। ओड़िशा कर्मचारी चयन आयोग ने एसआइ ट्रैफिक (ग्रुप बी) के 21 पदों और एसआई एक्साइज (ग्रुप सी) के 10 पदों के लिए संयुक्त लिखित परीक्षा आयोजित की। हालांकि, कथित तौर पर पूछे जाने वाले विषयों के बजाय अन्य विषयों पर प्रश्न पूछे गए। इस बीच आज अभ्यर्थियों ने ओएसएससी पर प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों ने परीक्षा रद्द करने की मांग की।

पांच दिन से पाकिस्तान के कब्जे में है बीएसएफ जवान

डिप्लोमेटिक चैनल की मदद से भारत छुड़ाने का करेगा प्रयास

- बेनतीजा रही फ्लैग मीटिंग

आजाद सिपाही संवाददाता

फिरोजपुर। पंजाब के फिरोजपुर में अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर पर गलती से पाकिस्तानी सीमा में प्रवेश करने वाले बीएसएफ जवान पीके साहू को वहां के रेंजर्स ने हिरासत में ले रखा है। जवान की रिहाई के लिए कई बार फ्लैग मीटिंग बुलायी गयी है, मगर पाकिस्तानी रेंजर्स की तरफ से कोई ठोस रिस्पांस नहीं मिला। पाकिस्तान, जानबूझकर कर फ्लैग मीटिंग को तव्वजो नहीं दे रहा। सूत्रों के मुताबिक अब बीएसएफ के जवान की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित कराने के लिए डिप्लोमेटिक चैनल की मदद ली जा रही है। बीएसएफ के पूर्व अफसरों का कहना है कि गलती से एक-दूसरे देश की सीमा में चले जाना कोई बड़ा अपराध नहीं है। पहले भी दोनों पक्षों को ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ा है। कई बार तो कुछ घंटे बाद ही और वो भी एक ही फ्लैग मीटिंग में मामला निपटा लिया जाता रहा है। इस बार पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के प्रति जो सख्त रवैया अपनाया है, उसके चलते बीएसएफ जवान की वापसी में देरी हो रही है। हालांकि इसमें कोई ज्यादा चिंता की बात नहीं है। पाकिस्तान को देर सवेर बीएसएफ जवान की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करनी होगी। बता दें कि यह घटना गत बुधवार को तब हुई, जब बीएसएफ जवान पीके साहू 182वीं बटालियन, बॉर्डर के गेट संख्या 208/1 पर तैनात थे। वे फसल कटाई के दौरान भारतीय किसानों पर नजर रख रहे थे। बीएसएफ, किसानों की सुरक्षा भी करती है। लिहाजा तेज गर्मी के मौसम में जवान ने जब पेड़ की छांव में खड़े होने का प्रयास किया, तो पाकिस्तानी रेंजर्स ने उसे हिरासत में ले लिया। उनकी सर्विस राइफल भी जब्त कर ली गयी। बताया जाता है कि वह कुछ समय पहले ही इस क्षेत्र में तैनात हुआ था। पांच दिन में तीन बार फ्लैग मीटिंग करने का प्रयास किया गया, मगर पाकिस्तान की तरफ से कोई जवाब नहीं मिला।

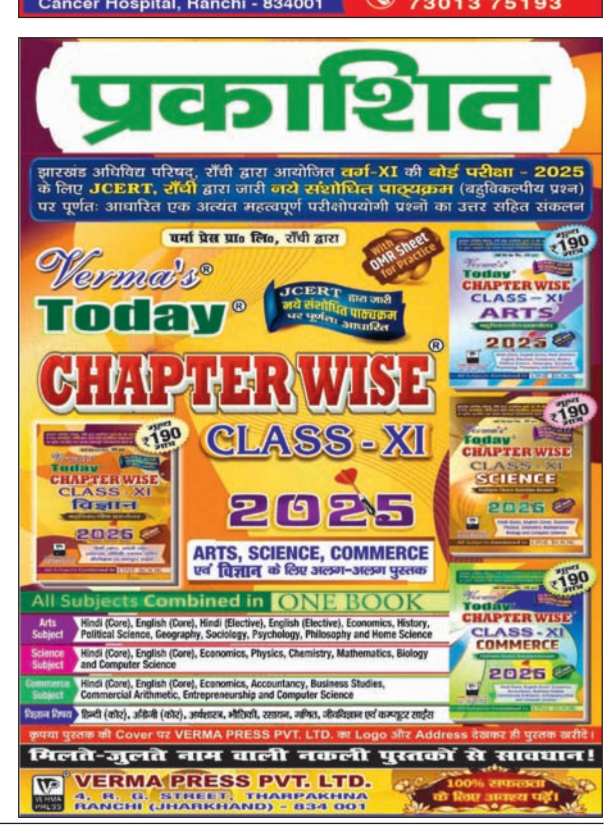

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**